विजय मत

राष्ट्र को समर्पित

मप्र और छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित

www.vijaymat.com | शहडोल, गुरुवार, 3 अप्रैल 2025 | वर्ष- 08 | अंक- 98 | पेज- 08 | मूल्य- ₹ 5.00/-

ज्ञानामृत

तुम अगर सूर्य के जीवन
से चले जाने पर चिल्लाओगे
तो आँसू भरी आँखे
सितारे कैसे देखेंगी।

▶▶ रविंद्रनाथ टैगोर

भारत को वक्फ के डर से मुक्ति चाहिए: अनुराग ठाकुर

भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर वक्फ संशोधन बिल पर चर्चा के दौरान कहा, यह विधेयक नहीं बल्कि उम्मीद (एकीकृत वक्फ प्रबंधन सशक्तिकरण, दक्षता और विकास) है। इस उम्मीद में

सशक्तिकरण, दक्षता और विकास है। इसे देखते हुए देश की जनता इसका समर्थन कर रही है। कैथोलिक बिशप कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडिया, चर्च ऑफ भारत, केरल काउंसिल ऑफ चर्चेज और केरल कैथोलिक बिशप काउंसिल, ऑल इंडिया सूफी सज्जादानशीन काउंसिल और मुस्लिम राष्ट्रीय मंच जैसे कई संगठनों ने इसका समर्थन किया है। मैं इसके लिए उनका धन्यवाद करता हूं। वक्फ में संशोधन का समय आ गया है क्योंकि यह अत्याचार और भ्रष्टाचार का अड्डा बन गया है। इसे खत्म करने और इसमें संशोधन करने का समय आ गया है। भारत को वक्फ के डर से मुक्ति चाहिए क्योंकि कांग्रेस के शासन में बने वक्फ कानून का मतलब था खाता न बही, जो वक्फ कहे वही सही।

सरकार मुद्दों से भटकाने के लिए ला रही है यह विधेयक: अखिलेश

सपा सांसद अखिलेश यादव ने लोकसभा में अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, जब भी बीजेपी कोई नया बिल लाती है, तो वह अपनी नाकामी छुपाती है। बीजेपी मुस्लिम भाइयों की जमीन की पहचान करने की बात कर रही है ताकि महा कुंभ में मरने वाले या खोए

हुए हिंदुओं की पहचान के मुद्दे को दबाया जा सके...। अखिलेश यादव ने आगे कहा, अर्थात "सिर्फ जान गंवाने वालों के बारे में ही नहीं, बल्कि इस सरकार को बताना चाहिए कि लगभग 1,000 हिंदुओं की सूची कहां है जो खो गए हैं और अभी तक नहीं मिले हैं..."। वे सरकार से उन लापता हिंदुओं के बारे में जानकारी मांग रहे हैं जिनका अभी तक कोई पता नहीं चल पाया है। उन्होंने यूनियन मिनिस्टर (किरेन रिजिजू) से भी सवाल किया। उन्होंने कहा, "केंद्रीय मंत्री (किरेन रिजिजू) को उस जमीन के बारे में बताना चाहिए जिस पर चीन ने अपने गांव बसाए हैं, लेकिन ताकि कोई भी इस बड़े खतरे के बारे में हंगामा न करे, इसलिए यह बिल लाया जा रहा है..."। उनका आरोप है कि सरकार चीन के साथ सीमा विवाद जैसे गंभीर मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए यह विधेयक ला रही है। वे चाहते हैं कि सरकार चीन द्वारा कब्जाई गई जमीन के बारे में बताए।

वक्फ कोई धार्मिक संस्था नहीं: रविशंकर प्रसाद

भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि वक्फ बिल गैर

संवैधानिक नहीं है। वक्फ कोई धार्मिक संस्था नहीं है। भाजपा सांसद ने पूछा कि कितने स्कूल-कॉलेज और अस्पताल वक्फ की जमीन पर बने हैं। कितनी गरीब मुसलमान और महिलाओं को जमीन दी गई।

मैं भी हिंदू हूं: कल्याण बनर्जी

टीएमसी संसदीय दल के नेता कल्याण बनर्जी ने वक्फ बिल पर

चर्चा के दौरान कहा कि ये संविधान के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि मैं भी हिंदू हूं। मंदिर में दान करूंगा, बौद्ध मठ को दान दूंगा। मस्जिद को दान दूंगा, चर्च को दान दूंगा। आप किस तरह से किसी को कंट्रोल कर सकते हो?

कैलाश विजयवर्गीय का वार

कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि विपक्ष तुष्टीकरण की नीति के

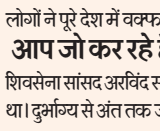

कारण विरोध कर रहा है। वक्फ बोर्ड में लाखों मुस्लिम भाइयों के केस लंबित हैं। वक्फ बोर्ड में हो रहे संशोधन से मुस्लिम भाइयों को फायदा होगा। कुछ लोगों ने पूरे देश में वक्फ बोर्ड पर कब्जा कर रखा है।

आप जो कर रहे हैं, उसे सही न समझें: सावंत

शिवसेना सांसद अरविंद सावंत ने कहा कि मैं भी जीपीसी का सदस्य था। दुर्भाग्य से अंत तक जीपीसी में खंड-दर-खंड चर्चा नहीं हुई। गैर-

हितधारकों को भी जीपीसी में बुलाया गया। हमने हमेशा महसूस किया है कि आपकी कथनी और करनी में बहुत अंतर है। आप इस विधेयक के जरिए किसी के साथ न्याय नहीं करना चाहते। आप जो कर रहे हैं, उसे सही न समझें। मुझे लगता है कि अब आपको सिर्फ बिहार चुनाव ही नजर आ रहे हैं।

काले कानून की विदाई: लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक पेश, पक्ष-विपक्ष में घंटों चली बहस

अब UMEED में बदला वक्फ बोर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक पेश किया। इस दौरान रिजिजू ने विधेयक को लेकर विस्तार से जानकारी दी और इसके नए नाम का भी एलान किया। उन्होंने कहा, हमने जो वक्फ (संशोधन) विधेयक पेश किया है, उसमें जेपीसी की कई सिफारिशें शामिल हैं, जिन्हें हमने स्वीकार कर लिया है और इस विधेयक में शामिल कर लिया है। यह कहना गलत है कि जेपीसी की सिफारिशें इस विधेयक में शामिल नहीं की गई हैं। इस विधेयक का एक बहुत ही महत्वपूर्ण पहलू नई संरचित प्रणाली है। वक्फ विधेयक का नाम बदलकर एकीकृत वक्फ प्रबंधन सशक्तीकरण, दक्षता और विकास (यूएमईईडी) विधेयक कर दिया गया है। इससे उम्मीद की भावना जगेगी।

आप चुनाव हार गए, तो फिर क्या फायदा हुआ

उन्होंने कहा, 2012-2013 में किए गए कामों के बारे में मैं बताना चाहता हूं कि चुनाव नजदीक थे और आचार संहिता लागू होने वाली थी। अप्रैल-मई 2014 में चुनाव हुए। 5 मार्च 2014 को यूपीए सरकार ने आवास एवं शहरी विकास मंत्रालय के अंतर्गत आने वाली 123 प्रमुख संपत्तियों को दिल्ली वक्फ बोर्ड को हस्तांतरित कर दिया। इसकी क्या जरूरत थी? चुनाव में बस कुछ ही दिन बचे थे। क्या आप इंतजार नहीं कर सकते थे? आपको लगा कि इससे आपको चुनाव जीतने में मदद मिलेगी, लेकिन आप चुनाव हार गए, तो फिर क्या फायदा हुआ? ऐसी हरकतों से वोट नहीं मिलते।

प्रावधानों का किसी मस्जिद या धार्मिक स्थल के प्रबंधन से कोई लेना-देना नहीं: रिजिजू

रिजिजू ने कहा, वक्फ बोर्ड के प्रावधानों का किसी मस्जिद, मंदिर या धार्मिक स्थल के प्रबंधन से कोई लेना-देना नहीं है। यह केवल संपत्ति प्रबंधन का मामला है... अगर कोई इस बुनियादी अंतर को समझने में विफल रहता है या जानबूझकर नहीं समझना चाहता है, तो मेरे पास इसका कोई समाधान नहीं है...।

संशोधन करना आवश्यक था... रिजिजू ने कहा, इस विधेयक में कुछ विसंगतियां थीं, इसलिए इसमें संशोधन करना आवश्यक था। मैंने पहले भी कहा था कि कोई भी भारतीय वक्फ बना सकता है, लेकिन 1995 में ऐसा नहीं था। 2013 में आपने इसमें बदलाव किए और अब हमने 1995 के प्रावधान को बहाल कर दिया है, जिससे यह सुनिश्चित हो गया है कि केवल वही व्यक्ति वक्फ बना सकता है जिसने कम से कम पांच साल तक इस्लाम का पालन किया हो। इससे पहले रिजिजू ने कहा, 2013 में 2014 के लोकसभा चुनाव से ठीक पहले कुछ ऐसे कदम उठाए गए थे, जो आपके मन में सवाल खड़े करेंगे। 2013 में सिखों, हिंदुओं, पारसियों और अन्य लोग वक्फ बना सकते थे। यह बदलाव कांग्रेस ने 2013 में किया था। कांग्रेस ने बोर्ड को खास बनाया, शिया बोर्ड में सिर्फ शिया ही शामिल होंगे। एक धारा जोड़ी गई कि वक्फ का प्रभाव हर दूसरे कानून पर हावी होगा। यह धारा कैसे स्वीकार्य हो सकती है?

वक्फ बिल पर शाह बोले- दान अपनी चीजों का होता है दूसरों की संपत्ति का नहीं, ये बहस इसी बात पर है

वक्फ संशोधन बिल आज लोकसभा में पेश हो रहा है। सदन में पक्ष और विपक्ष लगातार अपनी राय रख रहे हैं। सरकार की ओर पक्ष रखते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि मुझे लगता है कि या तो निर्दोष भाव से या राजनीतिक कारणों से ढेर सारी भ्रांतियां सदस्यों के मन में भी हैं और इन्हें फैलाने का प्रयास भी हो रहा है। बिल पर चर्चा का जवाब रिजिजू जी देंगे। कुछ बातों को स्पष्ट करने का प्रयास करूंगा। अमित शाह ने कहा, वक्फ एक अरबी शब्द है जिसका इतिहास कुछ हदीसों से जुड़ा मिलता है। आज जिस अर्थ में इसका उपयोग किया जाता है, अल्लाह के नाम पर संपत्ति का दान। अभी जो हम समझ रहे हैं, इस्लाम के दूसरे खलीफा उमर के समय अस्तित्व में आया। वक्फ एक प्रकार का चैरिटेबल एंडोरमेंट है। इसमें व्यक्ति पवित्र दान करता है। दान उस चीज का किया जा सकता है जो अपनी हो, मैं सरकारी संपत्ति या किसी दूसरे की संपत्ति का दान नहीं कर सकता। ये सारी बहस इसी बात पर है।

कोई भी गैर-मुस्लिम वक्फ में नहीं आएगा: शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि वक्फ अधिनियम और बोर्ड 1995 में लागू हुआ। गैर-मुस्लिमों को शामिल करने के बारे में सभी तर्क वक्फ में हस्तक्षेप के बारे में हैं। सबसे पहले, कोई भी गैर-मुस्लिम वक्फ में नहीं आएगा। अमित शाह ने कहा कि इसे स्पष्ट रूप से समझें... धार्मिक संस्थानों का प्रबंधन करने वालों में किसी भी गैर-मुस्लिम को शामिल करने का कोई प्रावधान नहीं है; हम ऐसा नहीं करना चाहते हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि यह एक बहुत बड़ी गलत धारणा है कि यह अधिनियम मुसलमानों के धार्मिक आचरण में हस्तक्षेप करेगा और उनके द्वारा दान की गई संपत्ति में हस्तक्षेप करेगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि आप (विपक्ष) इस देश को तोड़ देंगे... इस सदन के माध्यम से मैं देश के मुसलमानों से कहना चाहता हूं कि आपके वक्फ में एक भी गैर-मुस्लिम नहीं आएगा। इस कानून में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है।

कांग्रेस सांसद गोगोई ने सरकार पर संविधान को कमजोर करने का लगाया आरोप

कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने दावा किया, 'वक्फ संशोधन विधेयक का उद्देश्य संविधान को कमजोर करना, अल्पसंख्यक समुदायों को बदनाम करना, भारतीय समाज को विभाजित करना और अल्पसंख्यकों को मताधिकार से वंचित करना है।' उन्होंने अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू की तरफ से आज लोकसभा में पेश किए गए वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर सत्त पक्ष पर हमला बोला। वहीं कांग्रेस नेता के दावे को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और किरेन रिजिजू ने खारिज करते हुए कि सभी दलों की राय को ध्यान में रखते हुए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की चर्चा हुई थी, कांग्रेस नेता ने पलटवार करते हुए कहा कि कोई खंड-दर-खंड चर्चा नहीं हुई।

देशभर में हाथों में गुलाब और 'शुक्रिया मोदी जी' के बैनर लेकर वक्फ बिल के समर्थन में सड़कों पर उतरीं मुस्लिम महिलाएं

विजय मत, भोपाल। मध्य प्रदेश के भोपाल में बुधवार को एक अनोखा नज़ारा देखने को मिला। बुर्का पहने महिलाएं, हाथों में गुलाब और 'थैंक यू मोदी जी' के प्लेकार्ड लिए सड़कों पर उतर आए। ये सभी वक्फ संशोधन विधेयक के समर्थन में इकट्ठा हुए थे। केंद्र सरकार ने इस विधेयक को लोकसभा में पेश किया है। इस विधेयक का उद्देश्य देशभर में वक्फ बोर्डों के स्वामित्व वाली संपत्तियों को विनियमित करने वाले कानूनों में बड़े बदलाव लाना है। शहर के विभिन्न मुस्लिम समुदायों ने विधेयक के समर्थन में रैलियां निकालीं। बड़ी संख्या में मुस्लिम महिलाओं ने भी प्रदर्शनों में भाग लिया और 'थैंक यू, मोदी जी' लिखे पोस्टर पकड़े थे। भोपाल में हताई खेड़ा डैम के पास भी आनंदपुरा कोकता के मुस्लिम समाज के लोग हाथों में पोस्टर और फूल लेकर प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद देते दिखे।

वक्फ एक्ट में 14 बड़े बदलाव

केंद्र ने विधेयक में तीन श्रेणियों में किए संशोधन

केंद्र सरकार ने वक्फ एक्ट में बड़े बदलाव किए हैं, जिससे वक्फ बोर्ड की संरचना, वक्फ संपत्तियों पर नियंत्रण और विवादित संपत्तियों के निपटारे को लेकर नए नियम लागू किए जाएंगे। इस संशोधन के तहत कुल 14 अहम बदलाव किए गए हैं, जिन्हें तीन श्रेणियों में बांटा गया है।

1. वक्फ बोर्ड की संरचना में बदलाव

वक्फ बोर्ड की संरचना में बदलाव कर इसे अधिक समावेशी और संतुलित बनाने की कोशिश की गई है।

- **महिला प्रतिनिधित्व:** आर्टिकल 9 और 14 में संशोधन कर वक्फ बोर्ड में अब दो महिला सदस्य अनिवार्य रूप से शामिल किए जाएंगे।
- **गैर-मुस्लिम सदस्य:** अब वक्फ बोर्ड में दो गैर-मुस्लिम सदस्य भी शामिल किए जाएंगे, जिससे इसकी विविधता बढ़ेगी।
- **पिछड़े मुस्लिम समुदायों का प्रतिनिधित्व:** शिया, सुन्नी समेत अन्य पिछड़े मुस्लिम समुदायों से भी सदस्यों को शामिल किया जाएगा।
- **अलग वक्फ बोर्ड:** बोहरा और अघाखानी मुस्लिम समुदायों के लिए अलग वक्फ बोर्ड का गठन किया जाएगा।
- **संसद में वक्फ काउंसिल:** केंद्र सरकार अब सेंट्रल वक्फ काउंसिल में तीन सांसदों (लोकसभा से दो, राज्यसभा से एक) को रख सकेगी, जिनका मुस्लिम होना अनिवार्य नहीं होगा। अभी तक इस परिषद में केवल मुस्लिम सांसद ही होते थे।

2. वक्फ बोर्ड की संपत्तियों पर नियंत्रण

सरकार ने वक्फ संपत्तियों के नियमन और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए नए प्रावधान किए हैं।

- **ऑडिट प्रक्रिया:** अब सीएजी या सरकार द्वारा नियुक्त ऑडिटर वक्फ संपत्तियों का ऑडिट करेगा।
- **संपत्तियों का सर्वे:** राज्य सरकार सर्वेक्षण के लिए जिला कलेक्टर को सर्वे कमिश्नर के रूप में नियुक्त करेगी।
- **रजिस्ट्रेशन अनिवार्य:** वक्फ बोर्ड को अपनी संपत्तियों का पंजीकरण जिला कलेक्टर के कार्यालय में कराना अनिवार्य होगा।
- **राज्य रिकॉर्ड में बदलाव:** यदि कलेक्टर किसी वक्फ संपत्ति को सरकारी संपत्ति मानता है, तो उसे राजस्व रिकॉर्ड में बदलाव कर इसकी रिपोर्ट राज्य सरकार को देनी होगी।
- **विवादित संपत्तियों पर नियंत्रण:** जब तक कलेक्टर किसी विवादित संपत्ति पर रिपोर्ट नहीं देता, तब तक उसे वक्फ संपत्ति नहीं माना जाएगा और वक्फ बोर्ड उस पर नियंत्रण नहीं कर सकेगा।
- **बिना दस्तावेज संपत्ति वक्फ नहीं:** बिना वैध दस्तावेजों के किसी भी संपत्ति को वक्फ संपत्ति नहीं माना जाएगा। पहले मस्जिदों, मदरसों और कब्रिस्तानों के बाहर की भूमि को भी वक्फ संपत्ति माना जाता था, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा।

3. वक्फ की विवादित संपत्तियों का निपटारा

सरकार ने विवादित वक्फ संपत्तियों को लेकर भी कई अहम संशोधन किए हैं।

- **धारा-40 समाप्त:** अब वक्फ बोर्ड को किसी संपत्ति को वक्फ संपत्ति घोषित करने का अधिकार नहीं होगा।
- **न्यायिक समीक्षा का अधिकार:** वक्फ ट्रिब्यूनल के फैसलों को अब अदालत में चुनौती दी जा सकेगी। पहले इसके फैसलों को सिविल, राजस्व या अन्य अदालतों में चुनौती नहीं दी जा सकती थी।
- **सरकारी संपत्तियों पर नियम:** नया कानून लागू होने के बाद, यदि पहले किसी सरकारी संपत्ति को वक्फ संपत्ति घोषित किया गया था, तो वह अब वक्फ संपत्ति नहीं मानी जाएगी।

विधेयक को कोर्ट में चुनौती देगा एआईएमपीएलबी

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड, जो भारत में मुसलमानों का प्रतिनिधित्व करने वाला एक महत्वपूर्ण संगठन है, ने बुधवार को घोषणा की कि वह वक्फ (संशोधन) विधेयक को अदालत में चुनौती देगा। साथ ही, इस विधेयक के खिलाफ विरोध प्रदर्शन भी करेगा। उनका कहना है कि यह एक "ब्लैक लॉ" है, जो समुदाय के अधिकारों को खतरे में डालता है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, एआईएमपीएलबी के सदस्य मो. अदीब ने इस कानून की कड़ी आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि यह मुसलमानों की संपत्तियों को हड़पने का एक जानबूझकर किया गया प्रयास है। अदीब ने जोर देकर कहा, उनका कहना है कि इस कदम से वे हमारी संपत्ति छीन सकते हैं। क्या हम इसे स्वीकार कर सकते हैं? नहीं। यह मत मानिए कि हम हार गए हैं।

मंडला में पुलिस बल ने 14-14 लाख की ईनामी दो महिला नक्सली को मारा गिराया

मुख्यमंत्री ने पुलिस जवानों को सफलता पर दी बधाई

विजय मत, मंडला/भोपाल

मंडला जिले के बिछिया थानांतर्गत सरई क्षेत्र के जंगल में बुधवार सुबह हुई मुठभेड़ में हॉक फोर्स के जवानों ने दो महिला नक्सलियों को मार गिराया। मुठभेड़ में अन्य नक्सलियों के घायल होने की संभावना है, जिनकी तलाश के लिए सर्चिंग ऑपरेशन जारी है। मुठभेड़ में मारी गई दोनों महिला नक्सलियों पर 14-14 लाख रुपये का इनाम घोषित था। बालाघाट रेंज के आईजी संजय कुमार के अनुसार, मंडला जिले के बिछिया थानांतर्गत सरई क्षेत्र के जंगल में हॉक फोर्स की टीम सर्चिंग कर रही थी। इसी दौरान मंडिदादर और गहेदिदायर के जंगल में छिपे नक्सलियों ने हॉक फोर्स पर फायरिंग शुरू कर दी। हॉक फोर्स टीम की तरफ से भी जवाबी फायरिंग की गई। दोनों ओर से लगभग एक घंटे तक फायरिंग चलती रही, जिसके बाद नक्सली पीछे हट गए। सर्चिंग के दौरान हॉक फोर्स टीम को दो महिला नक्सली मृत मिलीं और उनके पास फायर आर्म्स भी थे। मुठभेड़ के दौरान कुछ नक्सलियों के घायल होने की संभावना जताई जा रही है। उनकी तलाश में हॉक फोर्स की टीम द्वारा सर्चिंग ऑपरेशन जारी है।

दोनों पर था 14-14 लाख का इनाम

मंडला पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा ने बताया कि मुठभेड़ में मारी गई दोनों महिला नक्सलियों की शिनाख्त हो गई है। उनके नाम ममला और प्रमिला हैं, दोनों पर 14-14 लाख रुपये का इनाम घोषित था।

मध्यप्रदेश को अतिवाद मुक्त करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध: सीएम मोहन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश की धरती को नक्सल गतिविधियों से मुक्त करने के लिए राज्य पुलिस बल का अभियान तेजी से जारी है। उन्होंने कहा कि मंडला जिले में

नक्सली कार्यों में संलिप्तों के साथ हुई भीषण मुठभेड़ में हमारे हॉकफोर्स के जवानों ने 14-14 लाख रुपए की इनामी 2 महिला नक्सली को मार गिराया है। मृतक नक्सली की शिनाख्त प्रतिमा और ममता नाम से हुई है। इनके कब्जे से हथियार और भारी मात्रा में गोला-बारूद भी जब्त किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को मीडिया को दिये संदेश में नक्सलवाद के खात्मे पर पुलिस जवानों का हौसला बढ़ाया और उन्हें बधाई दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हिंसक गतिविधियों के खिलाफ राज्य सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति की प्रतिबद्धता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व एवं केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश में नक्सलवाद को जड़ से सफाये के लिए चलाए जा रहे अभियान में हमारे जवान पूरी सरि यता के साथ कार्रवाई कर रहे हैं। मध्यप्रदेश की पावन धरा में नक्सलियों के लिए कोई स्थान नहीं है। हमारा यह अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि बीते एक साल में मध्यप्रदेश में 10 से ज्यादा नक्सलवादी मारे जा चुके हैं।

शेयर बाजार गुलजार: ट्रंप टैरिफ से पहले सेंसेक्स-निफ्टी में बढ़त

मुंबई, एजेंसी। अमेरिका के जवाबी टैरिफ के एलान से पहले बुधवार को घरेलू शेयर बाजार के प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक हरे निशान पर बंद हुए। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन 30 शेयरों

वाला बीएसई सेंसेक्स 592.93 (0.77%) अंकों की बढ़त के साथ 76,617.44 के स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 655.84 अंक या 0.86 प्रतिशत बढ़कर 76,680.35 अंक तक पहुंचने में सफल रहा। दूसरी ओर, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी इंडेक्स 166.65 (0.72%) अंक मजबूत होकर 23,332.35 के स्तर पर बंद हुआ। इस दौरान जोमैटो के शेयर 5% जबकि टाइटन के शेयर 4% की बढ़त के साथ बंद हुए।

भगवान राम पर आपत्तिजनक टिप्पणी, स्कूल में तोड़-फोड़

विजय मत, ब्यूरो जबलपुर। जिले में प्रदर्शनकारियों के एक समूह ने एक स्कूल प्रिंसिपल के वॉट्सऐप स्टेटस को लेकर स्कूल में तोड़फोड़ की और आरोप लगाया कि सोशल मीडिया पोस्ट में प्रिंसिपल ने कथित तौर पर भगवान राम पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी. मिली जानकारी के अनुसार विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि यह विरोध उस वॉट्सऐप स्टेटस के खिलाफ था, जो वायरल हुआ. इसमें भगवान राम के खिलाफ टिप्पणी की गई थी। इस मामले में विहिप ने पुलिस में शिकायत भी दर्ज करवाई है। इस संबंध में मंगलवार (1 अप्रैल) को घटना के वीडियो सामने आए, जिसमें प्रदर्शनकारियों को पोस्टर फाड़ते, संपत्ति को नुकसान पहुंचाते और स्कूल की खिड़कियों को तोड़ते हुए देखा जा सकता है।

देशभर में 5जी सर्विस लांच करने की तैयारी में बीएसएनएल

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकारी कंपनी बीएसएनएल अब हाई-स्पीड इंटरनेट की दुनिया में बड़ा कदम बढ़ाने जा रही है। लंबे समय से 4जी नेटवर्क के विस्तार पर काम कर बीएसएनएल ने अब 5जी

BSNL 5G
Connecting India Faster

नेटवर्क की टेस्टिंग शुरू कर दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, जयपुर, लखनऊ, चंडीगढ़, भोपाल, कोलकाता, पटना, हैदराबाद और चेन्नई जैसे शहरों में बीएसएनएल 5जी इंफ्रास्ट्रक्चर की टेस्टिंग कर रहा है। बीएसएनएल अगले तीन महीनों में 5जी सेवाएं रोलआउट करने की योजना बना रही है। खास बात यह है कि बीएसएनएल के 4जी टावर ऐसे होंगे जिन्हें 5जी में अपग्रेड किया जा सकेगा। इसका मतलब है कि जैसे ही टेस्टिंग पूरी होगी, वैसे ही सरकारी टेलीकॉम कंपनी अपनी 5जी सर्विस लॉन्च कर सकती है।

लोकतंत्र में शासन केवल कार्यपालिका ही चला सकती, न्यायालय नहीं: धनखड़

नई दिल्ली, एजेंसी

राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने बुधवार को कहा कि सरकार सर्वोच्च है और लोकतंत्र में शासन केवल कार्यपालिका द्वारा ही किया जा सकता है, न्यायालयों द्वारा नहीं, क्योंकि कार्यपालिका संसद और उसे चुनने वाले लोगों के प्रति जवाबदेह होती है। प्रश्नकाल के दौरान यह टिप्पणी जगदीप धनखड़ ने डीएमके सदस्य कनिमोझी की राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) के विकेंद्रीकरण की मांग पर की।

कनिमोझी ने सवाल किया था कि सरकार प्रवेश के लिए परीक्षाओं को अपने संस्थानों तक सीमित नहीं रख सकती। वह इन परीक्षाओं का विकेंद्रीकृत क्यों नहीं कर सकती, जहां राज्य बोर्ड परीक्षाओं में प्राप्त अंकों के आधार पर राज्य भरते हैं।

प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों को जवाब में बोले केंद्रीय मंत्री सिंधिया

उत्तरी पूर्वी राज्यों को पहला अंग बनाने का काम किया

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि पूर्व में उत्तर पूर्वी राज्यों को आखिरी टापू के रूप में देखा जाता था अब उत्तर पूर्वी राज्यों को पहला अंग बनाने का काम किया है। सिंधिया ने प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों के जवाब में कहा कि प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेन्द्र मोदी ने उत्तर पूर्वी राज्यों के विकास को प्राथमिकता दी है। पूर्व में उत्तर पूर्वी राज्यों को देश के आखिरी टापू के रूप में देखा जाता था अब प्रधानमंत्री ने इसे पहला अंग बनाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि 2004 से 2014 के बीच 54 मंत्रालय के बजट आवंटन 27 हजार करोड़ रुपये का था जो वर्तमान में 91 हजार करोड रुपये प्रति वर्ष हो चुका है जो साढे तीन गुणा अधिक है। उन्होंने कहा कि उत्तरी पूर्वी राज्यों में 19 रेलवे प्रोजेक्ट 80 हजार करोड की लागत से चलाये जा रहे हैं। इन राज्यों के 4500 गांव को 4जी नेटवर्क से जोड़ने का काम किया किया गया है। उन्होंने कहा कि जहां 65 साल में इन राज्यों में दस हजार किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग का निर्माण किया गया जबकि पिछले दस साल मोदी सरकार ने 5500 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग का निर्माण किया गया।

कार्यालय: भोपाल ■ शहडोल ■ इंदौर ■ जबलपुर ■ होशंगाबाद ■ विदिशा ■ सीहोर ■ बैतूल ■ छिंदवाड़ा ■ ग्वालियर ■ ब्यौहारी ■ अनूपपुर ■ उमरिया ■ सीधी ■ सिंगरौली ■ रीवा ■ सतना ■ बालाघाट ■ सिवनी ■ कटनी ■ सागर ■ मुलताई ■ मुरैना ■ टीकमगढ़ ■ रायपुर ■ बिलासपुर ■ भिलाई

यूज इन शॉर्ट

आगजनी का आरोपी अमलाई पुलिस की गिरफ्त में

शहडोल। थाना अमलाई में दिनांक 24 मार्च को परियादिया द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराया गया कि, दिनांक 23.03.25 की रात्रि को संतोष केवट नाम का व्यक्ति द्वारा परियादिया के घर में जान-बुझकर आग लगा दिया गया। जिससे घर में रखे लगभग 2,00,000 रूपये का सामान जलकर नष्ट हो गया। जिसकी रिपोर्ट पर थाना अमलाई में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। दिनांक 25.03.25 को उक्त आरोपी संतोष केवट पिता दशरथ केवट निवासी अमराडण्डी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया गया। आरोपी की गिरफ्तारी में थाना प्रभारी अमलाई के नेतृत्व में सउनि0 करतार सिंह, प्रआर0 गणेश पाण्डेय, राकेश की सराहनीय भूमिका रही।

अवैध शराब जप्त

शहडोल। थाना बुढार क्षेत्रांतर्गत दिनांक 25.03.25 को अवैध शराब बिक्री करने कि मुखबिर सूचना पर पुलिस ने अम्बेडकर नगर में दबिश देकर आरोपिया प्रदीप सोनकर की पत्नी उम्र 30 वर्ष निवासी अंबेडकरनगर के कब्जे से 08 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब कीमती 1,200रु., इमलीटोला बुढार में दबिश देकर आरोपी सूरज चौधरी पिता मोहन प्रसाद चौधरी उम्र 30 वर्ष निवासी इमलीटोला बुढार के कब्जे से 07 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब कीमती 1,050रु., ग्राम सरईकापा में दबिश देकर आरोपिया राजेन्द्र दाहिया की पत्नी उम्र 32 वर्ष निवासी सरईकापा बुढार के कब्जे से 07 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब कीमती 1,050रु. एवं आरोपी सोनचंद्र गुप्ता पिता स्व0 फूलचंद गुप्ता उम्र 42 वर्ष निवासी कट्टी मोहल्ला बुढार के कब्जे से 07 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब कीमती 1,050रु. की मौके पर जप्त की गई। पुलिस द्वारा सभी आरोपियों के विरुद्ध आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की गई है। उक्त कार्यवाही थाना प्रभारी बुढार के नेतृत्व में सउनि0 नवीन सिंह, अवधराज सिंह, प्रआर0 कैलाश प्रजापति एवं सरिता सिंह राठौर की सराहनीय भूमिका रही।

पुलिस ने की अवैध शराब की धरपकड़

शहडोल। थाना धनपुरी क्षेत्रांतर्गत दिनांक 25.03.25 को अवैध शराब बिक्री करने कि मुखबिर सूचना पर पुलिस ने पुरानी बस्ती धनपुरी में दबिश देकर आरोपिया स्व0 बलीराम बैगा की पत्नी उम्र 50 वर्ष निवासी पुरानी बस्ती के कब्जे से 06 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब कीमती 600रु. की मौके पर जप्त की गई। पुलिस द्वारा आरोपिया के विरुद्ध आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की गई है। उक्त कार्यवाही थाना प्रभारी धनपुरी के नेतृत्व में सउनि0 राजाभैया बागरी की सराहनीय भूमिका रही। थाना गोहपारू क्षेत्रांतर्गत दिनांक 25.03.25 को अवैध शराब बिक्री करने कि मुखबिर सूचना पर पुलिस ने ग्राम खोहरी में दबिश देकर आरोपिया प्रेमलाल पनिका की पत्नी उम्र 30 वर्ष निवासी ग्राम खोहरी के कब्जे से 06 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब कीमती 600रु. की मौके पर जप्त की गई। पुलिस द्वारा आरोपिया के विरुद्ध आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की गई है। उक्त कार्यवाही थाना प्रभारी गोहपारू के नेतृत्व में सउनि0 सउनि0 देवेन्द्र सिंह की सराहनीय भूमिका रही।

कोतवाली पुलिस की कार्रवाई- लापता नाबालिग बालिका दस्तयाब, आरोपी गिरफ्तार

शहडोल। थाना कोतवाली शहडोल में परियादी द्वारा थाना उपस्थित होकर मौखिक रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि उनकी उम्र 14 वर्षीयए नाबालिग पुत्री 22ण्03ण्2025 को रात्रि में अपने कमरे से अचानक लापता हो गई। परिजनों द्वारा आसपास एवं रिश्तेदारों में तलाश करने के उपरांत भी कोई पता नहीं चला।उक्त रिपोर्ट पर थाना कोतवाली शहडोल में अपराध पंजीबद्ध कर तत्काल विवेचना प्रारंभ की गई। पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए दिनांक 24ण्03ण्2025 को नाबालिग बालिका को जिला उमरिया बस स्टैंड से आरोपी बाल किशन प्रजापति के कब्जे से दस्तयाब किया गया। साथ ही आरोपी नवल किशोर प्रजापति को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।उक्त कार्यवाही में कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक राघवेन्द्र तिवारी के नेतृत्व में सउनिण् कन्हैयालाल अहिरवार एवं प्रधान आरक्षक गिरीश मिश्रा की महत्वपूर्ण एवं सराहनीय भूमिका रही।

दोहरी हत्याकांड मामले में पुलिस ने आरोपियों का लिया तीन दिनी रिमांड

अनूपपुर। कोतवाली थाना के बरबसपुर-भोलगढ़ मार्ग के पंगडंडी और चचाई थाना क्षेत्र के विजयग्राउंड के पास जंगल में मिले दो युवकों के शव और पुलिस खुलासे एक ही युवक द्वारा प्रेम प्रसंग कारणों में की गई दोहरी हत्याकांड में पुलिस ने अब दोनों आरोपियों को तीन दिनी न्यायिक हिरासत में लिया है। जहां पुलिस इन तीन दिनों में नाबालिक सहित मुख्य हत्या के आरोपी से हत्या में उपयुक्त सामनों, मृतक के मोबाइल, सहित अन्य जानकारी जुटाएगी। साथ ही पुलिस हत्या में आरोपियों के द्वारा संभव हुआ तो क्राईमसीन रिक्रेशन भी कराएगी। ताकि इस पूरे हत्याकांड की बारीकि स्पष्ट हो सके। हालांकि पुलिस ने अब तक इस मामले में हत्या का मुख्य कारण बनी युवती से कोई पूछताछ नहीं की है। कोतवाली थाना प्रभारी अरविंद जैन का कहना है कि मंगलवार को दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश करने के उपरांत तीन दिनों का न्यायिक हिरासत लिया गया है, जहां घटना सम्बंधित विभिन्न बिन्दूओं पर जानकारी एकत्रित की जाएगी।

शहडोल संभाग में पर्यटन स्थलों को विकसित किया जाएगा

विजय मत से बातचीत करते हुए संभाग आयुक्त श्रीमती सुरभि गुप्ता ने कहा

विजय मत, शहडोल।

संभाग आयुक्त श्रीमती सुरभि गुप्ता ने विजय मत से बातचीत करते हुए कहा है कि शहडोल संभाग प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर है इसलिए तीनों जिलों के कलेक्टरों को उन्होंने निर्देश दिया है कि चिन्हित पर्यटन स्थलों को विकसित किया जाए ताकि पर्यटकों को आकर्षित करके शासन की आमदनी में वृद्धि की जा सके।

कमिश्नर श्रीमती गुप्ता ने आगे कहा कि शहडोल संभाग के तीनों जिले शहडोल उमरिया एवं अनूपपुर प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण है। अनूपपुर जिले के अमरकंटक से जहां एक ओर नर्मदा सोन एवं जुहिला नदियों का उद्गम हुआ है वहीं दूसरी ओर अमरकंटक के पहाड़ों में घने जंगल और अनेक जलप्रपात प्राकृतिक सौंदर्य की छठा बिखेरते

हैं। सोनमोड़ा कपिलधारा माई की बगिया जालेश्वर ब्रह्मकमंडल किरर घाट सहित अनेक स्थल प्राकृतिक सौंदर्य से भरे पड़े हैं।

संभाग आयुक्त सुरभि गुप्ता ने विजयमत द्वारा पूछे गए सवालों के उत्तर में कहा कि शहडोल एवं उमरिया जिले में भी पहाड़ घाटियां और जंगल के साथ ही नदिया और झरने विद्यमान है जिन्हें विकसित करके पर्यटन स्थल बनाया जा सकता है।

विचारपुर को भी विकसित किया जाएगा

कमिश्नर श्रीमती गुप्ता ने मिनी ब्राजील के रूप में चर्चित विचारपुर के संबंध में पूछे गए प्रश्न के उत्तर में कहा कि मैंने स्वयं वहां जाकर देखा है जहां घर-घर से फुटबॉल खिलाड़ी निकल रहे हैं और राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी संख्या में खिलाड़ियों ने प्रदर्शन किया है ऐसी स्थिति में विचारपुर के खेल मैदान को बेहतर बनाने की जरूरत है साथ ही स्टेडियम एवं अकादमी की सुविधा के साथ ही खिलाड़ियों को खेल सामग्री और उनकी डाइट पर यदि ध्यान दिया जाए तो यहां के बच्चे फुटबॉल खेल में और ज्यादा बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि स्पोर्ट्स कोटे से खिलाड़ियों को नौकरी दिए जाने का प्रावधान है। बेरोजगारी एवं गरीबी की मार झेल रहे फुटबॉल खिलाड़ियों को रोजगार प्रदान करने हेतु रोजगार मेले के आयोजन की बात भी संभाग आयुक्त श्रीमती गुप्ता ने की।

जल संवर्धन योजना के बीच गांव में पानी का संकट जल जीवन मिशन भी नहीं दे पा रहा पानी

पीएचई विभाग मौन

विजय मत, घुनघुटी।

जल संरक्षण अभियान और जल जीवन मिशन जैसी योजनाओं के बीच उमरिया जिले के जनपद पंचायत बिरसिंहपुर पाली के कई ग्राम पंचायत के गांव में आज भी जल संकट से ग्रामीण जूझ रहे है। जिले में 30 जून तक चलने वाली गंगाजल संवर्धन योजना के बीच मानपुर विधानसभा क्षेत्र कि जनपद पंचायत बिरसिंहपुर पाली ग्राम पंचायत के अंतर्गत आने वाले ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की भारी समस्या से ग्रामीण जन जूझ रहे हैं। जबकि जिले में लगातार जल जीवन मिशन ग्रामीणों को पानी की समस्या को लेकर अधिकारियों की मीटिंग लेते हुए साफनिर्देश दे रहे हैं की ग्रीष्मकालीन में ग्रामीण को पानी की समस्या से न जूझना पड़े लेकिन उनके ही विधानसभा क्षेत्र में यह हाल है कि ग्रामीण पानी की समस्या से जूझ रहे हैं और कोसों दूर से पानी ढोकर लाने को ग्रामीण मजबूर हैं।

हर घर जल पहुंचाने की तहत शासन योजनाएं बना रही है जल जीवन मिशन अंतर्गत करोड़ों रुपए खर्च कर पाइपलाइन का विस्तार पानी की टंकी का निर्माण करवाते हुए योजना संचालित करवा रही है लेकिन ठेकेदारों की लापरवाही की वजह से कई योजनाएं 1 सालों से अधूरी पड़ी हुई है

'अभी तक नहीं हुआ संचालित'

जनपद पंचायत बिरसिंहपुर पाली के ग्राम पंचायत छोटी तुम्मी,कठई चिनकी,हथपुरा, चांदपुर, पहाड़िया, ममान जमडी़,घुनघुटी गांधीग्राम, मेढ़की में अक्टूबर 2024 में ठेकेदार द्वारा नल जल योजना के तहत काम शुरू किया गया था लेकिन एक वा दो वर्ष बीतने को है अभी तक ग्रामीणों को योजना का लाभ नहीं मिल पाया जबकि गर्मी के मौसम की शुरुआत हो चुकी है जलस्तर भी कम हो रहा है जिसके कारण ग्रामीणों को कुआं, तालाब, नदी एवं एक और दो किलोमीटर दूरी हैंडपंप से पानी लाना पड़ रहा है गांव में जो हैंडपंप लगे हैं उनमें से या तो कुछ खराब है और घंटों मस्कत के बाद मुश्किल से एक डिब्बा पानी ही दे पाते हैं तुम्मी छोटी की आबादी दो से तीन के आसपास है यह आदिवासी बाहुल्य गांव हैं ठेकेदार द्वारा पूरे टोला में पाइप लाइन का विस्तार भी नहीं किया गया है कई जगह थोड़े से ही गड्ढे में पाइप गाढ़ दी गई जिससे बरसात के पानी में पाइप ऊपर आ गई और टूट टूट कर पाइप बिखर रही है,ग्रामीणों ने बताया कि कई जगह तो ऐसे भी हैं जहां पर अभी तक नहीं, यहां एक बोर करवाते हुए मोटर डालकर छोड़ दिया गया है योजना की तहत अभी तक पानी की टंकी का निर्माण ही नहीं किया गया

'गर्मी आते ही नदी,तालाब,सूखे और हैडपंप खराब पानी का स्तर हो गया नीचे'

ग्रामीणों ने बताया कि वर्तमान में गांव के अंदर पानी का साधन कुआं, नदी और तालाब कुछ सही है हैंडपंप जो हमारे पानी का साधन है लेकिन गर्मी आते ही यह भी सूख रहे हैं हैंडपंप आधे से ज्यादा गांव में बिगड़े पड़े हुए हैं इस बात की जानकारी जब पंचायत में बताया जाता है तो वह कहते हैं कि सीएम हेल्पलाइन लगाइए तो हैंडपंप बनाने आएंगे,

'ग्रामीणों ने बताई अपनी परेशानी'

गांव के ग्रामीणों ने बताया कि हमारे गांव में आधे दर्जन से अधिक हैंडपंप बिगड़े पड़े हुए हैं सालों से खोलखम्हरा ग्राम,घुनघुटी,कठई,हथपुरा,बेली जमुहाई,तिमनी, दर्जनों पाली जनपद क्षेत्र की पंचायत में हैंडपंप बिगड़ी पड़ी हुई है जिन्हें आज तक नहीं बनाया गया ग्रामीण सीएम हेल्पलाइन लगाकर हो रहे परेशान

'घुनघुटी पतनार खुर्द में सालो से नल जल योजना बंद पड़ी हुई है'

ग्रामीणों ने बताया की नल जल योजना यहां सालों से बंद है कोई देखने वाला नहीं बताया गया कि मोटर व स्टार खराब होने के कारण नल जल योजना सालों से यहां बंद पड़ी हुई है यहां पीएचई विभाग मौन अधिकारी देखने नहीं आते इसकी शिकायत भी हमने की है गांव में जगह-जगह पाइप टूटी फूटी पड़ी हुई है पानी की भारी समस्या से जूझ रहे ग्रामीण।

युवा टीम ने ऐतिहासिक सगरा तालाब में आयोजित किया स्वच्छता अभियान

विजय मत, उमरिया।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिला कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन व मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सीईओ अभय सिंह के मार्गदर्शन व निर्देशानुसार युवा टीम उमरिया की टोली के द्वारा बिरसिंहपुर पाली का ऐतिहासिक सगरा तालाब में स्वच्छता अभियान आयोजित कर सगरा तालाब से पॉलीथिन, प्लास्टिक, कांच एवं प्लास्टिक बॉटल्स, मलवा व आदि बाहर कर तालाब को स्वच्छ व सुंदर बनाने का प्रयास किया गया। जल के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ प्लास्टिक और अन्य अपशिष्ट पदार्थों के तालाब से बाहर निकालकर साफ करने के लिए लोगो से आवाहन किया । तालाब के किनारे अत्यधिक मात्रा में पड़ी हुई पॉलीथीन व प्लास्टिक को हटाया गया। पर्यावरण मित्र हिमांशु तिवारी ने बताया कि तालाब के तीनों घाटों में आमजन के द्वारा फूल मालाओं व पूजन सामग्री का विसर्जन किया जाता है। लेकिन जिन पॉलीथीन के बैग में रखकर ये सामग्री लाई जाती है। उन बेग को भी वही किनारे फेंक दिया जाता है। इन घाटों को पॉलीथीन व प्लास्टिक मुक्त व जल का संरक्षण करने का प्रयास किया गया। साथ ही आमजन को प्लास्टिक व पॉलीथीन उपयोग न करने के लिए जागरूक किया गया।

अमलाई पुलिस द्वारा अवैध अंग्रेजी शराब की बड़ी खेप जब्त, एक आरोपी गिरफ्तार

शहडोल। थाना क्षेत्र में गश्त के दौरान विश्वसनीय मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई की गई। सूचना के अनुसारए एक सफेद रंग की बोलेरो पिक.अप ;डच् 20 ळठ 2153द्ध ओण्पीण्एम अमलाई बैम्बू गेट से बरगवां की ओर अवैध अंग्रेजी शराब का परिवहन कर रही है।सूचना को गंभीरता से लेते हुए अमलाई पुलिस टीम द्वारा भवतारिणी मंदिर के पास कोतमा रोड पर घेराबंदी कर संदिग्ध वाहन को रोककर तलाशी ली गई। वाहन चालक सुनील दास पिता फागुनी दासए निवासी अमराडंडी बाजारए वार्ड नंण् 07ए थाना अमलाईए जिला शहडोल को मौके पर ही हिरासत में लिया गयाए जबकि एक अन्य आरोपी सुनील सिंह निवासी अमलाई रेल्वे स्टेशन के पासए थाना अमलाईए शहडोलए अंधेरे का लाभ उठाकर फरार हो गया। उक्त पिक.अप वाहन की जांच करने पर उसमें 2ए021 लीटर अवैध अंग्रेजी शराब एवं बीयर बरामद की गई आरोपी सुनील दास से उक्त शराब संबंधित वैध दस्तावेज मांग करने पर कोई भी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किये गया। प्राथमिक पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि यह अवैध शराब अमलाई निवासी सुनील सिंह द्वारा शहडोल से लोड करवाई गई थी।

रेलवे स्टेशन- विभागीय अधिकारी बता रहे निर्माण कार्य का बहाना, धूल खा रही लगेज व बॉडी स्केन मशीन

यात्रियों की जांच नहीं, परिसर में घूमते रहते हैं संदिग्ध

विजय मत, शहडोल।

रेलवे स्टेशन पर आने-जाने वाले यात्रियों के साथ अन्य लोगों की तादाद भी बढऩे लगी है। ऐसे में यात्रियों की सुरक्षा के साथ ही स्टेशन परिसर की सुरक्षा में भी सेंध लग रही है। शहडोल जिले के रेल्वे स्टेशन में यात्रा करने वाले यात्रियों और ट्रेन से शहर आने वाले यात्रियों की व उनके सामान की जांच नहीं हो रही हैं। वहीं चोर रास्ते से प्लेटफॉर्म पर पहुंचने वाले संदिग्ध लोगों का भी पूरे समय जमावड़ा बना रहता है। यहां मुख्य द्वार पर लगी लगेज व बॉडी स्केन मशीन हरे पर्दे में ढकी हुई है और धूल खा रही हैं। कौन आ रहा है, अपने साथ क्या सामान लेकर जा रहा है की भी जांच नहीं हो रही है। दोनों तरफ से आराम से कोई भी स्टेशन पर पहुंचकर आ रहा है और जा रहा है। पूर्व में हुई घटनाओं व अन्य रेलवे स्टेशनों पर हुई वारदात के बावजूद स्थानीय रेल प्रशासन जांच को लेकर सजग नहीं दिख रहा है। ऐसे में किसी भी

सामान्य यात्रियों के साथ कोई भी किसी भी प्रकार की घटना को अंजाम दे सकता है। इस संबंध में जानकारी लेने पर जिम्मेदार यहां पर अमृत भारत योजना के तहत निर्माण कार्य चलने की वजह से व्यवस्था गड़बड़ाने की बात कह रहे हैं।

आउटर या फिर अन्य जगहों से संदिग्ध करते हैं प्रवेश

बता दें कि रेल्वे स्टेशन में ही आपीएफ थाना बना हुआ है, लेकिन यहां पर भी प्लेटफॉर्म में ऐसे ही हाल इन दिनों यहां पर भी बने हुए हैं। जिम्मेदारों के द्वारा जांच व्यवस्था पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। वहीं चाहे आउटर हो या फिर अन्य जगह पर टूटी दीवालों से संदिग्ध यहां प्रवेश कर रहे हैं। जिन्हें न तो पकड़ा जा रहा है और न ही किसी प्रकार की कार्रवाई की जा रही है।

दो तरफ से आना-जाना

निर्माण कार्य के चलते दो तरफ से आना जाना यात्री कर रहे हैं। पहला पैदल पुल के पास बनाए गए द्वार से तो वहीं दूसरा पार्सल कार्यालय के बगल से बने रास्ते से। जिनकी यहां पर किसी के द्वारा भी जांच नहीं की जा रही है। वहीं दोपहर के समय जीआरपी और आरपीएफ के जवान भी यहां पर नजर नहीं आते। जो सीधे स्टेशन पर पहुंच रहे यात्रियों व कुछ संदिग्धों की जांच कर सकें।

अन्य प्लेटफॉर्म पर भी मशीन जरूरी

लंबे रूट की कई रेल गाडिय़ों का संचालन प्लेटफार्म चार से होता है। इसके अलावा प्लेटफार्म 2 या 3 से जाने वाले ट्रेनों के यात्री भी प्लेटफार्म 4 से आना-जाना पसंद करते हैं। यहां भी यात्रियों के लगेज की जांच के लिए कोई पर्याप्त व्यवस्था मौजूद नहीं है।

विडंबना

दो एक्सटेंशन के बाद भी 42 प्रतिशत काम शेष, लोगों की टूट रही आस

सीवर लाइन निर्माण: 172 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट में भर्राशाही हावी

विजय मत, शहडोल।

शहडोल नगर में सीवर लाइन निर्माण का काम पूर्णतः अवधि के लगभग डेढ़ साल बाद और दो एक्सटेंशन मिलने पर भी 40 प्रतिशत से ज्यादा काम शेष है। शहडोल नागरिकों की आज धीरे-धीरे अब टूट रहा है परंतु अभी तक सीवर लाइन का कार्य पूर्ण नहीं हुआ। ?जिससे लोगों को नहीं परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है तथा अनेक निर्माण कार्य शहर के रुके हुए हैं। शहडोल नगर में सीवर लाइन का नेटवर्क तैयार करने के लिए 172 करोड़ रूपए के प्रोजेक्ट में गुजरात की ठेका कंपनी पी.सी. स्नेहल को काम दिया गया। ठेका कंपनी ने दिसंबर 2021 में अनुबंध कर दो साल में काम पूरा करने का दावा किया पर काम की गति बेहद धीमी रही।

दूसरा एक्सटेंशन जून 2025 तक के लिए बढ़ाया

बता दें कि ठेका कंपनी ने दिसंबर 2023 में काम पूरा नहीं किया तो पहला एक्सटेंशन एक साल बढ़ाकर दिसंबर 2024 किया गया, इस अवधि में भी काम पूरा नहीं होने पर दूसरा एक्सटेंशन जून 2025 तक के लिए बढ़ाया गया। इसके बाद भी काम की प्रगति 58 प्रतिशत ही है और दूसरे एक्सटेंशन की अवधि पूरा होने में अब साढ़े 3 माह का ही समय शेष है। सीवर लाइन परियोजना में शहर में 226 किलोमीटर सीवर नेटवर्क तैयार करना है, इसमें 80 किलोमीटर लंबाई में पाइप लाइन बिछाने का काम अभी होना है।

शहर में सड़कों के मरम्मत का काम नहीं बढ़ आगे

लाइन नेटवर्क तैयार करने में ठेका कंपनी की लेटलतीफी के कारण शहर में सड़कों के मरम्मत का काम आगे नहीं बढ़ रहा है। नगर पालिका को इंतजार है कि सीवर लाइन बिछ जाने के बाद सड़कों पर डामरीकरण व दूसरे कार्य आगे बढ़ाया जाए। खराब सड़क के कारण आवागमन के दौरान नागरिक गड्ढों में हिचकोले खाते परेशान हैं। समस्या बढ़ जाने पर नगर पालिका जाकर परेशानी बताते हैं तो सीवर लाइन का पूरा नहीं होने की बात कहकर पूरा दारोमदार एमपीयूडीसी (मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कार्पोरेशन) के जिम्मे मत्थे मढ़ दिया जा रहा है।

शहर में सड़क निर्माण के ये काम अटके

- गांधी चौक से रेलवे स्टेशन रोड
- अंबेडकर चौक से पांडवनगर
- जयस्तंभ चौक से गांधी चौक
- पुरानी नगर पालिका से पुलिस लाइन
- पटेल नगर के विभिन्न मार्ग
- पुलिस लाइन के विभिन्न मार्ग
- पुरानी बस्ती के मार्ग

न्यूज इन शॉर्ट

अपर कलेक्टर ने बच्चों को तिलक एवं फूलमाला पहनाकर किया स्वागत

शहडोल। शहडोल जिले के विद्यालयों में स्कूल चले हम अभियान 2025 के तहत भविष्य से भेंट कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसी कड़ी में आज पीएम हाई स्कूल कोटमा में अपर कलेक्टर सरोधन सिंह की उपस्थिति में भविष्य से भेंट कार्यक्रम आयोजित किया गया तथा अपर कलेक्टर ने बच्चों को तिलक एवं फूलमाला पहनाकर स्वागत किया। उन्होंने बच्चों को सम्बोधित करते हुए कहा कि जीवन में सफलता केवल कठिनाईयों और चुनौतियों का सामना करने से नहीं, बल्कि उनमें से कुछ नया सीखने से मिलती है। एक विद्यार्थी का जीवन अनुशासन, कड़ी मेहनत, और समय प्रबंधन से परिपूर्ण होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अपने उद्देश्य को जानें, उसे पाने के लिए मेहनत करें, और कभी भी अपने सपनों को छोड़ें नहीं। साथ ही अपर कलेक्टर ने विद्यालय के कक्षों का भी निरीक्षण किया। इसी प्रकार जनपद पंचायत जयसिंहनगर के शासकीय हाई स्कूल कुबरा में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत जयसिंहनगर श्री अशोक मरावी की उपस्थिति में भविष्य से भेंट कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को तिलक एवं फूलमाला पहनाकर स्वागत किया। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आपका भविष्य आपके हाथों में है, और आपका शिक्षा में योगदान न केवल आपके व्यक्तिगत विकास के लिए, बल्कि समाज और देश की प्रगति के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। आजकल के तेज़ी से बदलते युग में शिक्षा का महत्व और भी बढ़ गया है। हमें केवल किताबों से नहीं, बल्कि जीवन के विभिन्न पहलुओं से भी सीखने की आवश्यकता है। इसी प्रकार शहडोल जिले के अन्य विद्यालयों में भी भविष्य से भेंट कार्यक्रम आयोजित कर विद्यार्थियों को शिक्षा के लिए प्रेरित किया गया।

मां बिरासनी सेवा समिति के व्दारा नवरात्रि पर्व में अखंड भंडारा

बिरसिंहपुर पाली। बहु प्रसिद्धि बिरासनी मंदिर में बासंतीय नवरात्रि पर्व में मां बिरासनी सेवा समिति के व्दारा नवरात्रि पर्व के नौ दिनों तक अखंड भंडारे का विशाल आयोजन किया जा रहा है । यह आयोजन पिछले दो वर्षों से चैत्र नवरात्र और शारदीय नवरात्रि में नौ दिनों तक अनवरत रूप से किया जा रहा है । विशाल भंडारा मे हर दिन अलग-अलग समूहों को मां बिरासनी समिति के व्दारा आयोजित गणमान्य नागरिकों को आमंत्रित कर सर्व प्रथम मां बिरासनी देवी को प्रसाद चढ़ावाया जाता है, तत्पश्चात् कन्या पूजन और भोजन कराने के बाद विशाल भंडारा कीइ शुरूआत होती है ।इस भंडारे में हर दिन हजारों श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण करते हैं । मां बिरासनी सेवा समिति के व्दारा बहुत ही आदर पूर्वक श्रद्धालुओं को माता का प्रसाद स्वरूप भोजन परोसा जाता है । विदित होवे कि माता बिरासनी के दर्शन के लिए दूर -दूर से दर्शन के लिए श्रद्धालू जन आते हैं , जिन्हें प्रसाद स्वरूप मिलने वाले भोजन का आंनद श्रद्धालु अत्यंत भाव के साथ ग्रहण करते हैं ।आज स्थानीय पत्रकारों और युवा मंडल पाली कों सादर आमंत्रित कर मां बिरासनी सेवा समिति ने माता बिरासनी देवी को प्रसाद चढ़ाने के लिए आहूत किया,जिसपर नगर के लगभग सभी पत्रकारों के साथ युवा मंडल पाली ने भाग ले मां बिरासनी को प्रसाद चढ़ाने के लिए पहुंचे और भंडारा कक्ष से बाजे गाजे के साथ माता बिरासनी मंदिर पहुंचकर प्रसाद चढ़ा कर मां बिरासनी सेवा समिति के पुण्य दायी काम में हिस्सा लिया । विदित होवे कि मां बिरासनी सेवा समिति के व्दारा आयोजित इस कार्यक्रम की सराहना चारों तरफ गूंज रही है । गूंजे भी क्यों न । मां बिरासनी सेवा समिति और उसके सेवादारों ने श्रद्धालुओं को भंडारा मे जो प्यार परोसा है उसकी चमक की रोशनी तो दूर-दूर तक जानी ही है ।इस भंडारा के लिए दान दाताओं ने भी अपने भंडार खोल दिये है ।हर एक इस पुण्य दायी काम में सहयोगी बनने के लिए उदार मन से जुटे देखें जा रहे हैं।

दमोह सीएमओ के साथ हुए दुर्व्यवहार के दोषियों पर कार्यवाही किए जाने की मांग

शहडोल। ठेकेदार द्वारा दमोह सीएमओ के साथ किए गए दुर्व्यवहार की घटना के विरोध में मुख्य नगर पालिका अधिकारी कल्याण संघ द्वारा कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेज कर मांग की गई है कि दोषियों के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही की जाए। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि विगत 29 मार्च को प्रदीप शर्मा मुख्य नगर पालिका अधिकारी दमोह के निवास पर जाकर स्थानीय ठेकेदार विवेक अग्रवाल और छुट्टू यादव द्वारा उनके मुंह पर काली स्याही लगाने का दुष्कृत्य किया गया जिससे न केवल श्री शर्मा बल्कि विभाग के सभी अधिकारियों कर्मचारियों की प्रतिष्ठा खराब हुई है साथ ही मनोबल कमजोर हुआ है। ज्ञापन में कहा गया है कि जिला प्रशासन दमोह द्वारा इस घटना के अपराधियों पर कोई कार्यवाही नहीं करते हुए मामले को दबाने के लिए एक जांच कमेटी का गठन कर इस शर्मनाक घटना पर पर्दा डालने का प्रयास किया जा रहा है जिससे अपराधियों के हौसले बुलंद है और हम सभी अधिकारी कर्मचारियों में तीव्र रोष हुआ असंतोष व्याप्त है। संघ द्वारा मांग पत्र में उल्लेख किया गया है कि इसके पहले भी अनेक घटनाओं पर शासन द्वारा अपराधियों के विरुद्ध कार्यवाही नहीं किए जाने से नगरी प्रशासन के अधिकारी व कर्मचारियों से दुर्व्यवहार की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रहे हैं। नगरी निकाय के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के तौर पर कार्य करते हुए किसी अनियमित को रोकने के हर प्रयास की पढ़ने की इस तरह की दुर्व्यवहार की घटनाओं के रूप में होती है जिसका सामना मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को आए दिन निकायों में करना पड़ता है ।

लापरवाही :आवागमन में हो रही परेशानी, मरम्मत पर नहीं नगर पालिका का ध्यान

पौनांग तालाब का कई स्थानों पर उखड़ा पेवर ब्लॉक

विजय मत, शहडोल।

नगर के पौनांग तालाब में सौंदर्यीकरण के नाम पर करोड़ों रूपए खर्च करने की तैयारियों के बीच पेवर ब्लॉक पर सौ मीटर लंबाई में चार स्थानों पर सड़क जर्जर हो गई है। पेवर ब्लॉक उखड़ जाने के कारण दोपहिया वाहन चालन तो दूर पैदल चलना तक मुश्किल हो गया है। इससे आवागमन में नागरिकों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय का कहना है कि नगर पालिका द्वारा पौनांग तालाब सौंदर्गीकरण के नाम पर अलग-अलग प्रोजेक्ट में डेढ़ करोड़ रूपए से ज्यादा खर्च की योजना बनाई है। दूसरी ओर कुछ साल पहले निर्मित सड़क के खराब हो जाने के बाद मरम्मत पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

मरम्मत पर जिम्मेदार नहीं देते ध्यान

स्थानीय लोगों का कहना है कि गर्मियों के मौसम में सुबह और शाम लोग वहां जॉगिंग तथा शुद्ध एवं स्वच्छ वातावरण में टहलने आते हैं। ? परंतु यहां की व्यवस्था सुधारने का नाम नहीं ले रही है, ना ही जिम्मेदारों द्वारा इस पर ध्यान दिया जा रहा है। यहां पेवर ब्लॉक कई दिनों से टूटे हुए हैं, आए दिन कोई ना कोई गिर कर चोटिल हो रहा है, जिम्मेदारों द्वारा इस पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

चारों ओर फैली रहती है गंदगी

पौंनान तालाब के आसपास चारों ओर गंदगी का आलम बना रहता है। यहां सीधे तौर पर चारों ओर कचरे के ढेर पड़े मिल जाते हैं तथा नगर पालिका का जिम्मेदार हमला द्वारा यहां की साफ सफाई पर भी रुचि नहीं लिया जाता है, इससे भी लोगों को अनेक प्रकार की सुविधाओं का सामना करना पड़ता है। लोगों ने यह व्यवस्था भी सुधरने की मांग की।

कई बार हो चुकी है टेंडर पर आज भी असुविधाएं

एक साल पहले अमृत 2.0 योजना में स्वीकृत 64 लाख 68 हजार रूपए के काम में पहली लापरवाही टेंडर जारी करने में सामने आई, जब 6 माह की देरी से टेंडर जारी किया गया। इसके बाद 9 जुलाई 2024 को ठेकेदार को वर्कआर्डर जारी किया गया तो दूसरी लापरवाही ठेकेदार की तरफ से सामने आई। वर्कआर्डर जारी होने के 5 माह बाद काम प्रारंभ हुआ तो मिट्टी फिलिंग के लिए तालाब के मेढ़ की ही खुदाई कर दी गई। बता दें कि नगर पालिका द्वारा पौनांग तालाब में बच्चों के खेलने के लिए ट्वाय गार्डन, पौधरोपण और पेवर ब्लॉक सडक़ निर्माण के लिए वर्कआर्डर जारी किया था, परंतु आज तक ऐसा कोई कार्य नहीं कराया गया जिससे लोगों को सुविधाओं और व्यवस्थाओं का फायदा मिल सके।

सरकारी धन की बर्बादी का दूसरा नाम पौनांग

सरकारी धन की बर्बादी का दूसरा बड़ा मामला भी पौनांग तालाब में दिख रहा है। यहां लाखों रूपए की लागत से तालाब की मेढ़ पर सीमेंट प्लेट का काम करवाया गया। इसके रखरखाव में ध्यान नहीं देने के कारण प्लेट के बीच में खरपतवार उग आया है। तालाब के किनारों पर भी कचरे का अंबार है।

पेट्रोल पंपों पर उपभोक्ता सुविधाओं की अनदेखी

हवा, पानी और प्रसाधन की नहीं सुविधा, ना तो निरीक्षण, ना ही कोई जांच

विजय मत, शहडोल।

शहर के पेट्रोल पंप में ग्राहकों के लिए न निःशुल्क हवा की व्यवस्था है और न ही पेयजल की। वाटर कूलर और कम्प्रेशर बंद पड़े हुए है। नियमित सफाई नहीं करानी पड़े, इसलिये सुविधाघरों में ताला जड़ दिया गया है। पेट्रोल पंप आने वाले ग्राहकों को को पानी तक नसीब नहीं हो पा रहा है। पेट्रोलियम कंनियों के अधिकारी भी उपभोक्ता सुविधाओं को लेकर ध्यान नहीं दे रहे हैं।

शासन द्वारा निर्धारित गाइडलाइन के अनुसार पेट्रोल पंपों पर उपभोक्ताओं को मिलने वाली सुविधाएं पूरी तरह से नदारद है। कहीं वाटर कूलर खराब पड़े थे तो कहीं सुविधा घरों में ताला लटक रहा था। पेट्रोलियम कंपनी और उनके डीलर उपभोक्ताओं की सुविधाओं को लेकर सालों से लापरवाही बरत रहे हैं।

लाइसेंस प्रक्रिया समाप्त होने का उठा रहे फायदा

पेट्रोल-डीजल पंप संचालकों को पेट्रोलियम एक्ट 1980 के तहत जिला प्रशासन से लाइसेंस लेना अनिवार्य था। तब जिला प्रशासन का पेट्रोल पंप संचालकों पर नियंत्रण रहता था। राज्य सरकार ने वर्ष 2019 में लाइसेंस प्रथा बंद दिया है। पेट्रोल-डीजल पंप संचालकों को अब लाइसेंस लेना अनिवार्य नहीं है। सुविधाविहीन पंपों पर कंप्रेशर और हवा भरवाने के उपकरण तक नहीं है। यदि किसी पंप पर है भी तो वह शो पीस के रूप में उपलब्ध है।

सुविधाओं के अभाव में परेशानी

अधिकांश पेट्रोल पंपों पर लोगों को सिर्फ पेट्रोल व डीजल ही मिल पाता है जबकि हवा, पानी व अन्य सुविधाओं के लिए उन्हें दूसरी जगहों पर जाना पड़ता है। इसके बाद भी इस तरफ प्रशासन ध्यान नहीं दे रहा है। कई बार इन सुविधाओं के बारे में जागरूक लोग पेट्रोल पंप पर तैनात कर्मचारियों से पूछते हैं तो उनके द्वारा संतुष्ट जवाब नहीं देते हुए टाल दिया जाता है। जिम्मेदारों का कहना है कि अधिकांश पेट्रोल पंपों पर इस तरह की व्यवस्था हैं। जिन पर नहीं होगी वहां का निरीक्षण कर कार्रवाई की जाएगी।

पेट्रोलियम कंपनी के सख्त निर्देश

पेट्रोलियम कंपनी के सख्त निर्देश हैं कि यह आवश्यक मापदंड होना अनिवार्य है। लोगों को यह सुविधा पाने के लिए अन्य स्थानों पर जाकर अतिरिक्त रुपए खर्च करना पड़ रहे हैं। हालांकि कुछ पेट्रोल पंपों पर जरूर यह सुविधाएं उपलब्ध हैं। पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल व डीजल लेने आने वाले लोगों को सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध कराने का शासन की ओर से भी निर्देश हैं, लेकिन इन्हें पेट्रोल पंप संचालक अनदेखा करते हुए नजर आ रहे हैं।

सुरभि महिला समिति ने शासकीय हाई स्कूल बेम्हौरी में वाटर कूलर भेंट किया

धनपुरी। श्रद्धा महिला मंडल के तत्वाधान में किए जा रहे सामाजिक कल्याण कार्य से प्रेरित होकर समाज के प्रति अपने उत्तरदायित्व को निभाते हुए हमारी सोहागपुर शाखा की सुरभि महिला समिति के द्वारा दिनांक 30/03/2025 को ग्राम बम्हौरी के शासकीय हाई स्कूल में वोल्टास कंपनी का 40 लीटर छमता वाली वाटर कूलर स्कूल के प्राचार्य एवं संचालन समिति को सुरभि महिला समिति की अध्यक्षा श्रीमती अपर्णा श्रीकृष्णा जी ने अपने कर कमलो से भेट किया। इस अवसर पर स्कूल में उपस्थित प्राचार्य, शिक्षक, संचालन समित के सदस्य तथा उपस्थित सभी बच्चो को खाने के पैकेट एवं फल बाटे। सुरभि महिला समिति की अध्यक्षा श्रीमती अपर्णा श्रीकृष्णा जी ने अपने उद्बोधन में सभी को चैत्र नवरात्री की ढेर सारी शुभकामनाये दी तथा सभी को इस भीषण गर्मी में शुद्ध शीतल जल के लिए वाटर कूलर का आवश्यक रूप से उपयोग करने की सलाह दी।

सिविल अस्पताल जयसिंहनगर में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

विजय मत, जयसिंहनगर।

अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत शहडोल, भूमिका भास्कर समाचार पत्र एवं संवेदना - 02 एक छोटी सी पहल के तत्वावधान में रक्तदान महानदान परोपकार सर्वो धर्म- समिति के सहयोग से रक्तदान एवं निःशुल्क जांच शिविर का आयोजन सिविल अस्पताल जयसिंहनगर में आयोजित किया गया, जिसमें कुल 15 लोगों ने रक्तदान किया साथ ही कुल मिलाकर 15 यूनिट रक्तदान किया गया। उन्होंने कहा कि रक्तदान से हम लोगों का जीवन बचा सकते हैं। इस दौरान मुख्य रूप से अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के जिलाध्यक्ष अनंत पाण्डेय, अजय धारिया, अमन तिवारी, प्रिया सिंह, भाजपा मंडल अध्यक्ष जयश्री कचेर, तहसील संयोजक अनुराग यादव, एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे मुख्य खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर के.एल. दीवान, रक्त सेंटर शहडोल से श्यामला राव, पत्रकार राकेश गुप्ता, अभाविप से आशीष कुमार गुप्ता शुभम द्विवेदी, सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

रक्तदान शिविर में मुख्य रूप से डॉक्टर के एल दीवान, अनुराग यादव, दलवीर रैदास, रामकेश यादव, हर्ष गुप्ता, रामनरेश कुशवाहा, रामप्रसाद साहू, अमन तिवारी, अंकित नामदेव, रावेद्र सिंह, अमन त्रिपाठी, अनीता दत्त, महेंद्र कुशवाहा, आदित्य गुप्ता एवं राजकुमार यादव ने रक्तदान किया गौरतलब है कि 02 रक्तदाताओं ने पहली बार रक्तदान किया। पहली बार रक्तदान करने वाले दोनों ही युवाओं ने बताया कि रक्तदान करने में डरने जैसी कोई बात नहीं है।

बुढार एंड अमलाई कालरीज वर्कर्स साख सहकारी समिति मर्यादित धनपुरी का चुनाव 6 अप्रैल को

धनपुरी। 28 महीनो के बाद बुढार एंड अमलाई कालरीज वर्कर्स साख सहकारी समिति मर्यादित का चुनाव 6 अप्रैल को होगा और स्टाफ क्लब में सुबह 9ः00 बजे से शाम 5ः00 बजे तक करीब साढे 17 00 मतदाता अपने मतदान का प्रयोग करेंगे इस चुनाव के लिए चुनाव अधिकारी अमृतलाल गुप्ता को बनाया गया है। कोयला खदानों में कार्यरत कर्मचारी जो इस समिति के सदस्य होते हैं वही मतदान करते हैं और उन्हें ही चुनाव लड़ने का अधिकार होता है यही कारण है कि हर 5 वर्ष में यहां का चुनाव होता है जिसमें चुने गए सदस्यों के द्वारा ही अध्यक्ष को चुना जाता है पिछले ढाई वर्ष से चुनाव न होने के कारण यहां पर प्रशासक की नियुक्ति की गई थी और प्रशासक के ही द्वारा इस सोसायटी को चलाया जा रहा था लेकिन अब यहां पर चुनाव होने जा रहे हैं और इसे लेकर मतदाता और प्रत्याशी दोनों में ही उत्साह देखा जा रहा है सभी उम्मीदवार अपने-अपने वायदे कर रहे हैं और यह देखना होगा कि 1700 कर्मचारी किन प्रत्याशियों का चयन करते हैं।

श्री रामनवमीं के पवित्र अवसर पर प्राकट्य पर्व 6 अप्रैल को

मध्यप्रदेश के छह प्रतिष्ठित स्थलों पर एक साथ सांस्कृतिक स्वरूपों में दिखेगी श्रीराम की महिमा

विजय मत, शहडोल।

मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग द्वारा जिला प्रशासन - अनूपपुर, पन्ना, सतना, निवाड़ी, शहडोल, उमरिया के सहयोग से श्रीरामनवमीं के पवित्र अवसर पर एक दिवसीय प्राकट्य पर्व का आयोजन 6 अप्रैल को मध्यप्रदेश के छह प्रतिष्ठित स्थलों पर एक साथ सायं 7 बजे से किया जाएगा। सभी स्थलों पर सांस्कृतिक स्वरूपों में श्रीराम की महिमा दिखेगी। कार्यक्रम में प्रवेश निःशुल्क रहेगा।

संचालक, संस्कृति डॉ. पूजा शुक्ला ने बताया कि मध्यप्रदेश के छह प्रतिष्ठित स्थलों पर श्रीरामनवमीं के पवित्र अवसर पर प्राकट्य पर्व के आयोजन का उद्देश्य आम जन को सांस्कृतिक स्वरूपों में श्रीराम के जीवन से जुड़े प्रसंगों का आस्वादन और भगवान राम के सम्बन्ध में पौराणिक मान्यताओं से परिचित कराना है।

उन्होंने बताया कि इस अवसर पर जिला अनूपपुर के कोतमा में स्थित सीतामढ़ी में गोविंद सिंह यादव एवं साथी, गंजबासौदा द्वारा बुन्देली लोकगायन, इसके बाद सुश्री आकृति जैन एवं साथी, भोपाल द्वारा राम अर्पण नृत्यनाटिका और अंत में पवन तिवारी एवं साथी, टीकमगढ़ द्वारा भक्ति गायन की प्रस्तुति दी जाएगी।

जिला सतना स्थित चित्रकूट में राघव प्रयाग घाट, बिजावर मंदिर,

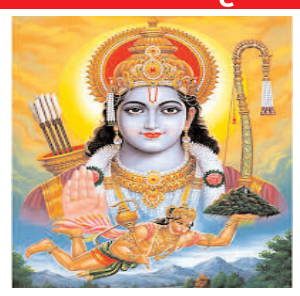

नयागांव में सुश्री मणिमाला सिंह एवं साथी, रीवा द्वारा बघेली लोकगायन, इसके बाद रंग त्रिवेणी सामाजिक एवं सांस्कृतिक समिति, भोपाल द्वारा नृत्यनाटिका शबरी और अंतिम प्रस्तुति स्वप्निल मैलोडी ग्रुप, जबलपुर द्वारा भक्ति गायन की होगी।

जिला निवाड़ी के ओरछाधाम स्थित श्रीराम राजा मंदिर प्रांगण में रामकुमार प्रजापति एवं साथी, टीकमगढ़ द्वारा बुन्देली लोकगायन, इसके बाद रंगरेज कला समूह, उज्जैन के कलाकारों द्वारा नृत्यनाटिका रामजन्म की कथा और अंतिम प्रस्तुति वृन्दावन की सुश्री आस्था गोस्वामी एवं साथी द्वारा भक्ति गायन की होगी।

जिला पन्ना के जुगल किशोर मंदिर प्रांगण में कडोरी प्रजापति एवं साथी, सागर द्वारा बुन्देली लोकगायन, अर्घ्य कला समिति भोपाल के कलाकारों द्वारा राम की शक्ति पूजा और अंत में संजय शुक्ला एवं साथी, मुम्बई द्वारा भक्ति गायन की प्रस्तुति दी जाएगी।

जिला उमरिया के मंगल भवन परिसर में मुनीन्द्र कुमार मिश्रा एवं साथी, शहडोल द्वारा बघेली लोकगायन, इसके बाद सुश्री अवंतिका दुबे एवं साथी, खजुराहो द्वारा नृत्य नाटिका राम आरंभ की प्रस्तुति और अंत में गिरीश ठाकुर एवं साथी, सिवनी और सुश्री मुस्कान चौरसिया एवं साथी, बालाघाट द्वारा भक्ति गायन की सभाएं सजेंगी। जिला शहडोल के श्रीराम जानकी (पंचायती) मंदिर में भवानी दास अहिरवार एवं साथी, जबलपुर द्वारा बुन्देली लोकगायन, इसके बाद सुश्री अमिता खरे एवं साथी, भोपाल द्वारा नृत्यनाटिका राम प्रसंग और अंत में दीन भवत - अखिलेश राजा एवं ग्रुप, जबलपुर द्वारा भक्ति गायन की प्रस्तुति दी जाएगी।

बैठक

6 अप्रैल को प्रत्येक कार्यकर्ता अपने घरों पर झंडा पहराकर मनाएंगे स्थापना दिवस : अमिता चपरा

भाजपा जिले के प्रत्येक बूथ पर 14 अप्रैल को अम्बेडकर जी की मनायेगी जयंती

विजय मत, शहडोल।

भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष श्रीमती अमिता चपरा ने बुधवार को जिले की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि कार्यकर्ता 6 अप्रैल को पार्टी का स्थापना दिवस और 14 अप्रैल को भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती की तैयारियों में जुट जाएं। उन्होंने कहा कि 6 अप्रैल को पार्टी का स्थापना दिवस मनाने के लिए विशेष तैयारियां करें और प्रत्येक कार्यकर्ता अपने अपने निवास पर पार्टी का ध्वज लगाकर पूरे हर्षोल्लास के साथ स्थापना दिवस मनाएं। कार्यालय की सजावट कर रंगोली सजाएं तथा मिठाई बांटें। सेल्फी लेकर उसे सोशल मीडिया पर ''हैशटैग बीजेपी फॉर विकसित भारत'' के साथ पोस्ट करें।भाजपा जिला मीडिया प्रभारी विनय केवट ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी प्रदेश नेतृत्व के निर्देशन पर बुधवार को कमला नगर स्थित शहडोल संभागीय मुख्यालय जिला भाजपा कार्यालय में।

बैठक का शुभारंभ भाजपा का के पितृ पुरुष पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी एवं डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ शुरू की

गई। जिला मिडिया प्रभारी विनय केवट ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी की जिले की कामकाजी बैठक में भाजपा शहडोल जिले के प्रभारी श्री पीतांबर टोपनानी, जैतपुर विधायक श्री जयसिंह मरावी, जयसिंहनगर विधायक श्रीमती मनीषा सिंह व्यौहारी विधायक शरद कोल, पूर्व जिलाअध्यक्ष कमल प्रताप सिंह ,आजीवन सहयोग निधि के प्रभारी दौलत मनमानी, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रभा मिश्रा मंचासीन रहे।

जिला प्रभारी ने भी संबोधन किया

बैठक को संबोधित करते हुए जिला प्रभारी पीतांबर टापुनानी जी ने आगामी कार्यक्रमों की विस्तृत चर्चा की उन्होंने कहा कि 3 अप्रैल प्रत्येक मंडल की बैठक एवं 4 अप्रैल को शक्ति केंद्रो की बैठक की जाएगी एवं 14 अप्रैल को जिले के प्रत्येक बूथ पर भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की जयंती मनाई जाएगी। बूथ स्तर पर और मंडल व विधानसभा स्तर पर भाजपा की चुनावी सफलता, संगठनात्मक विस्तार, भारतीय राजनीति में भाजपा द्वारा लाया गया परिवर्तन एवं प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी के साथ विकसित भारत की ओर यात्रा जैसे विषयों पर नए प्राथमिक सदस्यों का सम्मेलन आयोजित करना सुनिश्चित करें। 7 से 13 अप्रैल के बीच जिला पदाधिकारी, जन प्रतिनिधि व मंडल अध्यक्ष दिन में 8 घंटे ÷बस्ती चलो अभियान÷ के तहत सेवा बस्ती का दौरा कर मंदिर, अस्पताल, स्कूल व गलियों में स्वच्छता अभियान में भाग लें। इस दौरान विभिन्न योजनाओं के 10 लाभार्थियों से मिलकर उनसे बातचीत करें, आंगनवाड़ी केंद्र, स्कूल, पशु चिकित्सालय, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र व पंचायत कार्यालय का दौरा कर जल संरचनाओं की सफाई में सहभागिता करें। स्थानीय निवासियों की चौपाल का आयोजन तथा अलग-अलग समुदाय के प्रतिष्ठित व्यक्तियों के घर पहुंचना है। वरिष्ठ पार्टी कार्यकर्ता, मीसा बंदी तथा कारसेवकों का सम्मान करने के साथ बूथ समितियों की बैठक आयोजित करना है।

बाबा साहब की प्रतिमाओं को सफाई कर मनाएं दीपोत्सव

जिलाध्यक्ष श्रीमती अमिता चपरा ने कहा कि भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के पूर्व 13 अप्रैल को उनकी प्रतिमाओं की सफाई करना तथा संध्या के समय दीपोत्सव मनाना है। 14 अप्रैल को बाबा साहब की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित कर संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पाठ करना है। आंगनबाड़ी केंद्रों और अनुसूचित जाति बस्तियों के स्कूल परिसरों की सफाई एवं सामुदायिक सुविधाओं का रखरखाव किया जाए।उन्होंने कहा कि पार्टी पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी जी का शताब्दी वर्ष समारोह मना रही है, इसके लिए पार्टी कार्यकर्ता श्रद्धेय अटल जी के पत्र, फोटो, वीडियो आदि के माध्यम से नए कार्यकर्ताओं को अवगत कराएं। इस दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष ने आजीवन सहयोग निधि के विषय पर चर्चा करते हुए आजीवन सहयोग निधि जिला टोली की टीम को सहयोग निधि समय से एकत्रित करने पर बधाई दी एवं प्रधानमंत्री जी की मन की बात कार्यक्रम को लेकर विशेष रूप से चर्चा की गई। बैठक में भारतीय जनता पार्टी के जिला पदाधिकारी मंडल अध्यक्ष मोर्चा प्रकोष्ठों के अध्यक्ष सहित भाजपा के वरिष्ठ जेस्ट श्रेष्ठ कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे।

संस्थापक
श्री रामसिपाही शुक्ल

शरीर के लिए कम हानिकारक नहीं है ये क्रीम पाउडर

पसीना निकलना हमारे शरीर की स्वाभाविक और अनिवार्य प्रक्रिया है। पसीने के रूप में हमारे शरीर की गंदगी और विषैले तत्व हमारे शरीर से बाहर निकल जाते हैं ।यह पसीना गर्मियों के दिनों में हमारे शरीर को ठंडा रखने में मददगार रहता है । लेकिन अब भारत में गर्मी का मौसम आते ही समाचार पत्र, पत्रिकाओं से लेकर चैनलो पर आने वाले आकर्षक और भ्रामक विज्ञापनों से प्रभावित होकर पसीने की दुर्गंध से छुटकारा दिलाने वाले टेलकम पावडर और क्रीम के उपयोग का चलन बढ़ रहा है। लोग पसीने और इसकी दुर्गंध से छुटकारा पाने के लिए विभिन्न प्रकार के सुगन्धित टेलकम पाउडरों और दुर्गन्धनाशक क्रीमों का उपयोग करना प्रारंभ कर देते हैं। यही वजह है कि पिछले कुछ सालों में ऐसे क्रीम, टेलकम पाउडर का भारतीय बाजार चार गुना बढ़ चुका है। पसीने की दुर्गन्ध नाशक क्रीम -पावडर तेजी से लोकप्रिय हो इसमें शक नहीं कि बहुत कम लोग यह जानते है कि ये टेलकम पाउडर और क्रीम उनके शरीर की त्वचा के साथ-साथ गुर्दे और फेफड़े जैसे महत्वपूर्ण अंगों को क्षति पहुंचा सकते हैं। अधिकांश टेलकम पाउडर और दुर्गंध नाशक क्रीम पसीनारोधी होते हैं। इसमें काम आने वाले रसायन त्वचा के छिद्रों को बंद कर देते हैं। जिससे प्रत्यक्ष रूप से पसीने का निकलना तो बंद हो जाता है ।यह परोक्ष रूप से तमाम सारी खतरनाक बीमारियों को आमंत्रित करने के लिए अग्रसर हो जाता है ।यदि त्वचा के छिद्र बंद हो जाए तो गुर्दे और त्वचा से निकलने वाले विषाक्त पदार्थ का बाहर निकलना पूरी तरह बंद हो जाएगा। बिषात पदार्थों के नहीं निकलने से गुर्दे को भी ज्यादा काम करना पड़ेगा और फिर इसमें भी खराबी आने का अंदेशा बना रहता है ।इतना ही नहीं ,त्वचा से पसीना निकलने की प्रक्रिया रक्त में ऑक्सीजन पहुंचकर इसके शुद्धिकरण में भी मददगार होती है और यदि ये छिद्र बंद हो जाए तो यह प्रक्रिया भी निश्चित रूप से अवरोधित होगी और बदले में फेफड़ों को ज्यादा काम करना पड़ सकता है ।बाजार में बिकने वाले तमाम दुर्गंध नाशक क्रीमों एवं टेलकम पाउडर में प्रयुक्त होने वाली सुगंधित पदार्थों के प्रभाव से पसीने की बदबू तो दूर हो जाती है।

नोट

सम्पादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित लेख-आलेख एवं विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं अतः यह जरूरी नहीं है कि विजय मत समूह उपरोक्त लेख या विचारों से सहमत हो। किसी लेख से जुड़े सभी दावे या आपत्ति के लिए सिर्फ लेखक ही जिम्मेदार हैं।

भारत का नक्सलियों पर शिकंजा कसने की रणनीति- मिट जाएगा नक्सलवाद का नामोनिशान?

किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तर पर पूरी दुनियाँ 24 फरवरी 2022 से रूस-यूक्रेन युद्ध व 7 अक्टूबर 2023 से इज़राइल- हमास युद्ध में भयंकर नतीजे किसी न किसी रूप में भुगत रही है,व ईरान- इजरायल तनाव के चलते पश्चिम एशिया इस्लामिक देशों सहित पूरी दुनियाँ चिंताओं में फंसी नज़र भी आ रही थी। अगर सभी अंतरराष्ट्रीय मंच मिलकर कोई रणनीतिक एक्शन लेते तो आज बात इतनी गंभीर नहीं होती। परंतु जैसे ही ट्रंप राष्ट्रपति चुने गए इज़राइल-हमास का युद्ध विराम हुआ और अब रूस-यूक्रेन के 30 दिनों के युद्ध हुए राम की तैयारी चल रही है,यानें जो मन में ठान लिया जाए वह क्रियान्वयन होता है अभी जैसे हमारे गृहमंत्री ने 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद, माओवाद जीरो टॉलरेंस नीति का प्रण लिया है उस पर तेजी से काम शुरू है, इसी कड़ी में वे 4-5 अप्रैल 2025 को फिर दंतेवाड़ा समीक्षा करने जा रहे हैं। आज हम इस विषय पर बात इसलिए कर रहे हैं क्योंकि दिनांक 4-5अप्रैल 2025 को इसी नक्सलवाद, माओवाद को टारगेट-2026 रणनीति जीरो टॉलरेंस की समीक्षा के तहत केंद्रीय गृहमंत्री केंद्र व राज्य सरकारों के वरिष्ठ अधिकारी उप राष्ट्रीय सलाहकार केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के प्रमुखों सहित अनेको सुरक्षा विशेषज्ञों के साथ समीक्षा बैठक करेंगे। बता दें पिछले दिनों केंद्रीय गृहमंत्री द्वारा छत्तीसगढ़ रायपुर दौरे पर 2026 तक माओवादियों नक्सलवादियों को जीरो टॉलरेंस के लिए नीति की बात कही थी। मेरा मानना है कि नक्सलवाद माओवाद आतंकवाद को जीरो ट्रेवल्स करना है तो उनके साथ आत्मसमर्पण रणनीति पर जोर देना अधिक उचित होगा जो एक रणनीति के तहत शुरू भी है और अनेक आत्मसमर्पण हुए भी हैं, हिंसात्मक कार्रवाई से पुलिस व नक्सलवादियों में आपसी तनाव व दुश्मनी बढ़ रही है। बता दें मैं खुद नक्सल प्रभावित महाराष्ट्र के गोंदिया जिला क्षेत्र से हूं तो मैं देखता हूं कि गांव में गांववासियों व वहां की लोकल दुकानों को सब कुछ मालूम होते हुए भी चुप रहते हैं। दुश्मनी केवल पुलिस व नक्सलियों के बीच ही दिखती है कभी नक्सली मारे जाते हैं तो कभी पुलिस वाले शहीद होते हैं जो दशकोंसे चला आ रहा है। अब पैटर्न बदलकर आत्मसमर्पण का जोरदार अभियान चलाना भी शुरू है हालांकि यह अभियान अभी भी तेजी से चल रहा है व हाल ही में सैकड़ो नक्सलवादी आत्मसमर्पण भी किए हैं परंतु इसे अनेक रणनीतियां बनाकर अधिक तेज़ी से चलने की जरूरत है,चूँकि टारगेट माओवाद - 31 मार्च 2026 भारत में नक्सलवाद जीरो टॉलरेंस नीति शुरू है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, टारगेट माओवाद 2026-भारत में नक्सलवाद जीरो टॉलरेंस नीति अंतिम पड़ाव में-गृहमंत्री का दंतेवाड़ा दौरा 4-5 अप्रैल 2025, भारत का नक्सलियों परशिकंजा कसने की रणनीति- मिट जाएगा नक्सलवाद का नामोनिशान। मेरा मानना है कि अब ज़रूरतहै, भारत में जिला स्तरीय दबंग माफियाओं सट्टा जुआ किंग्स पर भी रणनीतिक शिकंजा कसने उच्च स्तरीय बैठक़े समय की मांग है।

> ठीक उसी तरह अनेक देशों में घरेलू आतंकवाद माओवाद नक्सलवाद लंबे समय से चल रहा है, परंतु मेरा मानना है कि किसी भी देश नें इस तरह क़े युद्ध आतंकवाद हिंसात्मक गतिविधियों क़ो जीरो टॉलरेंस नहीं कर पाया है,जिसका सबसे अधिक दुष्परिणाम आम आदमियों नागरिकों को ही भुगतना पड़ रहा है,जो वैश्विक स्तरपर या अपने ही देश में राज्य स्तरपर पलायन करते हैं जिनका स्थाई समाधान ढूंढना आज समय की जरूरत है।

साथियों बात अगर हम भारत में टारगेट माओवाद 2026 की करें तो,देश में नक्सली हिंसा को लेकर केंद्र सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति अपना रही है। सरकार का लक्ष्य देश को 31मार्च 2026 तक नक्सल मुक्त करने का है, इसे लेकर गृहमंत्री 4 और 5 अप्रैल को छत्तीसगढ़ का दौरा करेंगे। सूत्रों के मुताबिक, 5 अप्रैल को गृहमंत्री छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में एडवांस पोस्ट पर जाकर नक्सलमुक्त अभियान को लेकर मुआयना करेंगे, इसी के बाद 5 अप्रैल को गृहमंत्री छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के पूर्ण खात्मे के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन की समीक्षा भी करेंगे। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री सहित नक्सलवाद प्रभावित राज्यों के मुख्यमंत्री, प्रभावित राज्यों के पुलिस के आला अधिकारी, अर्धसैनिक बलों और नक्सलवाद के खात्मे में लगे अधिकारियों के साथ गृहमंत्री बैठक करेंगे। बता दें, छत्तीसगढ़ के सुकमा में नक्सलियों के होने की सूचना पर 28 मार्च यानी शुक्रवार को डीआरजी और सीआरपीएफ की संयुक्त पुलिस पार्टी नक्सल विरोधी सर्च अभियान में रवाना हुए थे,अभियान के दौरान शनिवार की सुबह सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई,इस मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने 16 नक्सलियों को ढेर किया है।सुकमा में नक्सलियों के खिलाफ चलाए गए अभियान को लेकर केंद्रीय गृहमंत्री ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट किया, उन्होंने कहा, नक्सलवाद पर एक और प्रहार! हमारी सुरक्षा एजेंसियों ने सुकमा में एक ऑपरेशन में 16 नक्सलियों को मार गिराया है और भारी मात्रा में स्वचालित हथियार बरामद किए हैं उन्होंने आगे कहा, पीएम के नेतृत्व में हम 31 मार्च 2026 से पहले नक्सलवाद को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। साथ ही उन्होंने, हथियार रखने वालों से अपील करते हुए कहा कि हथियार और हिंसा बदलाव नहीं ला सकते हैं, सिर्फ शांति और विकास से ही बदलाव लाया जा सकता है। बता दें कि सरकार की रणनीति की वजह से वामपंथी उग्रवाद हिंसा 73 प्रतिशत घटे हैं। साल 2010 की तुलना में 2024 में नक्सली हिंसा में मरने वालों की संख्या में 86 प्रतिशत की कमी आई है। सरकार की ओर से कहा जा रहा है कि नक्सली अब अपनी आखिरी लड़ाई लड़ रहे हैं। साल 2024 में अब तक सशस्त्र वामपंथी उग्रवादियों के खात्मे में सेक्युरिटी फोर्स ने अभूतपूर्व भूमिका निभाई है। साल 2024 में अब तक 202 से अधिक वामपंथी उग्रवादियों को मार गिराया गया है, जबकि 723 से अधिक वामपंथी उग्रवादियों ने सरेंडर किया है और 812 से अधिक को अरेस्ट किया गया है।बयान में कहा गया है कि 2024 में वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित जिलों की संख्या में काफी कमी आई है। यह घटकर 38 रह गई है ।केंद्र सरकार ने प्रभावित राज्यों के सुदूर क्षेत्रों तक विकास योजनाओं को पहुंचाने के लिए मोबाइल कनेक्टिविटी और सड़क को बढ़ावा देने सहित कई कदम उठाए हैं। राज्य सरकार की ओर से कहा गया है कि पीएम क़े नेतृत्व और गृह मंत्री के मार्गदर्शन में वामपंथी हिंसा को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। 4 अक्टूबर 2024 को अबूझमाड़ के जंगलों में हुई मुठभेड़ में एक साथ 31नक्सली मारे गए थे, फिर 28 मार्च 2025 को 16 नक्सलवादी मार गिराए गए।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

मणिकर्ण हादसा : दरकते पहाड़ बेमौत मरते लोग दोषी कौन?

नरेंद्र भारती

पल भर में ही लाशों के ढेर लग गए और जिन्दा मानव चिथड़ों में बदल गए शव क्षत विक्षत हो गएद्य चारों तरफ चीखो पुकार मच गई लोग एकदम दफन हो गए धार्मिक नगरी श्मशान बन गईद्य कैसी विडंबना है की नवरात्रि के पहले दिन धार्मिक मनीकरण में छः लोग काल के गाल में समा गए बंगलुरु से घूमने आये पर्यटकों ने सपने में भी नहीं सोचा होगा की उनकी इतनी दर्दनाक मौत होगी। फितरती व लालची मानव पहाड़ों का सीना छलनी कर रहा है और दरकते पहाड़ लोगों की जिंदगी लील रहे हैं पहाड़ों से छेड़छाड़ मत कीजिये अगर छेड़छाड़ बंद नहीं की तो प्रतिदिन हादसे होते रहेंगे। चट्टाने काल बनकर बेकसूर लोगों को मौत के घाट उतार रही हैंद्य भरमौर से लेकर किन्नौर तक पहाड़ो से चट्टानें गिर रही हैं और लोग बेमौत मारे जा रहे हैं। ताज़ा घटनाक्रम में कल रविवार को मनीकरण में पहाड़ी से अचानक विशालकाय पेड़ गिरने से छः लोगों की दर्दनाक मौत हो गई और छः लोग घायल हो गए यह हादसा गुरुद्वारा साहिब के नजदीक हुआ इस पेड़ की चपेट में आने से बेमौत मारे गए मरने वालों में ज्यादातर पर्यटक थे कुछ स्थानिय लोग भी हैं यह पर्यटक बंगलुरु के रहने वाले थे इनमें तीन महिलाएं और तीन पुरुष हैं। यह कोई पहला हादसा नहीं है इससे पहले काफ़ी दर्दनाक हादसे हो चुके हैं लेकिन कोई सबक नहीं सीख रहा है अगर पिछले हादसों से सबक लिया होता तो आज यह हादसा नहीं होता और लोग असमय नहीं मारे जाते। यह हादसे। कने का नाम नहीं ले रहे हैं सरकार व प्रशासन को इन हादसों पर संज्ञान लेना चाहिए ताकि भविष्य में इन दर्दनाक हादसों पर रोक लग सके। फोरलेन के लिए.सड़क को चौड़ा करने के लिए पहाड़ों को मशीनों से काटा जा रहा और पहाड़ से बड़े बड़े पत्थर गिर रहे हैं। गत वर्ष बरसात में काफ़ी लोग अपनी जान गंवा चुके हैं लेकिन यह कार्य नहीं। क रहे हैं।गत वर्ष 12 अगस्त 2017 की रात को कोटरोपी में प्रकृति ने अपना रौद्र। प दिखाकर ऐसी खौफनाक तबाही मचाई थी की रौगटे खडे हो गए थे कोटरोपी में हुए इस हादसे ने पूरे हिमाचली समुदाय को झझकोर दिया था।पल भर में लाशों के ढेर लग गए लाशों का ढांपने के लिए कफन कम पड़ गए थे।मौत का यह मंजर सदियों तक याद रहेगा। 12 अगस्त 2017 काली रात को कोटरोपी में प्रकृति का कहर सैकडों अनमोल जिंदगियां लील गया था।पठानकोट -मंडी नेशनल हाईवे 154 के कोटरोपी में चलती बसों पर पहाड़ गिरने से 48 लोगों की दर्दनाक मौत से हर हिमाचली गमगीन था।12 अगस्त की काली रात को प्रकृति ने ऐसा कहर मचाया की पल भर में यात्रियों को मौत की नींद सुला दिया था।यात्रियों ने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि कोटरोपी में मौत उनका इंतजार कर रही है।पहाड़ गिरने से चंबा से मनाली तथा मनाली से कटड़ा जा रही दो बसे दब गई थी। सैंकडों यात्री जमीदोज हो गए थे बसों में लाशे क्षत-विक्षत हो चुकी थी तथा टुकडों में तब्दील हो चुकी थी।चारों तरफ चीखो पुकार मची हुई थी लोग अपनों को बदहवाश होकर ढूढ रहे थे मगर उनके सगे-संम्बधी चिर निंद्रा में सो चुके थे।हर तरफ लाशें दफन हो चुकी थी। प्रकृति ने ऐसी तबाही मचाई थी कि जीते जागते इंसान चिथडों में बदल गए थे तबाही का ऐसा मंजर बहुत ही भयानक था जिसे लोग ताउम्र नहीं भूल सकते आखों के सामने देखते ही देखते लोग मौत के आगोश में समा गए थे बसें जमीदोज हो गई थी । 46 शव निकाले गए थे। पहाड़ के मलवे से लोगों के आशियाने धरसशाही हो गए थे गनीमत रही की किसी की जान नहीं गइ थी।अभागे यात्री अपने गतब्व पर पहुचने से पहले ही हादसे का शिकार हो गए थे।उनका सफर कोटरोपी में खत्म हो गया था। 12 अगस्त की काली रात प्रदेश वासियों को कभी नहीं भूलेगी।इस हादसे में कुल्लु की महिला ने अपने तीन बच्चे खो दिये थे वे अपने दादा के पास चंबा गए थे। ।इस विनाशकारी प्रकृति के कहर से जनमानस खौफजदा है। कही फिर से पहाड़ का मलवा न आ जाए लोग खौफ के साए में राते काट रहे हैं। इससे पहले हिमाचल में प्रकृति के कहर से हजारों लोग मारे जा चुके हैं।बरसात में देश में कई भीषण त्रासदियां हो चूकी है। कहीं मकानों के ढहने से बच्चे मारे गए तो कहीं सैंकडों पशुओं की दबकर मौत हो गई।दर्जनों लोग पानी में बह गए और करोडों की संपति तबाह हो गई। पहाड के मलवे की चपेट में आने से काफी जानमाल का नुक्सान हो रहा है।प्रकृति की इस विभिषिका में हजारों लोग अपंग हो गए है बच्चे अनाथ हो जाते है लाशे मलवे में दफन हो गई है। सरकार को चाहिए की प्रत्येक गांव से लेकर शहरो तक आपदा प्रबंधन कमेटियां गठित करनी चाहिए जिसमें डाक्टर नर्स व अन्य प्रशिक्षित स्टाफ रखना चाहिए ताकि व त्वरित कारवाई करके लोगों क़ो मौत के मुंह से बचा सके ।अक्सर देखा गया है कि जब तक आपदा प्रबंधन की टीमें घटना स्थनों पर पहुचती है तब तक बची हुई सासें उखड़ जाती है लाशों के ढेर लग जाते है।अगर समय पर आपदा ग्रस्त लोगों को प्राथमिक सहायता मिल जाए तो हजारों जिदंगियां बचाई जा सकती हैं। प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए सरकार को कालेजों व स्कूलों में भी माकड्रिल जैसे आयोजन करने चाहिए ताकि अचानक होने वाली आपदाओं से अपना व अन्य का बचाव किया जा सके।स्कूलो व कालेजों मे चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना व स्काउट एंड गाइड के स्वंयसेवियों को आपदा से निपटने के लिए पारगंत किया जाए।अगर यही स्वयसेवी अपने घर व गांवों में लोगों को आपदा से बचने के तरीके बताए तो काफी हद तक नुक्सान को कम किया जा सकता है।

> 2024 में चंडीगढ़ -मनाली हाईवे पर नौ मील के पास देर रात हादसा हो गया केलांग से शिमला जा रही सरकारी बस पर चट्टान गिरने से तीन सवारियां घायल हो गई थी बस का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया था। गनीमत रही की कोई बड़ा हादसा होने से टल गया था। साल 2023 में भी एक कार पर बड़ी चट्टान गिरने से एक बच्चे की मौत हो गई थी। किन्नौर में भी ऐसा ही हादसा हुआ था जहाँ दो लोग चट्टान के नीचे दब कर मारे गए थे। हनोगी के पास भी एक कार पर विशालकाय पत्थर गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई थी।भरमौर में भी ऐसा दर्दनाक हादसे में तीन लोग मारे गए थे।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

वृद्धों के लिये उजाला बना सुप्रीम कोर्ट का फैसला

ललित गर्ग

देश ही नहीं, दुनिया में वृद्धों के साथ उपेक्षा, दुर्व्यवहार, प्रताड़ना, हिंसा तो बढ़ती ही जा रही है, लेकिन अब बुजुर्ग माता-पिता से प्रॉपर्टी अपने नाम कराने या फिर उनसे गिफ्ट हासिल करने के बाद उन्हें यूं ही छोड़ देने, वृद्धाश्रम के हवाले कर देने, उनके जीवनयापन में सहयोगी न बनने की बढ़ती सोच आधुनिक समाज का एक विकृत चेहरा है। संयुक्त परिवारों के विघटन और एकल परिवारों के बढ़ते चलन ने वृद्धों के जीवन को नरक बनाया है। बच्चे अपने माता-पिता के साथ बिल्कुल नहीं रहना चाहते। ऐसे बच्चों के लिए सावधान होने का वक्त आ गया है, सुप्रीम कोर्ट ने इसको लेकर एक ऐतिहासिक फैसला दिया है। अपने इस महत्वपूर्ण फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अगर बच्चे माता-पिता की देखभाल नहीं करते हैं, तो माता-पिता की ओर से बच्चों के नाम पर की गई संपत्ति की गिफ्ट डीड को रद्द किया जा सकता है। यह फैसला माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण और कल्याण अधिनियम के तहत दिया गया है, जिससे वृद्धों की उपेक्षा एवं दुर्व्यवहार के इस गलत प्रवाह को रोकने में सहयोग मिलेगा। क्योंकि सोच के इस गलत प्रवाह ने न केवल वृद्धों का जीवन दुश्वार कर दिया है बल्कि आदमी-आदमी के बीच के भावात्मक फासलों को भी बढ़ा दिया है। वसुधैव कुटुम्बकम् की बात करने वाला देश एवं उसकी नवपीढ़ी आज एक व्यक्ति, एक परिवार यानी एकल परिवार की तरफ बढ़ रहे हैं, वे अपने निकटतम परिजनों एवं माता-पिता को भी बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं, उनके साथ नहीं रह पा रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के फैसले को पलटते हुए सराहनीय पहल की है जिसमें कहा गया था कि अगर गिफ्ट डीड में स्पष्ट रूप से शर्तें नहीं हैं, तो माता-पिता की सेवा न करने के आधार पर गिफ्ट डीड को रद्द नहीं किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट ने कानून का 'सख्त दृष्टिकोण' अपनाया, जबकि कानून के वास्तविक उद्देश्य को पूरा करने के लिए उदार दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता थी। यह फैसला एक महिला की उस याचिका पर आया जिसमें उसने अपने बेटे के पक्ष में की गई गिफ्ट डीड को रद्द करने की मांग की थी क्योंकि बेटे ने उसकी देखभाल करने से इनकार कर दिया था। परिवारों में संपत्ति के विवाद तो पता नहीं कब से चले आ रहे हैं, लेकिन आधुनिक समाज में ये विशेष रूप से बढ़ गए हैं।

(यह लेखक के निजी विचार हैं) -साभार

शब्द पहेली - 8325

■	1		2	■	3		4	■
5		■		■		■	6	7
	■	8		9		■	■	
10			■		■	11		
■	■	12		■	13		■	■
14			■	15	■	16		17
	■	■			■		■	
20	21	■		■		■	22	
■	23			■	24			■

बाएँ से दाएँ

1. कवि की रचना, गजल-3
3. अनुमान, अंदाज-3
5. सदपुरुष-2
6. अयोग्य, असंगत -2
8. स्वार्थ, लोभ-4
10. सहयोग, सहकार-3
11. उन्माद, सनक-3
12. भगवान का अराधक-2
13. ठंडक, शीतलता-2
14. दूल्हे के सिर पर बांधी जाने वाली पगड़ी-3
16. चांदी-3
18. गंवारपन, अशिष्टता-4
20. पैंदा, तला-2
22. वर्तमान दिन-2
23. बहने का भाव-3
24. गमन, विदा होना-3

ऊपर से नीचे

1. हुनर, फन, आर्ट-2
2. बल, दम, जोर-3
3. समीप, नजदीक-3
4. गलत का विलोम-2
5. भ्रम, संदेह-3
7. उपनदी, कैनाल-3
8. नशे से भरपूर-4
9. लाख, सौ हजार-2
11. स्वभाव, आदत-4
14. स्वास्थ्य-3
15. इस जगह-2
17. तहजीब, शिष्टता-3
18. इकट्ठा होना-3
19. रेखा, लाइन-3
21. होठ, अधर-2
22. आगमन-2

शब्द पहेली - 8324 का हल

स	ह	ल	ज	■	■	कु	ली	न
रि	■	■	र	सा	त	ल	■	फा
ता	ना	■	■	ग	म	■	■	स
■	जा	म	■	र	■	■	स	त
■	य	म	ज	■	आ	रा	म	■
ह	ज	■	■	ह	■	न	त	■
ज	■	■	क	र	■	■	ल	ब
र	■	स	ला	म	त	■	■	द
त	बा	ही	■	■	य	की	न	न

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

3 अप्रैल 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	06.27 बजे से
चंद्र	वृष में	वृष	08.07 बजे से
मंगल	कर्क में	मिथुन	10.05 बजे से
बुध	मीन में	कर्क	12.19 बजे से
गुरु	वृष में	सिंह	14.35 बजे से
शुक्र	मीन में	कन्या	16.47 बजे से
शनि	मीन में	तुला	18.57 बजे से
राहु	मीन में	वृश्चिक	21.12 ब.से
केतु	कन्या में	धनु	23.28 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		मकर	01.33 बजे से
		कुंभ	03.20 बजे से
		मीन	04.53 बजे से

गुरुवार 2025 वर्ष का 93 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास चैत्र **पक्ष** शुक्ल
तिथि षष्ठी 21.42 बजे को समाप्त।
नक्षत्र रोहिणी 07.02 बजे को समाप्त।
योग सौभाग्य 00.01 बजे रात्र को समाप्त। **करण** कौलव 10.41 बजे तदनन्तर तैतिल 21.42 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 04.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 05° 19'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872303
जूलियन दिन 2460768.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना सव्वाल **तारीख** 04
विशेष यमुना छठ, स्कंद षष्ठी, रोहिणी व्रत।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
शुभ	05.54	से 07.22	बजे तक	अमृत	05.40	से 07.11	बजे तक
रोग	07.22	से 08.51	बजे तक	चर	07.11	से 08.43	बजे तक
उद्वेग	08.51	से 10.19	बजे तक	रोग	08.43	से 10.15	बजे तक
चर	10.19	से 11.47	बजे तक	काल	10.15	से 11.47	बजे तक
लाभ	11.47	से 01.15	बजे तक	लाभ	11.47	से 01.19	बजे तक
अमृत	01.15	से 02.43	बजे तक	उद्वेग	01.19	से 02.51	बजे तक
काल	02.43	से 04.11	बजे तक	शुभ	02.51	से 04.23	बजे तक
शुभ	04.11	से 05.40	बजे तक	अमृत	04.23	से 05.55	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

यूज इन शॉर्ट

बिना टीपी रेत लोड परिवहन करते धड़ाया ट्रैक्टर, चालक पर मामला दर्ज

अनूपपुर। भालूमाड़ा पुलिस ने रेत के अवैध परिवहन के मामले में ट्रैक्टर वाहन को जब्त करने की कार्रवाई की है। जहां पुलिस ने चालक 36 वर्षीय रमेश कुमार केवट पिता सुदर्शन प्रसाद केवट निवासी दारसागर के खिलाफ धारा 303(2) बीएनएस 4/24 खान खनिज अधियम का कायम कर विवेचना में लिया है। थाना प्रभारी संजय खलको ने बताया कि मुखबिर की सूचना मिलने पर 2 अप्रैल को ग्राम शिकारपुर में आम बगीचा के पास छापामार कार्रवाई कर ट्रेक्टर जिसका रजिस्ट्रेशन नम्बर एमपी 65 एए 2785 को रोक कर चेक किया गया। ट्रैक्टर ट्रॉली में 3 घन मीटर रेत अवैध खनिज बिना रायल्टी/टीपी के लोड कर परिवहन करते पाया गया। ट्रैक्टर चालक रमेश कुमार केवट के कब्जे से उक्त ट्रैक्टर ट्रॉली मय लोड 3 घन मीटर रेत (खनिज) जब्त कर थाना में खड़ा करवाते हुए मामला दर्ज किया गया है। लोड रेत की कीमत सहित वाहन की कुल मशरूका 606000 रुपए जब्त किया गया है।

सट्टा खिला रहे तीन सटोरिएं गिरफ्तार, 2410 रुपए बरामद

अनूपपुर। बिजुरी पुलिस ने सट्टा खिला रहे तीन सटोरियों को गिरफ्तार किया है। जहां उनके कब्जे से 2410 रुपए नगद बरामद किए हैं। थाना प्रभारी विकास सिंह ने बताया कि 1 अप्रैल को मुखबिर द्वारा बिजुरी पुलिस को सूचना दी गई कि कुछ लोग थाना क्षेत्र अंतर्गत सट्टा खिला रहे है। सूचना पर विशेष टीम बनाकर टीम द्वारा लोहसरा, कोठी एवं परसापानी में घेराबंदी कर छापामार कार्रवाई की गई। कार्रवाई में लोहसरा में 40 वर्षीय पिताबंर साहू उर्फ राजा साहू निवासी लोहसरा, ग्राम कोठी में 36 वर्षीय भूपत प्रजापति पिता खेमराज प्रजापति निवासी कोठी एवं परसापानी में 30 वर्षीय संतोष कुजूर पिता मुन्ना कुजूर निवासी वार्ड नं. 13 परसापानी बिजुरी को मौके पर अवैध सट्टा काटते पाया गया। जिनके पास से प्रथक प्रथक सट्टा पर्ची, सट्टा पर्ची लिखने की डॉट पेन एवं कुल नगदी रकम 2410 रुपए बरामद हुआ। इन मामले में सभी आरोपियों के विरुद्ध धारा 4(क) सट्टा एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है।

हनुमान मंदिर में नव दिवसीय श्रीराम कथा का आयोजन आज से

कोतमा। कोतमा नगरपालिका वार्ड क्रमांक 8 थाना परिसर में स्थित श्री हनुमान मंदिर में नव दिवसीय श्रीराम कथा का आयोजन किया जाएगा। 3 अप्रैल गुरुवार से प्रारंभ होकर 11 अप्रैल तक चलने वाले प्रवचन में कथा वाचक दीपक तिवारी महाराज वृंदावन द्वारा प्रवचन किया जाएगा। राम कथा को लेकर मंदिर समिति ने बताया कि प्रतिदिन शाम 4 बजे से कथा प्रारंभ हो जाएगी, जिसमें 6 अप्रैल रामनवमी एवं 12 अप्रैल हनुमान जन्मोत्सव को विशेष पूजा अर्चना के साथ हवन एवं भंडारे का भी आयोजन किया गया है। आयोजन समिति ने नगर के समस्त भक्तों से कार्यक्रम में शामिल होकर धर्म लाभ लिए जाने की अपील की है।

भंडारित धान की जांच और ई - केवाईसी के कार्य को पूर्ण करने पर जोर

अनूपपुर। मंगलवार को कलेक्टर हर्षल पंचोली द्वारा विभागों की ली गई बैठक में अनुभाग स्तर पर अनुविभागीय दंडाधिकारियों की अध्यक्षता में जांच दल का गठन कर एफएक्यू के अनुसार स्टोरेज धान के गुणवत्ता की जांच के निर्देश दिए हैं। वहीं कलेक्टर ने जिला मुख्यालय की नगरीय निकाय से लगे ग्रामों को नगरीय निकाय की सीमा मे शामिल करने संबंधी प्रस्ताव तैयार करने की कार्रवाई जिला शहरी विकास प्राधिकरण को करने के निर्देश दिए हैं। जबकि राजस्व अधिकारी-कर्मचारियों को अप्रैल माह में ई -केवाईसी के कार्य को पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में ईकेवाईसी कार्य में जिले में लंबित स्थिति अत्यधिक है। जिसे लक्ष्य के अनुरूप पूर्ण किया जाना आवश्यक है। उन्होंने इस कार्य में ग्राम रोजगार सहायक, मोबिलाइजर, पटवारी तथा लोकल यूथ का सहयोग प्राप्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने नामांतरण, बटवारा, सीमांकन, नक्शा तरमीम के लंबित प्रकरणों का भी निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। वहीं अधिकांश मत्स्य पालन तालाबों के ठेका अवधि समाप्ति पर उन्होंने सहायक संचालक मत्स्य को प्रकरण तैयार कर जिपं सीइओ के माध्यम से प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले के पुष्पराजगढ़ विकासखंड के ग्राम किरगी तथा नगरीय निकायों में स्मार्ट फिश पार्लर स्थापना के संबंध में सहायक संचालक मत्स्य से जानकारी ली।

महिला बाल विकास विभाग के साथ डीइओ, डीपीसी ने स्कूल परिसर का लिया जायजा, पूर्व में समिति छात्रावास सहित अन्य स्कूली दस्तावेजों को ले गई है साथ

आरोपों की जांच में स्कूल पहुंची तीन विभागीय प्रशासनिक टीम

विजय मत, अनूपपुर।

बिजुरी नगरपालिका के वार्ड क्रमांक 6 में संचालित संत जोसेफ मिशन स्कूल में 29 मार्च को बाल विकास कल्याण समिति भोपाल व अनूपपुर की टीम के साथ महिला बाल विकास विभाग अनूपपुर द्वारा की गई जांच और वहां पाई गई आपत्तिजनक सामग्रियों पर जांच अधिकारियों द्वारा मीडिया को दिए गए बयान के बाद यह स्कूल जिला से लेकर प्रदेश स्तर तक सुर्खियों में आ गया। जिसके बाद 2 अप्रैल को जिला प्रशासन के निर्देश में तीन विभागीय अधिकारियों की गठित टीम ने स्कूल परिसर की जांच करते हुए छात्रावास और बाल कल्याण समिति से लगे आरोपों पर स्कूल संचालक से जानकारी ली। हालांकि प्रशासनिक अधिकारियों की जांच पड़ताल देर शाम तक जारी रही। लेकिन सवाल यह है कि जब बाल विकास कल्याण समिति भोपाल की टीम ने महिला बाल विकास विभाग अनूपपुर की टीम के साथ जांच की और आपत्तिजनक सामग्रियों के पाए जाने पर खुले तौर पर मीडिया के सामने अवैध रूप से स्कूल संचालन के आरोप लगाते हुए बयान दिए तो क्या अब जिला प्रशासन उन बयानों के आधार पर सम्बंधित स्कूल के खिलाफ सख्त कदम उठाएगी? या फिर जांच पड़ताल की कार्रवाई में मामले को ठंडे बस्ते में डाल देगी। फिलहाल अधिकारियों की टीम ने कहा है कि अभी जांच जारी है, कुछ दस्तावेज मिल गए हैं, कुछ बाद में स्कूल द्वारा उपलब्ध कराए जाने आश्वासन दिए हैं।

कहां गई आपत्तिजनक सामग्रियां

बुधवार को महिला बाल विकास विभाग के साथ जिला शिक्षा अधिकारी, जिला परियोजना समन्वयक जिला शिक्षा केन्द्र अनूपपुर की टीम बाल विकास कल्याण समिति के अधिकारी द्वारा लगाए गए आरोपों की जांच में पहुंची। जहां अधिकारियों ने स्कूल छात्रावास, फ्रीज, सहित अन्य स्थलों का जायजा लिया। संचालक से पूछताछ में यह बात सामने आई कि उनके पास पांच श्वान हैं, जिनके खिलाने के लिए मांस फ्रीज में रखा गया था। इस दौरान शराब की खाली बोतलें, लाइटर, माचिस जैसी बातों की जांच में उन्हें कुछ नहीं मिला। जबकि बाल विकास कल्याण समिति की ओर से जांच में आए अधिकारी ने मीडिया के समक्ष यह बयान दिया था कि जांच में स्कूल छात्रावास में खाली शराब की बोतले, माचिस और लाइटर होने के साथ बच्चों में नशे की प्रवृत्ति की भी आशंका जताई थी। साथ ही उन्होंने कहा कि उनके साथ स्थानीय विभागीय कोई अधिकारी नहीं था जिसके कारण ऐसे सामग्रियों की जब्ती नहीं हो सकी। तो फिर सवाल यह है कि बाल कल्याण समिति के अधिकारी ने क्या झूठ बोला या फिर जांच के लिए पहुंचे अधिकारी झूठ बोल रहे हैं?

स्कूल संचालन पर गुमराह करने के लगे हैं संगीन आरोप

संत जोसेफ मिशन स्कूल की जांच के बाद बाल कल्याण समिति द्वारा स्कूल संचालन संबंधित दस्तावेज जब्त कर अपने साथ ले जाया गया है। जिसमें दस्तावेजों के आधार पर आरोप लगाया गया कि स्कूल में छात्रावास संचालन सम्बंधित कोई मान्यता नहीं है। इसके अलावा जमीन सम्बंधित दस्तावेज भी नहीं है, यहां तक जमीन का डायवर्सन तक नहीं है। जांच अधिकारियों का कहना है कि बिना जमीन डायवर्सन के स्कूल को मान्यता नहीं मिल सकती। यहां तक जहां स्कूल संचालित है वह शासकीय भूमि है उसके नीचे कोयला का भंडार था जो अब गोफ इलाका है। अगर बाल कल्याण समिति के जांच अधिकारियों के आरोप सही है तो अब तक इस मामले में जिला शिक्षा विभाग, डीपीसी, महिला बाल विकास विभाग, आदिवासी विकास विभाग सहित स्थानीय प्रशासन को इन तथ्यों की भनक क्यों नहीं थी। अगर थी तो क्या सब कुछ जानते हुए एक अवैध शिक्षण संस्थान संचालित कराया जा रहा था। बहरहाल यह तो जांच के बाद भी स्पष्ट हो जाएगा कि आखिर प्रशासन की अगली कार्रवाई क्या है?

इनका कहना है

हम लोगों ने छात्रावास सम्बंधित दस्तावेजों की जांच की है, कुछ मिले हैं, कुछ बाद में उपलब्ध कराया जाएगा। छात्रावास में शराब की खाली बोतल, माचिस सहित अन्य कोई आपत्तिजनक सामग्रियां नहीं मिली है। मांस और मछली श्वानों को खिलाने फ्रीज में रखा गया था।

तुलाराम आर्मो,
जिला शिक्षा अधिकारी अनूपपुर।

आवासीय व बस स्टैंड से दूर शराब दुकान संचालन की नगरवासियों की मांग

एसडीएम के बाद अब कलेक्टर कार्यालय पहुंच सौंपा आवेदन, विवाद से त्रस्त का दिया हवाला

विजय मत, कोतमा।

कोतमा नगर के वार्ड क्रमांक 04 स्थित बस स्टैंड के पास आवासीय परिसर में संचालित शराब दुकान को हटाए जाने को लेकर नगरवासियों का आक्रोश दिनों दिन बढ़ता चला जा रहा हैत्र नगर के लोगो द्वारा हाल में ही मंत्री दिलीप जायसवाल सहित स्थानीय अधिकारियों से जनहित में शराब दुकान को हटाए जाने की मांग की गई थी। मंगलवार को वार्डवासियों के द्वारा अनूपपुर जिला कलेक्टर कार्यालय के समक्ष भी आवेदन देकर शराब दुकान हटाए जाने की मांग की गई है। वार्ड वासियों का कहना है कि लगातार मांग किए जाने के बाद भी शराब दुकान न हटने से आए दिन यहां पर विवाद होने के साथ असामाजिक तत्वों का जमघट लगता है। जिनके द्वारा प्रतिदिन विवाद करते हुए मोहल्ले की शांति भंग की जाती है। शराब दुकान नहीं हटाई गई तो आने वाले दिनों में किसी बड़ी वारदात भी घटित हो सकती है।

वार्डवासी यशोदा गुप्ता ने बताया कि जब से शराब दुकान खुली है तब से सभी घरों में रहने वाले लोगों की नींद हराम हो गई है। शाम ढलते ही असामाजिक तत्वों का जमघट शुरू होता है जो आधी रात तक विवश में सहना पड़ता है। शराबियों के हुड़दंग के कारण छोटे बच्चों के मस्तिष्क पर गलत संस्कार पड़ रहे हैं। वहीं अंजलि त्रिपाठी ने बताया कि शराब दुकान के कारण 1 दर्जन से ज्यादा अवैध रूप से मीट एवं मछली की दुकानें संचालित होने लगी हैं। जहां पर खुलेआम बैठकर शराब पिलाया जाता हैं। शाम से लेकर अगले दिन सुबह तक मीट की दुर्गंध से हम लोगों का जीना दुश्वार हो गया है। सुबह बस स्टैंड स्थित मंदिर जाने के रास्ते पर जगह-जगह मीट के टुकड़े पड़े रहते हैं।

बीच बाजार शराब दुकान संचालित होने से परेशान व्यापारी चंदन शर्मा का कहना है कि शराब दुकान के कारण घरों से महिलाओं का बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। गाली गलौज व हो हल्ला के कारण आस पास के कई घरों की महिलाएं घर के अंदर कैद रहने को मजबूर है। महिलाएं बाजार जाने से डरने लगी हैं। जबकि वार्ड क्रमांक 4 के पार्षद राजेंद्र सोनी रज्जू का कहना है कि हमारे द्वारा लगातार नगर पालिका सहित संबंधित अधिकारियों को शिकायत कर शराब दुकान अन्यत्र हटाने की मांग की जा रही है। इसके बाद भी दुकान न हटाया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है। शराब दुकान हटाने को लेकर आए दिन वार्ड वासियों द्वारा हमसे शिकायत की जाती है। नगरहित में वार्ड से शराब दुकान हटना ही चाहिए।

रेत चोरी कर परिवहन मामले में ट्रैक्टर चालक और मालिक पर मामला दर्ज

विजय मत, अनूपपुर।

कोतमा पुलिस ने रेत की चोरी कर परिवहन के मामले में ट्रैक्टर चालक 25 वर्षीय पुरूषोत्तम सिंह पिता हेतराम सिंह निवासी ग्राम चाका एवं ट्रेक्टर मालिक संतोष जायसवाल निवासी चाका के विरूद्ध धारा 303(2)बीएनएस एवं 4/24 खान एवं खनिज अधिनियम का अपराध कायम किया है। थाना प्रभारी सुंद्रेश सिंह मरावी ने बताया कि 1 अप्रैल को ग्राम चाका में पुलिस को सूचना मिली कि केवई नदी खमरौध घाट से ट्रैक्टर ट्रॉली में कुछ लोग रेत लोड कर चोरी करके ग्राम चाका तरफ लाने वाले है। पुलिस टीम ने सूचना के आधार पर बिना नंबर की ट्रैक्टर को चोरी का रेत परिवहन करते ग्राम चाका तालाब के पास पाया। जहां पुलिस ने मौके से धारा 303(2)बीएनएस एवं 4/24 खान एवं खनिज अधिनियम के तहत मामला दर्ज करते हुए ट्रैक्टर सहित ट्रॉली में 3 घन मीटर रेत लोड कुल मशरूका 803000 रूपए को जब्त किया है।

सोहागपुर एरिया के विभिन्न खदानों में पदस्थ 17 कर्मचारी हुए सेवानिवृत

विजय मत, धनपुरी।

एसईसीएल सोहागपुर एरिया की कोयला खदानों में कोयला उत्पादन बढ़ाने में श्रम वीरों का योगदान सबसे बड़ा होता है उनकी ही मेहनत से कठिन से कठिन लक्ष्य को हम प्राप्त करते हैं और कहीं ना कहीं अगर देखा जाए तो आज सोहागपुर एरिया लगातार लाभ की ओर अग्रसर हो रहा है 31 मार्च को इस एरिया का वार्षिक कोयला उत्पादन लक्ष्य पूरा भी कर लिया ।

आज यहां पर हमारे 17 कर्मचारी जो कई वर्षों तक कोयला खदानों में कोयला उत्पादन को लेकर अपना योगदान दिए वह सेवानिवृत हो रहे हैं निश्चित ही यह समय हमारे लिए काफी महत्वपूर्ण होता है जब हम सभी एक साथ एक मंच पर मौजूद होते हैं और कर्मचारियों को योगदान को इस मंच से कहते हैं वह सभी सेवानिवृत होने वाले कर्मचारियों को शुभकामनाएं देते हैं कि वह हमेशा साथ कुशल स्वस्थ रहें और अपने परिवार के साथ खुशी-खुशी अपना जीवन व्यतीत करें उक्त बातें एसईसीएल सोहागपुर एरिया के वीटीसी के प्रबंधक प्रकाश पाटले ने आरसी क्लब में आयोजित सेवानिवृत कर्मचारियों के सम्मान समारोह में कहीं।

इस अवसर पर एरिया कार्मिक प्रबंधक बलराम हेंब्रम वरिष्ठ पत्रकार सनत शर्मा हिंद मजदूर सभा के शिव नारायण मिश्रा भारतीय कोयला खदान मजदूर संघ से द्वारका प्रसाद मिश्रा सीटू से अरुण गौतम एरिया सुरक्षा अधिकारी अमित सिंह मौजूद थे।

सेवानिवृत्त सम्मान समारोह कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रकाश पाटले ने कहा कि कोयला उत्पादन को लेकर कर्मचारियों का योगदान सबसे बड़ा होता है आज यहां पर जो कर्मचारी सेवानिवृत्ति हो रहे हैं निश्चित है कि इन्होंने जिस तरह से कई वर्षों तक कोयला खदानों में काम किया कोयले के उत्पादन को बढ़ाया कोल इंडिया को लाभ की ओर अग्रसर किया उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता आज यहां पर उनके सम्मान में जो कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है निश्चित है कि यह मंच हमें कई बातों को सीखाता है जब हम कोल इंडिया में पदस्थ हुए और इसमें रहकर हमेशा अपनी जिम्मेदारियां को निभाया इतने वर्षों तक इस कंपनी में रहकर हमने काफी कुछ सीखा और कहीं ना कहीं हमें आगे बढ़ाने की इससे प्रेरणा भी मिली आज यहां पर हम देख रहे हैं कि हमारे कर्मचारी सेवानिवृत्त हो रहे हैं वह अपने परिवार के साथ इस कार्यक्रम में शामिल हुए हैं वह उन्हें भी बधाई देते हैं और निश्चित है कि आज यहां पर हम सभी एक साथ एक कार्यक्रम में मौजूद है जो हमें एक अलग ही खुशी देती है।

कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि सेवानिवृत होने के बाद जिन कर्मचारियों को जो पैसा मिलता है वह उसका सही प्रयोग करें क्योंकि वह उनके जीवन भर की पूंजी है जो कि उनके आगे की जीवन में काफी महत्वपूर्ण होगा

बाइक चोरी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

अनूपपुर। भालूमाड़ा पुलिस ने मंगलवार को अज्ञात बाइक चोरी के मामले में आरोपी को 24 घंटे के अंदर गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया है। थाना प्रभारी संजय खलको ने बताया कि फरियादी 50 वर्षीय रामसूरत जायसवाल पिता भैय्यालाल जायसवाल निवासी बीमाग्राम डबल स्टोरी थाना भालूमाड़ा ने 31 मार्च को थाना में रिपोर्ट दर्ज कराया कि 30 मार्च की दोपहर 1.30 बजे अपनी बाइक एमपी 20 एनजे 0637 को अपनी दुकान के सामने खड़ी किया था। जिसे कोई अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर ले गया है। फरियादी की रिपोर्ट पर अज्ञात के खिलाफ धारा 303 (2) बीएनएस कायम कर पता तलास की गई। जिसे पुलिस द्वारा 24 घंटे के अंदर चोरी गई बाइक को आरोपी 22 वर्षीय राजू उर्फ छोटू पिता मुन्ना सिंह गोंड निवासी बनगवां फुनगा के कब्जे से हरद के जंगल में बरामद किया है। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा गया जहां से जेल भेज दिया गया है।

महाराजा निषादराज जयंती पर निकाली गई शोभायात्रा

शहडोल। भगवान निषादराज महाराज की जयंती बुधवार को हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। निषादराज जयंती के अवसर पर समाज के लोगों का रेलवे सब्जी मण्डी में पूजा अर्चना की। इसके बाद रेलवे सब्जी मण्डी से विशाल शोभायात्रा गाजे बाजे के साथ निकाली गई जो मुख्य मार्गो से होती हुई मोहनराम मंदिर पहुंची, जहां रैली का समापन हुआ। यहां के समाज के लोगों ने सभी से एकजुटता से रहने तथा समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने का सभी से आव्हान किया। समाज के लोगों ने कहा कि यदि हम संगठित और शिक्षित होंगे तो निश्चित ही हमारे समाज का भी सर्वांगीर्ण विकास होगा। रैली के दौरान रिंकू बर्मन, अभय माझी, आशुतोष वर्मा, सनी केवट, विक्रम बर्मन, संतोष बर्मन, गगन बर्मन, गुड्डू बर्मन, बाबू केवट, सिद्धू बर्मन, अनिल बर्मन, शनि बर्मन, राजा बर्मन एवं एकलव्य युवा सेना के सदस्य मौजूद रहे।

अनशन

स्वास्थ्य व शिक्षा पर कलेक्टर सख्त, अधिकारियों को व्यवस्थाएं बनाने दिए निर्देश, सीएचसी में ब्लड स्टोरेज, तो स्कूलों में पुस्तक वितरण जल्द कराने की बात

जिले के प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रो को बेहतर बनाएं

विजय मत, अनूपपुर।

हाल के दिनों में कोतमा सीएचसी की अव्यवस्थाओं को लेकर विरोध प्रदर्शन और नागरिकों की नाराजगी पर मंगलवार को कलेक्टर हर्षल पंचोली स्वास्थ्य विभाग के साथ शिक्षा विभाग अधिकारियों पर खासे नाराज दिखे। जहां अधिकारियों की लचरता पर दो टूक कहते हुए जल्द ही व्यवस्थाएं सुधारने के निर्देश दिए। इस दौरान कलेक्टर ने सीएमएचओ डॉ आरके वर्मा को राजेन्द्रग्राम, कोतमा तथा फुनगा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रो में ब्लड स्टोरेज सेंटर प्रारंभ करने के निर्देश दिए। वहीं चिकित्सकों का संलग्नीकरण समाप्त कर जिले के प्राथमिक एवं सामुदायिक

स्वास्थ्य केन्द्रो में पूर्ति करने के निर्देश भी दिए। उनका कहना था कि संलग्नीकरण के कारण सीएचसी सेंटरों में चिकित्सकों की कमी हो गई है और मरीजों की परेशानी बढ़ गई है। साथ ही एमएलसी पोर्टल में एमएलसी संबंधी रिपोर्ट ऑनलाइन दर्ज करने के निर्देश दिए। जबकि जिला अस्पताल में ओपीडी का पंजीयन ऑनलाइन करने निर्देशित किया। उन्होंने जिला अस्पताल में एक्स-रे मशीन के नियमित संचालन, तथा जिला अस्पताल की व्यवस्था को और अधिक दुरुस्त करने के निर्देश देते हुए कहा कि जिले के प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रो को बेहतर बनाया जाए। जिससे लोगों को उनके अपने क्षेत्र में ही चिकित्सा सुविधा प्राप्त हो सके। इससे जिला अस्पताल के ओपीडी का दबाव कम होगा।

समय पर बच्चों के बीच किताबों का हो वितरण

बैठक के दौरान कलेक्टर ने शैक्षणिक सत्र 2025- 26 के ब्रिज कोर्स तथा कौशल विकास प्रशिक्षण के संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए हैं। निःशुल्क साइकिल वितरण की जानकारी लेते हुए निःशुल्क पाठ्य पुस्तक वितरण समय पर करने को कहा। ताकि विद्यार्थियों को किसी तरह की असुविधा का सामना न करना पड़े।

राजधानी में मुस्लिम समाज ने जमकर आतिशबाजी और पटाखे फोड़ कर समर्थन दिखाया

वक्फ बिल पर चंद नेता अपनी राजनीतिक रोटी सेंकने समाज को गुमराह कर रहे : सारंग

विजय मत, भोपाल

केंद्र सरकार ने लोकसभा में बुधवार को वक्फ बोर्ड संशोधन बिल को पेश कर दिया। इसके समर्थन में राजधानी में मुस्लिम समाज ने जमकर आतिशबाजी और पटाखे फोड़ कर समर्थन दिखाया। वक्फ संशोधन बिल को लेकर चर्चाओं के बीच मध्यप्रदेश के सहकारिता और खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि इस बिल का आम मुसलमान से कोई विरोधाभास नहीं है, बल्कि कुछ अमीर मुस्लिम नेता, जो वक्फ बोर्ड की संपत्तियों पर बेजा कब्जा किए बैठे हैं, वही इसका विरोध कर रहे हैं।

मंत्री सारंग ने जनता से अपील करते हुए कहा कि वक्फ संशोधन बिल को लेकर फैलाए जा रहे भ्रम को दूर करना आवश्यक है। यह कानून मुस्लिम समाज को मजबूत करने और उनकी संपत्तियों का सही उपयोग सुनिश्चित करने के लिए लाया गया है।

मुस्लिम समाज ने दिखाया समर्थन, झूठे प्रचार करने वालों को दिया जवाब ... *मंत्री सारंग ने कहा कि भोपाल में हजारों मुस्लिम भाइयों और बहनों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वक्फ संशोधन बिल का खुलकर समर्थन किया है। यह उन नेताओं के लिए करारा तमाचा है, जो इस बिल को लेकर जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह बिल किसी समुदाय के खिलाफ नहीं, बल्कि वक्फ बोर्ड की संपत्तियों के सही उपयोग और आम मुसलमान के हित में लाया गया है।*

वक्फ संपत्तियों पर बेजा कब्जा करने वालों में मचा हड़कंप

मंत्री सारंग ने कहा कि यह बिल केवल उन लोगों के पेट में दर्द पैदा कर रहा है, जिन्होंने अवैध रूप से वक्फ संपत्तियों पर कब्जा कर रखा है। यह आम मुसलमान के खिलाफ नहीं, बल्कि पारदर्शिता लाने और गरीब मुस्लिम समुदाय को इसका सही लाभ दिलाने के लिए बनाया गया है।

राजनीतिक रोटी सेंकने वालों को जनता का करारा तमाचा

उन्होंने कहा कि कुछ नेता अपनी राजनीति चमकाने के लिए इस मुद्दे पर झूठ फैला रहे हैं, लेकिन भोपाल में मुस्लिम समाज द्वारा दिए गए समर्थन ने इस झूठ को बेनकाब कर दिया है। मंत्री सारंग ने जोर देकर कहा कि जो लोग इस बिल को पढ़ेंगे, वे इसका विरोध नहीं करेंगे।

पार्थ योजना और खेलो-बढ़ो अभियान को करें क्रियान्वितः विश्वास

विजय मत, भोपाल

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने पार्थ (पीएआरटीएच) योजना और खेलो-बढ़ो अभियान के सुव्यवस्थित क्रियान्वयन के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये है। उन्होंने कहा है कि पार्थ योजना और खेलो-बढ़ो अभियान के जरिये ज्यादा से ज्यादा खिलाड़ी इससे लाभान्वित हो, इसकी तैयारी की जाये। मंत्री सारंग बुधवार को तात्या टोपे स्टेडियम स्थित मेजर ध्यान चंद हॉल में खेल एवं युवा कल्याण विभाग की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने दोनों योजना और अभियान को मूर्तरूप से धरातल पर उतारने को कहा। उन्होंने कहा कि पायलट प्रोजेक्ट के रूप में 9-10 संभाग में इसको त्वरित गति से अग्रसर किया जाये। इसकी विभाग और शासन स्तर की कार्रवाई पूर्ण करें और इसका व्यापक प्रचार-प्रसार भी किया जाये। मंत्री सारंग ने कहा कि खेलो-बढ़ो अभियान 1 मई से शुरू हो। प्रारंभ में इसके लिये 37 जिले चयनित किये गये है। सोशल मीडिया से भी इसकी जानकारी लोगों तक पहुंचाये, जिससे प्रदेश का टैलेन्ट सामने आये। इसका कैलेण्डर तैयार कर लिया जाये। साथ ही बच्चों के पालकों के साथ भी मोटिवेशन वार्तालाप हो। मंत्री सारंग ने निर्देश दिये कि सितम्बर से खेलो एम.पी. गेम्स की शुरूआत की जाये, जिससे मध्यप्रदेश की टीम तैयार हो और वही नेशनल चैम्पियनशिप में भाग ले।

मंत्री चौहान ने बनासकांठा पहुंच कर घायल श्रमिकों का हाल जाना, बंधाया ढांढस

विजय मत, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री नागर सिंह चौहान ने अधिकारी-कर्मचारियों के साथ देर रात गुजरात के बनासकांठा पहुंचकर मध्यप्रदेश के घायल श्रमिकों एवं उनके परिजन से मुलाकात कर हाल-चाल जाना। मंत्री चौहान ने घायल श्रमिकों के परिजन से बात कर उन्हें ढांढस बंधाया। साथ ही राज्य सरकार के द्वारा घायल मजदूरों के उचित इलाज और प्रभावित परिवारों को हर संभव मदद दिलाने का आश्वासन भी दिया।

मंत्री चौहान ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर गुजरात, बनासकांठा में घटना स्थल पर पहुंचकर स्थानीय प्रशासन से जानकारी प्राप्त की। बनासकांठा जिले के डीसा अस्पताल पहुंचकर घायल श्रमिकों के इलाज के लिये उचित प्रबंध के निर्देश दिए। साथ ही घटना के दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई के निर्देश भी दिए। मंत्री चौहान ने कहा कि स्थानीय प्रशासन दोषियों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई भी करेगा।

मंत्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हादसे में मृतक एवं घायल श्रमिकों को आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। मध्यप्रदेश सरकार ने पटाखा फैक्ट्री हादसे में घायल मृतकों के परिजनों को रुपये 2-2 लाख तथा घायल श्रमिकों को 50-50 हजार रूपये और गुजरात सरकार ने मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपये एवं घायल श्रमिकों को 50-50 हजार रुपये आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है।

न्यूज इन शॉर्ट

मृतकों की पार्थिव देह जल्द ही उनके घर पहुंचायी जाएंगी: मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि गुजरात के बनासकांठा स्थित पटाखा फैक्ट्री दुर्घटना अत्यंत दुःखद और कष्टदायी है। राज्य सरकार पूरी सक्रियता एवं तत्परता के साथ मुश्किल घड़ी में पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है। पीड़ितों की सहायता के लिए राज्य सरकार की ओर से अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री नागर सिंह चौहान सहित पुलिस और प्रशासन के अधिकारी भी दुर्घटनास्थल पर पहुंचे हैं। मृतकों की पार्थिव देह उनके गृहग्राम एवं परिजन तक पहुंचाने की सभी जरूरी व्यवस्थाएं तेजी से की जा रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को मीडिया को जारी संदेश में सभी मृतकों के परिजन के प्रति अपनी शोक संवेदनाएं व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष से हादसे का शिकार हुए सभी मृतकों के परिजन को 2-2 लाख रुपए तथा घायल श्रमिकों को 50-50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता राशि दी जायेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने काम के सिलसिले में राज्य की सीमा से बाहर जाने वाले सभी श्रमिकों से अपने काम के दौरान पूरी सतर्कता बरतने एवं खुद की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखने की अपील भी की है।

उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने गुजरात के बनासकांठा स्थित पटाखा फैक्ट्री में हुए विस्फोट पर गहन शोक व्यक्त किया

भोपाल। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने गुजरात के बनासकांठा जिले में स्थित पटाखा फैक्ट्री में हुई दुर्घटना पर गहन शोक व्यक्त किया है। उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने कहा कि दुर्घटना में मध्यप्रदेश के कई श्रमिकों की मृत्यु तथा कुछ श्रमिकों के गंभीर रूप से घायल होने की घटना अत्यंत दुःखद एवं हृदयविदारक है। उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने बाबा महाकाल से प्रार्थना की है कि दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें, घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें एवं शोकाकुल परिवारों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति दें। उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने कहा कि इस विकट घड़ी में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार गुजरात सरकार के साथ निरंतर संपर्क में है। प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। घायलों के समुचित उपचार एवं मृतकों के परिजनों की हरसंभव सहायता के लिये हमारी सरकार पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है।

भोपाल में भिक्षावृत्ति पर लगेगा स्मार्ट निगरानी का पहरा, स्मार्ट सिटी कैमरों से होगी निगरानी, देने-लेने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

भोपाल। भोपाल जिले में भिक्षावृत्ति पर लगाम लगाने के लिए प्रशासन ने सख्त कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। कलेक्टर श्री कौशलेंद्र विक्रम सिंह के निर्देशन में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के अंतर्गत जिले की समस्त राजस्व सीमा क्षेत्र में भिक्षावृत्ति पूर्ण रूप से प्रतिबंधित की गई है। भिक्षावृत्ति के मामलों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए बैठक आयोजित की गई जिसकी अध्यक्षता जिला पंचायत सीईओ श्रीमती इला तिवारी ने की। बैठक में निर्णय लिया गया कि भोपाल स्मार्ट सिटी के ट्रैफिक सिग्नलों पर लगे कैमरों की मदद से भिक्षा देने और लेने वाले लोगों की पहचान की जाएगी और उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही सभी ट्रैफिक सिग्नलों पर ऑडियो-वीडियो विजुअल्स के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाया जाएगा, जिसमें कलेक्टर एवं पुलिस आयुक्त भोपाल का संदेश प्रसारित किया जाएगा। नगर निगम भोपाल की कचरा संग्रहण गाड़ियों पर भी भिक्षावृत्ति उन्मूलन संबंधी संदेश चलाए जाएंगे ताकि आम नागरिकों में यह समझ बढ़े कि भिक्षावृत्ति एक सामाजिक बुराई और अपराध है, जिसकी आड़ में कई बार नशा, असामाजिक और आपराधिक गतिविधियां पनपती हैं। भिक्षावृत्ति पर रोक लगाने के लिए एसडीएम की मॉनीटरिंग में सामाजिक न्याय विभाग, महिला एवं बाल विकास, श्रम, नगर निगम और पुलिस विभाग के संयुक्त दल बनाये गये है जो औचक कार्यवाहियां करेंगे। साथ ही शांति समिति की बैठक में धर्मगुरुओं के माध्यम से भी समाज में जागरूकता का संदेश फैलाया जाएगा। सामाजिक न्याय विभाग जिले के सभी अनुविभागीय क्षेत्रों में कार्यदल गठित करेगा जो इस अभियान को जमीनी स्तर पर क्रियान्वित करेंगे। बैठक में जिले के सभी एसडीएम, पुलिस अधिकारी, संबंधित विभागों के अधिकारी एवं सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

गेहूँ उपार्जन के लिये किसान अब 9 तक करा सकते हैं पंजीयनः राजपूत

विजय मत, भोपाल

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि किसानों के हित में रबी विपणन वर्ष 2025-26 में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के लिये पंजीयन की अवधि 9 अप्रैल तक बढ़ा दी गई है। पूर्व में पंजीयन की अवधि 31 मार्च 2025 तक निर्धारित की गई थी।

मंत्री राजपूत ने किसानों से आग्रह किया है कि जिन किसानों ने अभी तक पंजीयन नहीं करवाया है, वे 9 अप्रैल तक गेहूँ उपार्जन के लिये पंजीयन जरूर करायें। गेहूँ का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2425 रूपये है और राज्य सरकार द्वारा 175 रूपये प्रति क्विंटल बोनस दिया जा रहा है। इस तरह से गेहूँ की खरीदी 2600 रूपये प्रति क्विंटल की दर से की जा रही है। उल्लेखनीय है कि गेहूँ उपार्जन के लिये 31 मार्च तक 15 लाख 9 हजार 324 किसान पंजीयन करा चुके हैं। गेहूँ का उपार्जन भी जारी है।

सभी इमरजेंसी सेवा के लिए सिर्फ एक नंबर- डायल 112

कॉल करते ही मिलेगी मदद, बनेगा कॉमन हेल्पलाइन का डैशबोर्ड

भोपाल। मध्य प्रदेश में 12 अलग-अलग इमरजेंसी हेल्पलाइन नंबरों को अब एक ही नंबर 112 से जोड़ा जाएगा। यह काम केंद्र सरकार के निर्देश पर किया जा रहा है। इसके लिए एक कॉमन डैशबोर्ड बनाया जायेगा। इसमें सभी 12 हेल्पलाइन से जुड़ी इमरजेंसी कॉल आएंगी। हालांकि कॉल उसी विभाग को भेजी जाएगी, जो मदद करेगा। बता दें कि मंगलवार को इस विषय को लेकर गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में मंत्रालय में बैठक हुई। बैठक में यह भी तय हुआ कि मई में भोपाल में एक बड़ा सेमिनार होगा। इसमें 112 हेल्पलाइन को अंतिम रूप दिया जाएगा। वहीं प्रदेश में चल रही चार तरह की एम्बुलेंस सेवाएं भी 112 नंबर से जोड़ी जाएंगी। वहीं डायल 100 , एम्बुलेंस, महिला हेल्पलाइन, चाइल्डलाइन सहित तमाम हेल्पलाइन 112 में मर्ज होंगी।

मप्र कर्मचारी मंच ने उद्यानिकी मंत्री को सौंपा तीन सूत्रीय ज्ञापन

भोपाल। मप्र कर्मचारी मंच के प्रांताध्यक्ष अशोक पांडे ने उद्यानिकी विभाग के स्थाई कर्मी एवं दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों की प्रमुख तीन सूत्रीय मांगों का ज्ञापन उद्यानिकी विभाग के मंत्री नारायण सिंह कुशवाहा को सौंपा। मंत्री ने आश्वासन दिया है कि मांगों का शासन स्तर से निराकरण करने की कार्यवाही की जाएगी। मप्र कर्मचारी मंच के प्रांताध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि उद्यानिकी मंत्री को उद्यानिकी विभाग के स्थाई कर्मी एवं दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों की प्रमुख मांगों- स्थाई कर्मियों को सातवें वेतनमान का लाभ दिया जाए, स्थाई कर्मी को 10 लाख रुपए की ग्रेजुएटी का भुगतान किया जाए एवं 10 साल की सेवा पूर्ण कर चुके दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को स्थाई कर्मी योजना का लाभ दिया जाए का ज्ञापन सौंपा गया है।

भोपाल, इंदौर और जबलपुर संभाग में बारिश का अलर्ट, दिन-रात का तापमान गिरा

विजय मत, भोपाल

मध्य प्रदेश में पिछले 24 घंटे से मौसम बदला हुआ है। हवाओं के साथ नमी आने के कारण प्रदेश के दक्षिणी क्षेत्र में बादल बने हुए हैं। इसके साथ ही गरज-चमक के साथ कहीं-कहीं बूंदाबांदी भी हो रही है। हवाओं की रफ्तार भी तेज बनी हुई है। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक बुधवार-गुरुवार को नर्मदापुरम, इंदौर, जबलपुर और भोपाल संभाग के जिलों में कहीं-कहीं बारिश हो सकती है। लगातार मौसम में हो रहे बदलाव के कारण प्रदेश के दिन और रात के तापमान में गिरावट आई है। एक दिन पहले प्रदेश के तापमान में में सात डिग्री से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई। सबसे ज्यादा गिरावट सिवनी जिले में देखने को मिली, यहां का अधिकतम तापमान 7-8 डिग्री गिर कर 30.2 डिग्री दर्ज किया गया। इसी प्रकार मलाजखंड में 5.3 डिग्री की गिरावट देखी गई।

बादल बने रहने के कारण रात के तापमान में कमी दर्ज की गई है। सबसे कम 12.6 डिग्री सेल्सियस तापमान सीधी में दर्ज किया गया। हिल स्टेशन पचमढ़ी में रात का पारा 20.6 डिग्री सेल्सियस पर रहा। दिन का सबसे अधिक 39.8 डिग्री सेल्सियस तापमान धार में रिकार्ड हुआ।

मौसम विभाग के सीनियर वैज्ञानिक वेद प्रकाश ने बताया कि वर्तमान में मध्य महाराष्ट्र और उसके आसपास हवा के ऊपरी भाग में चक्रवात बना हुआ है। दक्षिणी छत्तीसगढ़ से लेकर मध्य महाराष्ट्र तक एक द्रोणिका बनी हुई है। मध्य महाराष्ट्र पर बने चक्रवात से लेकर कर्नाटक और तमिलनाडु तक भी एक द्रोणिका बनी है। इन मौसम प्रणालियों के प्रभाव से हवाओं के साथ नमी आने से बादल बने हुए हैं। दक्षिणी मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं बूंदाबांदी भी हो रही है।

राष्ट्रीय राजमार्गों के विस्तार से मध्यप्रदेश को मिलेगी रफ्तार

4,302.87 करोड़ लागत की 4 सड़क परियोजनाओं को मिली स्वीकृति

विजय मत, भोपाल

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने कहा है कि प्रदेश को 4,302.87 करोड़ रुपये लागत की 4 महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं की केन्द्र सरकार से स्वीकृति मिलने से मध्यप्रदेश में विकास की रफ्तार तेज होगी। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के प्रति आभार व्यक्त किया है।

मंत्री सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय मंत्री गडकरी के मार्गदर्शन में देश का अधोसंरचना क्षेत्र अभूतपूर्व प्रगति कर रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में विकास यात्रा की गति और तेज हो रही है। भोपाल जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-146बी के संदलपुर से नसरुल्लागंज बायपास तक के 43.200 किलोमीटर लंबे खंड को 1535.66 करोड़ रुपये की लागत से 4 लेन में परिवर्तित करने की स्वीकृति प्रदान की गई है। यह खंड एक महत्वपूर्ण धमनी मार्ग के रूप में कार्य करता है, जो राष्ट्रीय राजमार्ग-47, राष्ट्रीय राजमार्ग-46 और राष्ट्रीय राजमार्ग-45 को आपस में जोड़ता है। यह क्षेत्र अत्यधिक भीड़-भाड़ वाला है, जिसे पेव्ड शोल्डर सहित 4 लेन किए जाने से यातायात की समग्र दक्षता में सुधार होगा। मालवाहन और आमजन के लिए यह मार्ग अब और भी सुचारू, सुरक्षित और समय बचाने वाला होगा।

नीमच में 13 को राज्य स्तरीय सहकारी दुग्ध उत्पादक सम्मेलन, अमित शाह शामिल होंगे

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को समत्व भवन में 13 अप्रैल को नीमच में होने वाले राज्य स्तरीय सहकारी दुग्ध उत्पादक सम्मेलन की तैयारियों की समीक्षा बैठक की। इस सम्मेलन में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह मुख्य अतिथि होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश को दुग्ध उत्पादन में अग्रणी बनाने के लिए सहकारिता का विस्तार करना आवश्यक है और इसके लिए गांव-गांव में दुग्ध उत्पादक समितियों और संघों को जोड़कर उन्हें प्रोत्साहित किया जाएगा। बैठक में मुख्यमंत्री ने दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में जैविक उत्पादों और गौवंश जनित उत्पादों को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया।

पोषण भी, पढ़ाई भीः आंगनवाड़ी केंद्रों में समग्र विकास की नई दिशा

विजय मत, भोपाल

बाल्यावस्था केवल खेल-कूद और मस्ती का समय नहीं है, बल्कि यह जीवन की आधारशिला रखने वाला महत्वपूर्ण दौर भी है। गर्भधारण से लेकर छह वर्ष की आयु तक का समय बच्चे के मानसिक, शारीरिक और सामाजिक विकास के लिए बेहद अहम होता है। विशेष रूप से पहले 1000 दिन, गर्भ के नौ महीने और जन्म के बाद के दो साल, बच्चे के भविष्य की नींव मजबूत करने में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। इस दौरान सही पोषण के साथ-साथ संज्ञानात्मक विकास के अवसर भी उतने ही आवश्यक होते हैं।

संयुक्त परिवारों की घटती संख्या और बदलते सामाजिक परिवेश के कारण अब घर में बच्चों को पारंपरिक रूप से मिलने वाला सहज शिक्षण प्रभावित हो रहा है। इसी कमी को पूरा करने के लिए आंगनवाड़ी केंद्रों को सशक्त बनाया जा रहा है, जहां गर्भवती महिलाओं, शिशुवती माताओं और छह वर्ष तक के बच्चों को पोषण आहार के साथ-साथ प्रारंभिक शिक्षा दी जाती है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का मानना है कि बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिये न सिर्फ माता-पिता की बल्कि समाज की भागीदारी भी आवश्यक है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सक्षम आंगनवाड़ी की पोषण भी, पढ़ाई भी अभियान की शुरूआत 10 मई 2023 को की गई थी। इसका उद्देश्य प्रारंभिक बाल्यवस्था में देखभाल और शिक्षा पर आंगनवाड़ी प्रणाली का ध्यान केन्द्रित करना है। साथ ही आंगनवाड़ी केन्द्र को उच्च गुणवत्ता वाली बुनियादी सुविधाओं खेल के उपकरण और विधिवत प्रशिक्षित आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के साथ एक शिक्षण केन्द्र में परिवर्तित करना भी इसका उद्देश्य है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव मानते है कि अच्छा पोषण न केवल शारीरिक वृद्धि बल्कि मानसिक विकास और सीखने की क्षमता को भी बढ़ावा देता है।

खास-खबर भोपाल हाट बाजार में मिलेट दीदी कैफे और विकास भवन में दीदी कैफे का किया शुभारंभ

दीदी कैफे से ग्रामीण महिलाओं की आय में वृद्धि के साथ बढ़ रही है सामाजिक प्रतिष्ठा : पटेल

विजय मत, भोपाल

पंचायत एवं ग्रामीण विकास, श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सपना स्व-सहायता समूहों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को आत्म-निर्भर एवं स्वावलंबी बनाना है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा संचालित आजीविका स्वाद संगम (दीदी कैफे) ग्रामीण महिलाओं की आय में वृद्धि करने का साधन बन रहे हैं। मंत्री पटेल ने कहा कि स्व-सहायता समूह न केवल ग्रामीण महिलाओं की आर्थिक स्थिति को बेहतर कर रहे हैं बल्कि उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा को भी बढ़ा रहे हैं। मंत्री पटेल ने बुधवार को विकास भवन एवं भोपाल हाट बाजार ने समूहों द्वारा संचालित आजीविका स्वाद संगम (दीदी कैफे) का शुभारंभ किया। इस अवसर पर प्रमुख सचिव श्रीमती दीपाली रस्तोगी, सीईओ एसआरएलएम श्रीमती हर्षिका सिंह, सीईओ आरआरडीए दीपक आर्य, आयुक्त मनरेगा अवि प्रसाद सहित अधिकारी-कर्मचारी और स्व-सहायता समूहों की महिलाएं उपस्थित रही।

मंत्री पटेल ने कहा कि शास्त्रों एवं परंपरागत ज्ञान में उल्लेख है कि भोजन में स्वाद भोजन सामग्री के साथ ही बनाने वाले के भाव का भी होता है। दीदी कैफे में भोजन स्वादिष्ट है क्योंकि इसे तैयार करने वाली महिलाओं का अपनापन इसमें शामिल है। उन्होंने भोपाल हाट बाजार में मिलेट से तैयार व्यंजनो के लिए कैफे स्थापित करने की पहल की सराहना की। उन्होंने दोनों कैफे का अवलोकन कर व्यवस्थाएं देखी। उन्होंने समूह की महिलाओं से संवाद कर उनका उत्साहवर्धन किया। मंत्री पटेल ने कैफे में सफाई व्यवस्था एवं कचरा प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। विकास भवन स्थित कैफे का संचालन संगम सीएलएफ के आठ समूह सदस्यों एवं हाट बाजार मिलेट कैफे का संचालन उड़ान सीएलएफ की पांच समूह सदस्यों द्वारा किया जा रहा है। आजीविका स्वाद संगम (दीदी कैफे) मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के क्लस्टर डवलपमेंट के तहत एक पहल है, जिसमें स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को प्रशिक्षित किया जाता है और उन्हें तकनीकी समर्थन एवं वित्तीय सहयोग प्रदान किया जाता है।

इससे वे स्वयं के द्वारा संचालित कैन्टीन, केटरिंग ऑपरेशन, ÷कियोस्क और फूड ट्रक जैसे खाद्य आधारित उद्यम स्थापित कर सकें। राज्य में आजीविका स्वाद संगम के विभिन्न खाद्य उद्यम स्थापित किए गए हैं जिसमें, स्व-सहायता समूह की प्रशिक्षण प्राप्त उद्यमी अपने स्वाद के आधार पर आजीविका के नये आयाम विकसित कर रही हैं।

सौरभ शर्मा को जमानत लोकायुक्त की नाकामी का प्रमाण लोकायुक्त अब पहरेदार नहीं, हिस्सेदार हैः मुकेश नायक

विजय मत, भोपाल

मध्यप्रदेश में सौरभ शर्मा मामला लोकायुक्त और सरकार की मिलीभगत का ताजा उदाहरण बनकर सामने आया है। पूर्व परिवहन आरक्षक सौरभ शर्मा, जिसके पास से करोड़ों रुपये की अघोषित संपत्ति, 52 किलोग्राम सोना और 11 करोड़ से अधिक की नकदी बरामद हुई थी, को लोकायुक्त पुलिस की घोर लापरवाही के चलते विशेष लोकायुक्त अदालत से जमानत मिल गई। निर्धारित 60 दिनों में चालान पेश न कर पाने की यह नाकामी कोई संयोग नहीं, बल्कि एक सुनियोजित साजिश का हिस्सा प्रतीत होती है। इस पूरे प्रकरण में लोकायुक्त की संदिग्ध भूमिका और सरकार की चुप्पी जनता के सामने सच्चाई को उजागर कर रही है। इस हाईप्रोफ़ाइल मामले की जांच के दौरान लोकायुक्त निदेशक जयदीप प्रसाद का अचानक ट्रांसफर इस बात का पुख्ता प्रमाण है कि सरकार इस मामले को दबाने में जुटी है। जयदीप प्रसाद, जिन्होंने सौरभ शर्मा के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज कर छापेमारी की थी, को हटाना स्पष्ट करता है कि बड़े रसूखदारों को बचाने के लिए सरकार किसी भी हद तक जा सकती है। लेकिन यह कोई पहला मामला नहीं है। मध्यप्रदेश में लोकायुक्त और सरकार की मिलीभगत से भ्रष्टाचारियों को संरक्षण देने का सिलसिला लंबे समय से जारी है। जहां लोकायुक्त अधिकांश मामलों में भ्रष्टाचारियों को बचाने का काम करती है, वहीं कार्रवाई की इच्छा होने पर भी सरकार अभियोजन की अनुमति रोककर अपराधियों की ढाल बन जाती है। लोकायुक्त की कार्यप्रणाली अब एक निकम्मी और नकारा संस्था की हो चुकी है। यह पहरेदार की जगह हिस्सेदार की भूमिका में काम कर रही है। सौरभ शर्मा जैसे हाई-प्रोफाइल मामले में इसकी नाकामी ने साबित कर दिया कि लोकायुक्त पुलिस अपनी प्रासंगिकता खो चुकी है।

श्रेयस सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले कप्तानों की सूची में सातवें नंबर पर पहुंचे

मुम्बई, एजेंसी

बल्लेबाज श्रेयस अय्यर आजकल अच्छे दौर से गुजर रहे हैं। एक और जहां उनका बल्ला जमकर चल रहा है। वहीं उनकी कप्तानी में पंजाब किंग्स टीम लगातार जीत दर्ज करती जा रही है। इस सत्र के लिए उन्हें मेगा नीलामी में पंजाब ने आईपीएल इतिहास की दूसरी सबसे मोटी बोली लगाकर खरीदा था जिससे उन्होंने सही साबित किया है। सत्र के आगे बढ़ने के साथ ही उनके नाम कई रिकॉर्ड बनते जा रहे हैं। वह इस बार लंबे छक्के लगाकर भी सबकी नजरों में आये हैं।

आईपीएल इतिहास में कई कप्तान ऐसे हुए है जो लंबे छक्के लगाते हैं। इन्हीं में अब श्रेयस अय्यर का नाम भी जुड़ गया है। पहले दो मैचों में 2 अर्धशतकीय पारी खेलने वाले अय्यर ने अब तक 13 छक्के लगाये हैं। इस प्रकार कप्तान के तौर पर सबसे ज्यादा छक्के लगाने की सूची में श्रेयस अब 83 छक्कों के सात सातवें नंबर पर आ गये हैं। अय्यर ने आईपीएल में बतौर कप्तान सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में भी एडम गिलक्रिस्ट को पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने अपने तीसरे मैच में 4 छक्के लगाकर अपने कुल आईपीएल छक्कों की संख्या 83 तक पहुंचा दी, जबकि गिलक्रिस्ट के नाम 79 छक्के दर्ज थे। आईपीएल में सबसे ज्यादा 218 छक्के कप्तान के तौर पर महेन्द्र सिंह धोनी के नाम हैं।

लखनऊ सुपर जॉयंट्स के खिलाफ श्रेयस अय्यर ने अपनी कप्तानी से न केवल टीम को जीत दिलाई बल्कि आईपीएल इतिहास में दो बड़े रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिए। उन्होंने कप्तान के तौर पर लगातार सबसे ज्यादा मैच जीतने के मामले में महेन्द्र सिंह धोनी को पीछे छोड़ दिया। अय्यर की कप्तानी में यह लगातार 8वीं जीत थी, जबकि धोनी ने 2013 में लगातार 7 मुकाबले जीते थे। इस उपलब्धि के साथ अय्यर ने शेन वॉर्न की बराबरी कर ली, जिन्होंने 2008 में राजस्थान रॉयल्स के लिए लगातार 8 मैच जीते थे। वहीं आईपीएल में लगातार सबसे ज्यादाज्यादा मैच जीतने वाले कप्तानों में वह गौत गंभीर 10 , शेन वार्न 8 के बाद तीसरे नंबर पर हैं। श्रेयस की कप्तानी में टीम

प्रीमियर लीग फुटबॉल

नौटिंघम में प्रीमियर लीग फुटबॉल में खेलते हुए नौटिंघम और मैनचेस्टर के फुटबॉलर।

यशस्वी अब गोवा की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलेंगे

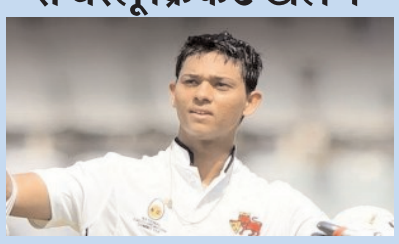

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने कहा है कि अब वह मुम्बई की जगह पर गोवा से घरेलू क्रिकेट में खेलेंगे। इस युवा बल्लेबाज ने इसी कारण मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) से एनओसी मांगी है। एक रिपोर्ट के अनुसार, 'एमसीए ने भी माना है कि यशस्वी ने एनओसी मांगी है और कहा है कि वह निजी कारणों से जाना चाहते हैं।' इस युवा क्रिकेटर के लिए यह एक बड़ा कदम होगा, खासकर तब जब गोवा ने नॉक-आउट राउंड के लिए क्वालीफाई किया है। इससे पहले मुम्बई छोड़कर अर्जुन तेंदुलकर और सिद्धेश लाड भी गोवा से खेलने लगे थे। पिछले सीजन में जायसवाल मुंबई के लिए खेले थे, जब भारतीय बोर्ड ने खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय मैच न होने की स्थिति में घरेलू मैच खेलने को कहा था। तब उन्होंने जम्मू और कश्मीर के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मैच में मुंबई का प्रतिनिधित्व किया, जहां उन्होंने 4 और 26 रन बनाए। इस साल की शुरुआत में चैंपियंस ट्रॉफी में यशस्वी भारतीय टीम

सनराइजर्स के खिलाफ मुकाबले में जीत की राह पर लौटने उतरेगी केकेआर

कोलकाता, एजेंसी

शाम 7:30 बजे से होगा मैच

आईपीएल में गुरुवार को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का मुकाबला सनराइजर्स हैदराबाद से होगा। केकेआर का लक्ष्य अपने घरेलू मैदान पर होने वाले इस मैच में जीत के साथ ही लय हासिल करना करेगा। इस सत्र में नये कप्तान अजिंक्य रहाणे के साथ उतरी केकेआर का प्रदर्शन अब तक अच्छा नहीं रहा है और उसे तीन में से दो मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। रहाणे ने सत्र के पहले मैच में मिली हार के बाद कहा था कि अभी घबराने की कोई जरूरत नहीं है पर तीन मैचों में दो मैच हारने के बाद अब टीम दबाव में नजर आ रही है। इस मैच में माना जा रहा है कि स्पिनरों के अनुकूल पिच रहेगी जिसपर केकेआर के सुनील नरेन, मोईन अली और वरूण चक्रवर्ती प्रभावी हो कसते हैं। वरुण ने चैम्पियंस ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन किया था पर आईपीएल में अभी तक वह प्रभावित नहीं कर पाये हैं। ऐसे में उनका लक्ष्य इस मैच में बेहतर प्रदर्शन रहेगा। केकेआर के टीम संयोजन को लेकर भी काफी सवाल उठ रहे हैं। उनकी गेंदबाजी और बल्लेबाजी में समन्वय नहीं दिखता। अनुभवी बल्लेबाज रन बनाने में विफल रहे हैं। टीम में शामिल नये गेंदबाज स्पेंसर जॉनसन अब तक प्रभावित नहीं कर सके हैं जबकि एनरिच नॉर्किया चोट के कारण बाहर हैं। बड़ी कीमत परखरीदे गए वेंकटेश अय्यर भी दो मैचों में 9 रन ही बना सके हैं। रिटेन किये गए खिलाड़ियों में रिंकू सिंह, आंद्रे रसेल, सुनील नारायण, हर्षित राणा और रमनदीप सिंह फॉर्म में नहीं हैं। टीम को अगर इस मैच में जीत दर्ज करनी है तो इन सभी खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। वहीं दूसरी ओर सनराइजर्स की भी राह आसान नहीं है। पहले मैच में छह विकेट पर 286 रन बनाने वाली सनराइजर्स पिछले दो मैचों में बल्लेबाजों के असफल होने से 200 रन भी नहीं बना पाई है। बेहद आक्रामक बल्लेबाजी की रणनीति नुकसान देह रही है। उसे पिछले दो मैचों में लखनऊ सुपर जाइंट्स और दिल्ली कैपिटल्स के हाथों हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में इस मैच में जीत के लिए कप्तान पैट कमिंस कोई कमी नहीं रखना चाहेंगे। टीम को हालांकि जीत के लिए पूरी ताकत लगानी होगी।

दोनों ही टीमों की अंतिम ग्यारह इस प्रकार हैं

सनराइजर्स हैदराबाद-पैट कमिंस (कप्तान), ट्रैविस हेड, अभिषेक शर्मा, ईशान किशन, नितीश कुमार रेड्डी, हेनरिक क्लासेन (विकेटकीपर), अनिकेत वर्मा, अभिनव मनोहर, जीशान अंसारी, हर्षल पटेल, मोहम्मद शमी, वियान मुल्डर।

कोलकाता नाइट राइडर्स-अजिंक्य रहाणे (कप्तान), सुनील नरेन, क्विंटन डी कॉक (विकेटकीपर), वेंकटेश अय्यर, अंगकृष रघुवंशी, रिंकू सिंह, आंद्रे रसेल, रमनदीप सिंह, स्पेंसर जॉनसन, हर्षित राणा, वरुण चक्रवर्ती, मनीष पांडे।

अब चेन्नई में होने वाले छह मैचों में ही नजर आयेंगे धोनी: फ्लेमिंग

नई दिल्ली, एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में इस बार चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है और उसे एक ही मैच में जीत मिली है। टीम के मुख्य बल्लेबाज महेन्द्र सिंह धोनी भी लय में नहीं दिखते और निचले क्रम पर बल्लेबाजी के लिए उतरते हैं। इसी को लेकर अब टीम के कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने अहम खुलासा किया है। फ्लेमिंग ने कहा है कि फ्लेमिंग की फिटनेस अब पहले की तरह नहीं है और उनपर अधिक बोझ नहीं डाला जा सकता। इसलिए वह सत्र में केवल 6 मैच ही खेल सकेंगे। ये मैच चेन्नई में ही खेले जाएंगे। वहीं अन्य स्थानों पर होने वाले मैचों के लिए उन्हें शामिल नहीं किया जाएगा।

फ्लेमिंग ने यह भी कहा कि धोनी के घुटने में समस्या है, जिससे वह पूरे 10 ओवर तक बल्लेबाजी नहीं कर सकते। इसलिए उन्हें दूसरे बल्लेबाजों का सहयोग करने के लिए भेजा जाएगा। ऐसे में उन्हें 9वें या 10वें ओवर में बल्लेबाजी के लिए नहीं भेजा जा सकता। फ्लेमिंग ने हालांकि धोनी की नेतृत्व क्षमता और विकेटकीपिंग की जमकर प्रशंसा की है। कोच के इस बयान से साफ है कि धोनी की भूमिका अब सीमिल हो गयी है। धोनी इस सत्र में चेन्नई में होने वाले 6 मैचों में ही खेल पाएंगे, क्योंकि बचे हुए मैच दूसरी जगहों पर खेले जाएंगे। इससे साफ है कि धोनी अब बड़ी भूमिका में नहीं दिखेंगे।

बिजनेस

सेंसेक्स 592 अंक चढ़कर 76,617 पर बंद निफ्टी भी 166 अंक बढ़ा, 23332 पर पहुंचा

मुंबई, एजेंसी

रियल्टी और आइटी शेयर्स चढ़े

शेयर बाजार में आज यानी 2 अप्रैल को बढ़त रही। सेंसेक्स 592 अंक चढ़कर 76,617 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में 166 अंक की बढ़त रही, ये 23,332 के स्तर पर बंद हुआ। आज सबसे ज्यादा तेजी रियल्टी सेक्टर में रही। निफ्टी रियल्टी इंडेक्स 3.61 प्रतिशत चढ़ा। वहीं कंज्यूमर ड्यूरेबल्स में 2.51 प्रतिशत की तेजी रही। IT, FMCG, मेटल और फार्मा इंडेक्स में करीब 1 प्रतिशत की बढ़त रही। एशियाई बाजारों में जापान के निक्केई में 0.28 प्रतिशत और चीन के शंघाई कम्पोजिट में 0.05 प्रतिशत की तेजी रही। वहीं हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स 0.019 प्रतिशत गिरकर बंद हुआ। 1 अप्रैल को अमेरिका का डाओ जोंस 0.028 प्रतिशत गिरकर 41,989 पर बंद हुआ। नैस्डेक कंपोजिट में 0.87 प्रतिशत की तेजी रही जबकि S&P 500 इंडेक्स 0.38 प्रतिशत चढ़कर बंद हुआ। 1 अप्रैल को विदेशी निवेशकों ने 5,901 करोड़ रुपए के शेयर बेचे। वहीं, घरेलू निवेशकों ने 4,322 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे। आनंद राठी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकर्स लिमिटेड जल्द ही अपना IPO आएगी। कंपनी ने मंगलवार को मार्केट रेगुलेटर SEBI के पास IPO पेपर्स दोबारा फाइल किए हैं। इस IPO का इश्यू साइज 745 करोड़ रुपए है।

गोल्डमैन सैक्स ने टाटा कंज्यूमर के शेयर की रेटिंग को 'बाय' में अपग्रेड किया है। टारगेट 1,040 से बढ़ाकर 1,200 कर दिया है। इसके बाद आज शेयर में 6.91 प्रतिशत चढ़कर 1,060 रुपए के पार पहुंच गया है।

कल यानी 1 अप्रैल को शेयर बाजार में गिरावट रही थी। सेंसेक्स 1390 अंक (करीब 1.80 प्रतिशत) गिरकर 76,024 के स्तर पर बंद हुआ था। यह इस साल की दूसरी सबसे बड़ी गिरावट है। इससे पहले सेंसेक्स में 28 फरवरी को 1414 (1.90 प्रतिशत) अंक की गिरावट रही थी। निफ्टी में भी करीब 353 अंक (करीब 1.50 प्रतिशत) की गिरावट रही, ये 23,165 के स्तर पर बंद हुआ।

पीएलआई योजना: सरकार कंप्यूटर और सर्वर के आयात से हटाएगी प्रतिबंध

नई दिल्ली। अगर कंपनियां उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत देसी उत्पादन के वादे पर कायम रहती हैं तो सरकार लैपटॉप, ऑल-इन-वन पर्सनल कंप्यूटर, टैबलेट, अल्ट्रा-स्मॉल फॉर्म फैक्टर कंप्यूटर और सर्वर के आयात पर सभी संभावित प्रतिबंधों को खत्म करने के लिए तैयार है।

मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों ने जानकारी दी कि सभी प्रमुख लैपटॉप, सूचना प्रौद्योगिकी हार्डवेयर डिवाइस एवं पुर्जा विनिर्माताओं ने आज से शुरू नए वित्त वर्ष में घरेलू मूल्यवर्धन को बेहतर करने के लिए अपनी योजनाएं इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के साथ साझा की हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इन योजनाओं में स्थानीय उत्पादन बढ़ाना और प्रिंटेड सर्किट बोर्ड, लैपटॉप केसिंग, स्पीकर, माइक्रोफोन, डिस्प्ले आदि इलेक्ट्रॉनिक्स पुर्जों की सोर्सिंग करना शामिल है।

उन्होंने कहा कि जाहिर तौर पर साल के मध्य में उसकी समीक्षा की जाएगी और ऑडिट किए जाएंगे। इन सभी कंपनियों ने अपनी योजनाओं और समय-सीमाओं के बारे में जानकारी दी है। हम इसे एक संतुलित तरीके से आगे बढ़ाना चाहते हैं और प्रतिबंधों को पूरी तरह हटाने पर विचार करने को तैयार हैं। अगर ये कंपनियां अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में असमर्थ हैं तो फिर कारणों पर गौर किया जाएगा और समझने की कोशिश करेंगे कि उसमें सरकार क्या कर सकती है।

बैंकों ने बदले नियम, अब एटीएम से पैसा निकालने पर लगेगा अतिरिक्त शुल्क

नई दिल्ली, एजेंसी

एसबीआई, पीएनबी, आईसीआईसीआई और एचडीएफसी बैंक के ग्राहकों को अब इन बैंकों के एटीएम से पैसे निकालने पर ग्राहकों को अतिरिक्त शुल्क देना पड़ेगा। इन बैंकों ने अपनी एटीएम सर्विसेज पर चार्ज को बढ़ा दिया है, जिससे ग्राहकों को हर माह तय सीमा से ज्यादा ट्रांजैक्शन करने पर अतिरिक्त शुल्क चुकाना होगा। बैंकों के ज्यादातर डेबिट कार्ड ग्राहकों को मुफ्त दिए जाते हैं, लेकिन कुछ मामलों में जॉइनिंग फीस, वार्षिक शुल्क और रिप्लेसमेंट चार्ज वसूला किया जाता है।

एसबीआई कुछ डेबिट कार्ड्स पर 300 तक जॉइनिंग फीस और 125 से 350 तक सालाना शुल्क लेता है। अगर कार्ड खो जाता है या बदलवाना हो, तो 300 का चार्ज देना होता है। वहीं पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) कुछ डेबिट कार्ड के लिए 250 जॉइनिंग चार्ज, 500 वार्षिक शुल्क और 150 रिप्लेसमेंट फीस लेता है।

वहीं एचडीएफसी बैंक के मुताबिक 250 से 750 तक की जॉइनिंग और सालाना फीस वसूलता है, जबकि नया कार्ड लेने पर 200 रुपए चार्ज किया जाएगा। आईसीआईसीआई अलग-अलग डेबिट कार्ड के लिए 1999 तक की जॉइनिंग फीस और 99 से 1499 सालाना शुल्क लेगा। इसके अलावा, अगर आप डेबिट कार्ड का पिन भूल जाते हैं और नया पिन बनवाना चाहते हैं, तो सभी बैंक इसके लिए 50 चार्ज करते हैं। हर बैंक के बचत खातों के लिए अलग-अलग न्यूनतम बैलेंस मेंटेन करने का नियम है। अगर ग्राहक तय सीमा से कम बैलेंस रखते हैं, तो उन पर जुर्माना लगाया जाता है।

एसबीआई रेगुलर सेविंग अकाउंट में न्यूनतम बैलेंस नहीं रखने पर कोई शुल्क नहीं लेता लेकिन पीएनबी न्यूनतम त्रैमासिक बैलेंस में कमी होने पर 400 से 600 तक का जुर्माना लगाता है। एचडीएफएस औसत मासिक बैलेंस मेंटेन नहीं करने पर 150 से 600 तक का चार्ज लेता है। आईसीआईसीआई खाते में तय सीमा से कम राशि होने पर मासिक औसत का 6 फीसदी या अधिकतम 500 चार्ज किया जाता है। बैंक ग्राहकों को हर महीने एक निश्चित संख्या में फ्री एटीएम ट्रांजैक्शंस की सुविधा दी जाती है, लेकिन तय सीमा के बाद एटीएम से पैसा निकालने पर अतिरिक्त ट्रांजैक्शंस चार्ज लगता है। एसबीआई एटीएम से महीने में 6 बार से ज्यादा निकासी पर 10 प्रति ट्रांजैक्शन। अन्य बैंकों के एटीएम से महीने में 3 बार से ज्यादा निकासी पर 20 रुपए प्रति ट्रांजैक्शन।

सोने-चांदी के दाम में गिरावट

सोना 119 गिरकर 90,996 पर आया चांदी 99,536 किलो बिक रही

नई दिल्ली, एजेंसी

सोने और चांदी के दाम में आज यानी 2 अप्रैल को गिरावट रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 119 रुपए गिरकर 90,996 रुपए पर आ गया है। इससे पहले सोना 91,115 रुपए पर था। ये इसका ऑल टाइम हाई भी है।

एक किलो चांदी की कीमत 105 रुपए गिरकर 99,536 रुपए प्रति किलो हो गई है। इससे पहले चांदी का भाव 99,641 रुपए प्रति किलो था। चांदी ने पिछले हफ्ते 27 मार्च को 1,00,934 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था। इस साल अब तक 14,834 रुपए महंगा हो चुका है सोना इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 14,834 रुपए यानी 40 प्रतिशत बढ़कर 90,996 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी का भाव भी 86,017 रुपए प्रति किलो से 13,519 रुपए यानी 15 प्रतिशत बढ़कर 99,536 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं पिछले साल यानी 2024 में सोना 12,810 रुपए महंगा हुआ था।

गैलेक्सी एक्सकव्हर 7 प्रो को बाजार में उतारने की तैयारी

नई दिल्ली। साउथ कोरियाई कंपनी सैमसंग अपने नए रगेड स्मार्टफोन गैलेक्सी एक्सकव्हर 7 प्रो को लांच करने की तैयारी कर रही है। स्मार्टफोन का मॉडल नंबर एसएम-जी766यू और एसएम-जी766यू1 है। कंपनी को एफसीसी सर्टिफिकेशन मिलने के बाद इसके जल्द लॉन्च होने की संभावना बढ़ गई है। यह डिवाइस 2जी, 3जी, 4जी और 5जी नेटवर्क को सपोर्ट करेगा। फोन को टीयूवी रेहइलैंड और गीकबेंच पर भी देखा जा चुका है, जिससे इसके संभावित स्पेसिफिकेशन्स का खुलासा हुआ है। लीक रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह स्मार्टफोन स्नैपड्रैगन 7एस जेन 3 प्रोसेसर और अड्रीनो 810 जीपीयू के साथ आ सकता है। गीकबेंच टेस्टिंग में इसे 1157 सिंगल-कोर और 4265 मल्टी-कोर स्कोर मिले हैं। यह डिवाइस 6जीबी रैम के साथ लॉन्च हो सकता है और इसमें 4265एमएच बैटरी दी जा सकती है। यह फोन ऐंड्रॉयड 15 बेस्ड वन यूआइई 7 पर काम करेगा। गैलेक्सी एक्सकव्हर 7 प्रो को लेकर अब तक आधिकारिक स्पेसिफिकेशन्स सामने नहीं आए हैं, लेकिन यह पिछले वेरिएंट गैलेक्सी एक्सकव्हर 7 का अपग्रेडेड वर्जन माना जा रहा है।

बीते साल की तुलना में 12.04 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई

भारत का रक्षा निर्यात बढ़कर 23,622 करोड़ के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र की मोदी सरकार ने बताया कि वित्त वर्ष 2025 में भारत का रक्षा निर्यात बढ़कर 23,622 करोड़ रुपये (करीब 2.76 अरब डॉलर) के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। वित्त वर्ष 2024 में 21,083 करोड़ रुपये की तुलना में रक्षा निर्यात में 2,539 करोड़ रुपये यानी 12.04 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। डिफेंस पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग्स (डीपीएसयू) ने वित्त वर्ष 2025 में अपने निर्यात में 42.85 प्रतिशत की शानदार वृद्धि दर्ज की है, जो कि दुनिया के वैश्विक बाजार में भारतीय उत्पादों की बढ़ती पहुंच को दिखाता है। वित्त वर्ष 2025 में रक्षा निर्यात में निजी क्षेत्र और डीपीएसयू ने क्रमशः 15,233 करोड़ और 8,389 करोड़ रुपये का योगदान दिया है, जबकि वित्त वर्ष 2024 के लिए यह आंकड़ा क्रमशः 15,209 करोड़ रुपये और 5,874 करोड़ रुपये था। भारतीय रक्षा क्षेत्र की इस उपलब्धि पर केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पोस्ट कर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत 2029 तक रक्षा निर्यात को बढ़ाकर 50,000 करोड़ रुपये करने के लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है। बड़े पैमाने पर आयात पर निर्भर सैन्य बल से विकसित होकर भारत अब आत्मनिर्भरता और स्वदेशी उत्पादन पर अधिक ध्यान केंद्रित कर रहा है। रक्षा निर्यात को बढ़ावा देने के लिए, हाल ही में समाप्त हुए वित्त वर्ष में गोला-बारूद, हथियार, सब सिस्टम/सिस्टम, पार्ट्स और घटकों से लेकर कई तरह की वस्तुओं का निर्यात करीब 80 देशों को किया गया है। मंत्रालय के अनुसार, रक्षा उत्पादन विभाग के पास निर्यात से जुड़े ऑथोराइजेशन रिक्वेस्ट की आवेदन और प्रोसेसिंग के लिए एक डेडिकेटेड पोर्टल है। वित्त वर्ष 2024-25 में 1,762 निर्यात से जुड़े ऑथोराइजेशन जारी किए, जबकि बीते वर्ष 1,507 निर्यात से जुड़े ऑथोराइजेशन जारी किए गए थे, जो 16.92 प्रतिशत की वृद्धि दिखाता है। इसी अवधि में निर्यातकों की कुल संख्या में भी 17.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई। मोदी सरकार का लक्ष्य 2029 तक रक्षा उत्पादन में 3 लाख करोड़ रुपये हासिल करना है।

यूज़ इन शॉर्ट

पानी आप बचाओं, पानी आपको बचाएगा

शहडोल। पानी आप बचाओ, पानी आपको बचाएगा卐 सरकार और समाज दोनों को मिलकर जल के महत्व को समझना चाहिए और इसे बचाने के लिए जागरूकता फैलानी चाहिए। जल जीवन का अभिन्न अंग है, और इसके बिना न तो कृषि संभव है, न ही उद्योग, और न ही हमारी दैनिक आवश्यकताएँ पूरी हो सकती हैं। अतः जल का संरक्षण करना हम सभी का कर्तव्य है। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत शहडोल जिले में 30 जून 2025 तक जल को सहेजने, संरक्षण एवं संवर्धन हेतु जल संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत जिले के समस्त जनपद पंचायत के ग्राम पंचायतो में जल गंगा संवर्धन अभियान में लोगों ने उत्साह एवं उमंग के साथ जल का महत्व समझते हुए श्रमदान कर अपनी सहभागिता निभा रहे हैं और जल के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए संदेश दे रहे हैं। इसी कड़ी में कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में शहडोल जिले के ब्यौहारी, ग्राम पंचायत अमन, पड़मानिया सहित अन्य ग्राम पंचायतों में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए लोगों ने श्रमदान किया। जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री विवेक पाण्डेय ने बताया कि जन अभियान परिषद के सदस्यों द्वारा ग्राम पंचायत जरवाही में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत दीवार लेखन किया गया तथा जल का महत्व समझते हुए तालाब की सफाई के कार्य में श्रमदान किया गया। जिसमें नवांकुर संस्था से मीनू जैन, प्रस्फुटन से अजय पाण्डेय, मेंटर आनन्द यादव सहित ग्रामवासियों की भूमिका रही।

आज अंतरा कंकाली देवी मंदिर में बहेगी भजनों की गंगा

शहडोल। चैत्र नवरात्रि के पावन पर्व पर संभागीय मुख्यालय

शहडोल से तकरीबन 10 किलोमीटर दूर ऐतिहासिक धार्मिक देवी स्थल कंकाली देवी मंदिर प्रांगण में पंचमी के अवसर पर भव्य देवी जागरण का आयोजन गुरुवार 3 अप्रैल शाम 5:00 से किया गया है, भजन संध्या आयोजन में मध्य प्रदेश समेत दूसरे प्रदेश एवं स्थानीय संगीत कलाकार उपस्थित रहेंगे, गौरतलाप है कि हर वर्ष देवी जागरण का कार्यक्रम कुछ श्रद्धालुओं द्वारा किया जा रहा है इसी तारतम में इस वर्ष भी पूरे उत्साह के साथ यह आयोजन संपन्न होगा, आयोजन समिति ने समस्त श्रद्धालुओं से पंचमी के अवसर पर भजन संध्या एवं देवी जागरण में सम्मिलित होने की अपील भी की है। भजन कोकिला के गूंजेगे स्वर- भजन संध्या में छत्तीसगढ़ की सुप्रसिद्ध गायिका हिना सिंह वाइस ऑफ़ एमपी मनोज रागी, मनोज निगम, अशोक केवट, अमित सतकेल लकी चतुर्वेदी एनआर साउंड सर्विस समेत दर्जनों कलाकार उपस्थित होंगे।

रेलवे स्टेशन में निःशुल्क शीतल पेय जल सेवा का हुआ शुभारंभ

शहडोल। शहडोल रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म क्रमांक एक में श्रीसाई सेवा समिति, रोटरी क्लब विराट व सांझी रसोई के संयुक्त तत्वावधान में यात्रियों को पेयजल उपलब्ध कराने को नि-शुल्क शीतल पेय जल सेवा का मंगलवार 1 अप्रैल 2025 को शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के शुरुआत में गणेश स्तुति के बाद स्टेशन मास्टर श्री मीणा के द्वारा रीबन काट कर शीतल जल प्याऊ का शुभारंभ किया तत्पश्चात सेवकों ने सुबह 9:30 बजे इन्दौर से चलकर बिलासपुर की ओर जा रही इन्दौर बिलासपुर ट्रेन के यात्रियों को पेयजल उपलब्ध कराया। यात्रियों को यह सेवा का लाभ निरंतर पूरी गर्मी जारी रहेगी। रेलवे प्लेटफार्म क्रमांक 1 में यात्रियों को श्री साईं सेवा समिति से समाज सेवी शेखर ढण्ड, प्रशांत नामदेव, महेन्द्र वर्मा, भागवत केवट, नगर के वरिष्ठ पत्रकार एवं प्रबंधक वीरेन्द्र प्रताप सिंह, मध्य प्रदेश जन संदेश के ब्यूरो चीफ विश्वास हलवाई, निरंजन पटेल, याकूब, पिंकू, इम्तियाज, दुर्गा तांती, राजेश बहरानी आयान, क्रिष्टी इब्राहीम, देवेन्द्र श्रीवास्तव, एसपी राजवानी, गोपाल निगम, पुष्पेन्द्र खरे गुड्डू, संतोष राव, संतोष दुबे, अमित चतुर्वेदी, कुमुद तिवारी, सांझी रसोई से रममीत सिंह, गोवर्धन दास जेठानी, समाजसेवी एवं पूर्व पार्षद इसहाक खान, अमजद खान, समीम, रोटरी क्लब विराट से सुशील खोडियार, सी.एम.मेहानी, जयसुखलाल चावड़ा, विनय तिवारी, प्रकाश ओचानी, नारायण तिवारी (बड़े) के साथ ही अन्य सेवकों ने सेवाएं प्रदान की।

कलेक्टर ने छात्राओं से किया संवाद

शहडोल। स्कूल चले हम अभियान के द्वितीय दिवस भविष्य से

भेंट कार्यक्रम के तहत कलेक्टर डॉ.केदार सिंह ने शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ब्यौहारी में छात्राओं के साथ संवाद किया गया तथा छात्राओं से विभिन्न विषयों पर चर्चा की। इस अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सुश्री सौम्या आनंद सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थें।

गांव-गांव बिक रहा अवैध शराब, नगरों के ढाबों पर फल-फूल रहा नशे का कारोबार

पुलिस नवरात्रि में व्यस्त इधर शराब माफिया अपने में मस्त

राहुल मिश्रा, विजय मत, शहडोल।

शहर सहित जिले भर में शराब का अवैध कारोबार जमकर फल फूल रहा है। पुलिस इधर नवरात्रि में व्यस्त है तथा ग्रामीण क्षेत्रों में शराब माफिया अपने में मस्त है। ठेकेदारों की सप्लाई गांव-गांव तक पहुंच गई है। जहां तय ठिकानों पर शराब धड़ल्ले से बिक रही है। इधर आबकारी अधिकारी इस पर कोई विशेष ध्यान नहीं दे रहे हैं तथा आबकारी विभाग के जिम्मेदार अफसर अनजान बने बैठे हैं।

आबकारी अधिकारी नहीं है दिलचस्पी

शहर के बस स्टैंड, रीवा रोड संचालित अनेक ढाबें, बुढार रोड, उमरिया रोड के ढाबों पर अवैध शराब जमकर बिकती है। जिनकी जांच करने के लिए आबकारी अधिकारी दिलचस्पी तक नहीं लेते। हाल यह है कि पंजीकृत दुकानों से बाइकों और कार के माध्यम से गांवों तक यह अवैध शराब पहुंचाने का सिलसिला जारी है। शहर से गांव तक अवैध शराब का काम ठेकेदार मजबूत नेटवर्क के साथ कर रहे हैं।

शराब के ठिकाने बने यह स्थल

ज्यादा मुनाफा कमाने के चक्कर में शराब ठेकेदारों ने हर हाइवे से जुड़े नगर कस्बों को कवर कर रखा है। जहां अवैध शराब की तस्करी होती रहती है। इन ठिकानों से शराब तय रेट से 20 से 30 फीसदी महंगी बेची जाती है। रीवा रोड़ पर रात को लगने वाले ढाबे, जयसिंहनगर से जनकपुर रोड के पास के ढाबे एवं दूकान जैसी जगहों पर 24 घंटे शराब खरीदी जा सकती है।जहां नशे के कारोबार करने वाले गुमठियों से ही गांजे की पुड़िया 150 से 200 रुपए में, स्मैक की पुड़िया 300 से 500 रुपए में बेच रहे हैं।

गांव-गांव चल रही शराब की अवैध पैकारी

ब्यौहारी एवं जयसिंहनगर विकासखंड क्षेत्र कई परिवार तो ऐसे हैं, जिनके पति शराब के कारण अपने कार्य पर भी नहीं जा रहे हैं। जिसके कारण परिवारों के भरण पोषण के लिए महिलाएं मजदूरी कर रही हैं। कई परिवार टूट चूके हैं और कई टूटने की कगार पर पहुंच गए हैं। कुछ परिवारों में आज भी पति-पत्नी की बीच लड़ाई-झगडे हो रहे हैं। इन दिनों आबकारी विभाग ठेकेदारों के इशारे पर कच्ची शराब के खिलाफ धरपकड़ कर रहा है, किंतु गांव-गांव चल रही अवैध कुचियों पर अब तक किसी भी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।

पुलिस और आबकारी विभाग के मिलीभगत से चल रहा धंधा

गांवों में खुलेआम अवैध शराब का धंधा चल रहा है। पुलिस और आबकारी विभाग की ठेकेदारों से मिलीभगत से यह अवैध धंधा जोरों पर है। इस कारण आए दिन ग्रामीणों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले कई गांवों में देसी और अंग्रेजी शराब गांव में रहने वाले कुछ लोगों घरों से खुलेआम बेंच रहे हैं।

बिना लाइसेंस के चल रहे शराब के ठेके

बिना लाइसेंस के चल रहे शराब के ठेकों पर शाम से ही दारू पीने वालों का जमघट लगना शुरू हो जाता है। पीने के बाद बेमुल्क नबाब दारूबाज गांव में आने जाने वाले बुजुर्गो के साथ अभद्र व्यवहार शुरू करते हैं। वहीं गांव की बहिन बेटियों के साथ छेड़छाड़, अश्लील हरकतें व आवाजकशी करने से नहीं चूकते हैं।

विकास को मुंह चिढ़ाती कच्ची सड़कें उड़ती धूल और हिचकोले खाती गाड़ियां

विजय मत, शहडोल।

विजय मत
मै शहडोल बोल रहा हू
अजय जायसवाल

कहने के लिए तो विराट नगरी शहडोल में कई मॉडल रोड हैं भले ही उनमें बरसात में बाढ़ आ जाती हो और बाकी के मौसम में गढ़ों की वजह से गाड़ी कूदते फांदते चलती है। जय स्तंभ से गांधी चौक और गांधी चौक से लल्लू सिंह चौक तक बीच बीच में अनेकों गड्ढे विकास के नाम पर हमे चिढ़ाते रहते हैं। बस स्टैंड रोड हो या जिला न्यायालय रोड बिना झटका खाए आप गंतव्य तक पहुंच ही नहीं सकते। परंतु वर्तमान में शहर के अंदर अनेक वाड़ों में सड़कों की हालत इतनी खराब है टूटी-फूटी सड़कों से उड़ती हुई धूल विकास को मुंह चिड़ा रहे हैं। यदि हम पुरानी नगर पालिका से झूला पुल गायत्री मंदिर डॉक्टर कॉलोनी कमिश्नर बांग्ला डीजे बंगला सिंचाई कार्यालय एवं डी आई जी बंगला होते हुए पुलिस लाइन जाने वाले इस मार्ग की हालत यह है कि सीवर लाइन कंपनी के काम के बाद दो महीने से पूरी की पूरी रोड गांव से भी बत्तर हो गई है। सुबह से रात तक धूल के उड़ने से घर दुकान कार्यालय मंदिर बंगला सब कुछ धूल धूसरित हो जाते हैं।सफाई करते करते सबकी हालत बिगड़ जाती है।कपड़े बर्तन सामान भोजन बिस्तर गंदे हो जाते हैं।

नगर पालिका नई रोड बनाने के लिए दो करोड़ रुपए का टेंडर कर चुकी है पर स्नद्धद्दद्मद्दस्नड्डद्ध काम शुरू करने में लेट लतीफी कर रहा है। इस रोड में इतने ज्यादा गढ़े हो गए हैं कि गाड़ी हिचकोले खाती चलती है जिससे लोगों के शरीर की नस नस ढीली हो जाती है कमर दर्द होने लगती है ।

लोग आपस में बात करते हैं कि देखो साहब विकाश चाहिए तो तकलीफ तो झेलनी पड़ेगी। विकाश के नाम पर धूल खाइए हिचकोले खाइए कमर दर्द सहिए पर कब तक।सालों से तो इस रोड की हालत पतली है।

यह बात भी लोग आपस में करते हैं की क्या इस शहर में जन प्रतिनिधि नहीं रहते या इस सड़क से नहीं निकलते । इस सड़क में तो कमिश्नर जिला पंचायत सीईओ डीआईजी जिला एवं सत्र न्यायाधीश डॉक्टर पत्रकार नेता अनेक शासकीय अधिकारी रोज आते जाते हैं पर क्या सड़क निर्माण के लिए कोई प्रयास नहीं करता।

ऐसा नहीं है कि सिर्फ यही सड़क नगर में खराब है। नए गांधी चौक से रेलवे स्टेशन जाने वाले मार्ग में नटराज होटल से लेकर परमट तक यदि आप दोपहिया वाहन या ऑटो से चले जाए तो नानी याद आ जाएगी। आपको समझ आ जाएगा की विकास किसे कहते हैं। विकास के नाम पर कैसे-कैसे गढ़ों को सीमेंट से भरने का काम किया गया है। इस सड़क के गड्ढों एवं पैच वर्क के काम को यदि कोई सिविल इंजीनियर देख ले तो उसे चक्कर आ जाएगा। ऐसा नहीं है कि नगर पालिका में सिविल इंजीनियर नहीं है। ऐसा लगता है कि नगर की में सड़कों के पैच वर्क या निर्माण कार्य की मॉनिटरिंग करने वाला कोई नहीं है।

गुरु नानक चौक से डेवलपमेंट एरिया जाने वाले मार्ग में शिवर लाइन के काम के बाद रोड निर्माण ठेकेदार रोड पूरी खोदकर छुट्टी मनाने चला गया है जिसके चलते यहां के नागरिकों की परेशानियां इतनी बढ़ गई है कि उन्हें भी विकास के नाम पर धूल धूसरित और उबर खाबर सड़क मुंह चिड़ा रही है।

हम यहां किसी विभाग या किसी जिम्मेदार अधिकारी या जिम्मेदार जनप्रतिनिधि की आलोचना नहीं कर रहे हैं सिर्फ हम तो उस विराट नगरी के रहवासियों का दर्द बांटने की कोशिश कर रहे हैं जिसके विकास का सपना आए दिन दिखाया जाता है। लगता है आप मेरी इन बातों से कही बोर न हो जाएं इसलिए शहर की बाकी तस्वीर हम अगले अंक में आप को दिखाने का प्रयास करेंगे। धन्यवाद जय हिंद जय मध्य प्रदेश।

शिल्पकारों को दें उच्च गुणवत्ता का प्रशिक्षण-मंत्री दिलीप

राज्य मंत्री दिलीप जायसवाल ने हस्तशिल्प एवं हथकरघा विकास निगम शाखा छतवई का किया निरीक्षण

विजय मत, शहडोल।

कुटीर एवं ग्रामोद्योग (स्वतंत्र प्रभार) राज्य मंत्री दिलीप जायसवाल की उपस्थिति में हस्तशिल्प एवं हथकरघा विकास निगम शाखा,छतवई में कौशल विकास उन्नयन प्रशिक्षण योजना के तहत शिल्पकारों को दिए जा रहे 75 दिवसीय प्रशिक्षण कार्य का शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर राज्य मंत्री दिलीप जायसवाल ने यहां के प्रभारी प्रबंधक एवं डिजाईनर को निर्देशित करते हुए कहा कि हस्तशिल्प एवं हतकरघा विकास निगम शाखा छतवई में प्रशिक्षण ले रहे शिल्पियों को उच्च एवं कुशल प्रशिक्षण दिलाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि शिल्पियों को नए-नए डिजाइन के प्रशिक्षण दिए जाएं। राज्य मंत्री ने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्य 75 दिन तक ही सीमित नहीं रहेगा यह आगे भी निरंतर चलता रहेगा। उन्होंने कहा कि यहां कालीन के साथ-साथ दरी एवं चादर बनाने का भी प्रशिक्षण दिया जाए एवं उनके नए-नए डिजाइन बनाना भी सिखाया जाए। उन्होंने कहा कि छतवई की बनी कालीन का उपयोग विधानसभा भवन में भी किया गया है यह हमारे लिए गौरव का विषय है। उन्होनें कहा कि ज्यादा से ज्यादा लागों को प्रशिक्षण में शामिल किया जाए एवं प्रशिक्षण दिया जाए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक जयसिंहनगर श्रीमती मनीषा सिंह ने कहा कि हमारे ग्राम छतवई में बनी कालीन एवं दरी प्रदेश के साथ-साथ देश में भी प्रसिद्ध है। उन्होंने कहा कि हमारे यहां की माताएं-बहने कालीन की बुनाई एवं कास्ट की कलाकृति बनाने में कुशल कारीगर हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना काल से पहले ग्राम पंचायत छतवई का हस्तशिल्प एवं हतकरघा विकास निगम शाखा छतवई का कार्य बड़ी तेजी से चल रहा था। कोरोना काल आने के बाद किन्ही कारणों से बंद हो गया था। उन्होंने कहा कि राज्य मंत्री दिलीप जायसवाल की पहल पर यह पुनः खोला गया है। इसमें हमारे यहां की माताएं एवं बहने फिर से कार्य कर अपने हुनर को निखारेंगी तथा अपने हाथों की कला से फिर से छतवई एवं शहडोल जिले का नाम रोशन करेंगी।

इस दौरान कुटीर एवं ग्रामोद्योग (स्वतंत्र प्रभार) राज्य मंत्री दिलीप जायसवाल ने हस्तशिल्प एवं हथकरघा विकास निगम शाखा छतवई का निरीक्षण भी किया तथा प्रशिक्षण ले रहीं महिलाओं से चर्चा भी की।

कार्यक्रम में अध्यक्ष नगरपालिका शहडोल घनश्याम दास जायसवाल, अध्यक्ष जनपद पंचायत सोहागपुर श्रीमती हीरावती कोल,समाज सेवी श्रीमती अमिता चपरा, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मुद्रिका सिंह सहित, हस्तशिल्प एवं हथकरघा विकास निगम शाखा छतवई के प्रभारी प्रबंधक शिवशंकर पाण्डेय, डिजाईनर अंकिता चन्द्रवर्शी अन्य जनप्रतिनिधि अधिकारी एवं काफी संख्या में शिल्पी बहने उपस्थित रहीं।

करोड़पति बिल्डर सौरभ शर्मा मामले में कॉंग्रेस ने किया पुतला दहन

विजय मत, शहडोल।

जिला कॉंग्रेस कमेटी शहडोल के जिलाध्यक्ष सुभाष गुप्ता के निर्देश पर प्रदेश सचिव अजय अवस्थी के नेतृत्व मे जिला कॉंग्रेस कमेटी शहडोल द्वारा गाँधी चौक शहडोल मे, पूर्व आरटीओ कॉन्स्टेबल और करोड़पति बिल्डर सौरभ शर्मा सहित अन्य आरोपियों को लोकायुक्त कोर्ट से मंगलवार को मिली जमानत के विरोध मे, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री का पुतला दहन किया गया।*

प्रदेश सचिव अजय अवस्थी ने कहा कि, लोकायुक्त कोर्ट में लोकायुक्त 60 दिन में सौरभ व उसके साथियों के खिलाफ चालान पेश नहीं कर पाई जिसके कारण उन्हें जमानत दी गई है। मध्य प्रदेश में भ्रष्टाचार की नई परतें खुलती जा रही हैं और सत्ता के संरक्षण में बड़े आर्थिक अपराधियों को बचाने का खेल जारी है। यह मामला केवल एक घोटाले का नहीं, बल्कि पूरे सरकारी तंत्र की निष्पक्षता और पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े करता है। मध्य प्रदेश में भ्रष्टाचार अब इतनी गहराई तक समा चुका है कि वह प्रशासनिक और राजनीतिक दोनों ही स्तरों पर दिखाई देने लगा है। यह संकट केवल आर्थिक अपराधों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रदेश की न्याय व्यवस्था और कानून के शासन पर भी एक गंभीर हमला है।

अजय अवस्थी ने कहा कि, जिस मामले में 52 किलो सोना, करोड़ों की नगदी और रियल एस्टेट में किए गए भारी निवेश का खुलासा हुआ था, उस पर उचित समय में लोकायुक्त द्वारा चालान पेश न किया जाना भाजपा सरकार की मंशा को उजागर करता है। यह सीधा संकेत है कि भ्रष्टाचार के तार केवल कुछ अधिकारियों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह एक संगठित नेटवर्क के रूप में सत्ता के शीर्ष तक फैला हुआ है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी सदैव भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ती रही है और आगे भी लड़ेगी।

पुतला दहन कार्यक्रम के दौरान मुख्य रूप से प्रदेश सचिव अजय अवस्थी,नगरपालिका अध्यक्ष घनश्याम जयसवाल, पूर्व जिलाध्यक्ष राकेश कटारे, पूर्व नगरपालिका उपाध्यक्ष कुलदीप निगम, जिला मुख्य प्रवक्ता पीयूष शुक्ला,पूर्व पार्षद प्रभात पाण्डेय, जिला उपाध्यक्ष अनुज मिश्रा, युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष अनुपम गौतम,एनएसयूआई प्रदेश सचिव आशीष तिवारी,एनएसयूआई जिलाध्यक्ष सौरभ तिवारी,शोसल मीडिया जिलाध्यक्ष प्रीतेश द्विवेदी, पूर्व पार्षद जितेंद्र सिंह, सोहागपुर ब्लाक अध्यक्ष शिव शंकर शुक्ला, पूर्व जिलाध्यक्ष नीरज द्विवेदी, नरेंद्र मरावी,पुष्पराज सिंह,दानिश अहमद, संजय पटेल, आशुतोष यादव, रविंद्र मणि शुक्ला,सुद्धू कोल, मनोज गुप्ता,अजय सनपाल, हरिशंकर तिवारी,हर्ष गौतम, शुभम, साहिल, गौरव, दीपांशु, कान्हा, आशु, कृष्णा, शिवार्थ, कृतार्थ ,ओम आदि कॉंग्रेसजन उपस्थित रहे।

जी.एम.एस कम्पनी के विरूद्ध ग्रामीणों ने कलेक्ट्रेट परिसर में किया धरना प्रदर्शन

विजय मत, शहडोल।

सोमवार को ग्राम पंचायत देवगांव के ग्राम वासियों द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर में धरना प्रदर्शन कर जी.एम.एस कम्पनी के पक्ष में जारी अनापत्ती प्रमाण पत्र को निरस्त करने की मांग की गई और ग्राम सचिव पर आरोप लगाया गया कि ग्राम वासियों को धोखे में रखकर कंपनी को अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया है।ग्राम पंचायत के सरपंच व सचिव के द्वारा दिनांक 16.08.2024 को जी.एस एम कम्पनी के पक्ष में बिना कोई ग्राम सभा किये बिना फजी रूप से नियम के विपरीत ग्राम पंचायत का प्रस्ताव मे अनापत्ती प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया है।जब की किसी भी कम्पनी को अनापत्ती जारी करने के पूर्व सभा को बुलाना आवश्यक है किन्तु जनपत पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सोहागपुर के साथ मिलकर कोयला कम्पनी के साथ सांठगांठ कर मनमाने तरीके से अनापत्ती प्रमाण पत्र जारी किया गया है जिसे निरस्त किये जाना न्याय हित में आवश्यक है। ग्राम पंचायत को निर्देशित किया जाये कि नये शिरे से ग्राम सभा बुला कर प्रभावित किसानों समस्त सभी विषयों पर चर्चा के उपरान्त हि कोई कार्यवाही कि जाए।ग्राम पंचायत देवगवां के द्वारा अनापत्ती प्रमाण पत्र को निरस्त किया जा कर नये शिरे से कार्यवाही हो।

अतिक्रमण

अतिक्रमण हटाने की दर्जन भर कार्रवाई के बाद भी बाजार में अव्यवस्थाएं बरकरार

हॉकर्स जोन की योजना हवा-हवाई, रोज लग रहा जाम

विजय मत, शहडोल।

शहर के बाजारों को व्यवस्थित करने की कवायद केवल योजना बनाने तक सीमित है। हॉकर्स जोन बनाकर फुटपाथ पर लगने वाली दुकानों को व्यवस्थित किया जाएगा। जिला प्रशासन की ओर से लिए गए इस निर्णय पर अमल नहीं हो पा रहा है। नतीजा फुटपाथ पर अतिक्रमण और आए दिन अतिक्रमण हटाने को लेकर चलने वाले अभियान के चलते न ही बाजार पहुंचने वाले ग्राहक खुश हैं और न ही दुकान लगाने वाले व्यापारी। वजह दुकानदारों को आए दिन होने वाली कार्रवाई से और ग्राहकों को जाम जैसी समस्याओं से जूझना पड़ता है।

सबसे ज्यादा अव्यवस्था गांधी चौक के आसपास

शहर के मध्य में न्यू गांधी चौक का एरिया दिन भर व्यस्त रहता है। यहां पर मुख्य बाजार है और इसके कारण सुबह से रात तक भीड़ रहती है। यहां पर वाहनों का जमावड़ा होना स्वाभाविक है, लेकिन बेतरतीब ढंग से खड़े वाहनों के कारण जिस तरह से लोगों को परेशानी होती है और दुर्घटनाओं का शिकार होना पड़ता है। उसका अंदाजा किसी को नहीं है। यहां पर सबसे ज्यादा अव्यवस्था गांधी चौक के आसपास वाले इलाके में रहती है।

यहां पर रहती हैं ज्यादा अव्यवस्था

- गांधी-चौक में मृगनयनी के सामने वाहनों का जमावड़ा ज्यादा रहता है
- रघुराज स्कूल के आस-पास चार पहिया वाहनों को लोग खड़ा कर चले जाते है
- सब्जी मंडी की ओर जाने वाले मार्ग में सड़क पर दुकानदार अतिक्रमण कर लेते हैं
- मुख्य चौराहे के आसपास फुटपाथ को लोगों ने अपने काम के लिए घेर रखा है
- पार्किंग के लिए बनी जगह पर फल वालों का अलग से कब्जा

शहर के अंदर चौराहों व तिराहों के मोड़ पर भी कब्जा

शहर के अंदर चौराहों व तिराहों के मोड़ पर भी कब्जा है। लोगों का कहना है कि मुनाफा कमाएं दुकानदार और दुर्घटना का शिकार राह चलते लोग हो। उन्होंने इसके लिए हाकर जोन जोन बनाए जाने की बात कही।

जनप्रतिनिधि कर रहे हस्ताक्षेप

नगर पालिका द्वारा फुटपाथ पर ठेला लगाने वाले दुकानदारों के लिए व्यवस्था बनाने का कई बार प्रयास किया गया, लेकिन स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा इस पर किसी प्रकार का कोई ध्यान नहीं दिया गया। प्रशासन व नगर पालिका की ओर से व्यवस्था बनाने के लिए दुकानों को हटाया जाता है, लेकिन स्थानीय प्रतिनिधियों हर बार हस्तक्षेप कर देते हैं। खामियाजा, स्थानीय दुकानदारों व ग्राहकों के अलावा ठेला खोमचा वालों को भी भुगतना पड़ रहा है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सीता शुक्ला द्वारा पीजी इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विस प्रा.लि., प्लॉट नं. 18, इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर म.प्र. से मुद्रित एवं विजय मत भवन, गायत्री मंदिर रोड, वार्ड नं. 13, शहडोल, म.प्र. से प्रकाशित। संपादक- सीता शुक्ला, प्रधान संपादक- विजय शुक्ला
(*समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार)। सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र शहडोल होगा। आर.एन.आई.-पंजीयन नंबर MPHIN/2018/76119, e-mail: vijaymat.sdl@gmail.com